हरिभूमि
रायपुर भूमि

संचालनालय ने जारी किया आदेश

इस संबंध में संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास ने राज्य के सभी नगर निगम आयुक्त, सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिक निगम और नगर पंचायतों को आदेश जारी किया है। आदेश में कहा गया है कि राज्य सरकार के समस्त विभागों, संस्थाओं तथा अन्य एजेंसियों, ठेकेदारों द्वारा सीबीयूडी ऐप का उपयोग करने के लिए निर्देशित किया गया है। इसमें सार्वजनिक उत्खनन (शासकीय या निजी) करने के इच्छुक एजेंसियों को किसी भी प्रकार की खुदाई केवल सीबीयूडी मोबाईल एप के माध्यम से रजिस्ट्रेशन तथा पूर्व सूचना के बाद ही किया जाना है। नगरीय निकाय (नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत) इत्यादि विभाग, कार्यालयों के नोडल अधिकारी, समस्त निर्माण ठेकेदार एवं जेसीबी मालिकों को सीबीयूडी ऐप में पंजीकृत करना आवश्यक है।

अब जेसीबी लगाकर कहीं भी नहीं खोद सकेंगे गड्ढा एप में रजिस्ट्रेशन और सूचना जरूरी, अन्यथा दंड

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में हम देखते आए हैं कि कोई भी आदमी कहीं भी जेसीबी मशीन लगवाकर अपने हिसाब से गड्ढे खुदवा कर अपने काम कर लेता है, लेकिन अब ये नहीं चलने वाला है। अब कोई भी नगरीय निकाय हो या सरकारी ठेकेदार, या जेसीबी मालिक उन्हें सीबीडीयू (कॉल बिफोर यू डिग) एप में पंजीकरण कराना होगा और सूचना देने के बाद ही खुदाई की जा सकेगी। अगर गड्ढा खोदने वाले इस नियम का पालन नहीं करते, तो उनके लिए दंड का प्रावधान भी रखा गया है।

ऐसे होगा सीबीयूडी एप का उपयोग

इस काम के लिए तैयार किए गए सीबीयूडी एप के उपयोग के लिए के उपयोग के संबंध में ये निर्देश दिए गए हैं। सीबीयूडी ऐप पर नगरीय निकायों के समस्त संबंधित अधिकारियों के संपर्क विवरण की मैपिंग कर ऐप में अपलोड किया जाए। उत्खनन करने वालों को सीबीयूजी ऐप पर खुद को पंजीकृत करने और उत्खनन गतिविधियों को शुरू करने से पहले सीबीयूडी ऐप के माध्यम का उपयोग करने के लिए एजेंसियों को अनिवार्यतः निर्देशित करने कहा गया है। उत्खननकर्ताओं का ऐप उपयोग न करने के लिए दंड के प्रावधान की जानकारी दी जावे एवं उपयोग करने वाले को प्रोत्साहित किया जाये।

पाइप लाइन जांचने सारथी चौक के पास खोदा गड्ढा, ट्रैफिक जाम से परेशान

- राज्य के सभी नगरीय निकायों में लागू होगा ये नियम
- नगरीय प्रशासन विभाग ने जारी किया आदेश

जेसीबी, एक्सावेटोर का होगा पंजीयन

सीबीयूडी मोबाईल ऐप स्थानीय निकायों के लिये होने के कारण किसी भी उपयोगकर्ता एजेंसी को सपोर्ट करता है। जैसे कि पानी की पाइप लाइन सीवरेज, गैस पाइप लाइन इलेक्ट्रिक केबल आदि, जो विभिन्न राज्य सरकार के स्वामित्य या प्रबंधन में है। इसलिए भारतीय टेलीग्राफ (इन्फ्रास्ट्रक्चर सेफ्टी) नियम 2022 के अनुसार ही कार्य किया जाए। सभी निजी कार्य एजेंसी,ठेकेदारों को सीबीयूडी) मोबाईल ऐप के उपयोग करने हेतु अनिवार्यतः सूचित कर उन्हें प्रोत्साहित किया जावे। निकायों के लिए नोडल अधिकारी नामांकित कर निकायों में पंजीकृत सभी ठेकेदार एवं जेसीबी, खुदाई के यंत्र (एक्सावेटोर) मालिकों के पंजीकरण कराना होगा।

खबर संक्षेप

महामाया मंदिर के गर्भगृह में घुसा युवक

रायपुर। पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र स्थित महामाया मंदिर के गर्भगृह में एक युवक के घुसने से हड़कंप मच गया। मंदिर प्रबंधन के शिकायत पर पुलिस ने गर्भगृह में घुसने वाले युवक की पतासाजी कर पूछताछ की। पूछताछ में युवक के मानसिक रूप से बीमार होने की बात सामने आई है। गर्भगृह में घुसने वाले युवक के परिजनों ने पुलिस को बताया कि युवक को उपचार के लिए डॉ. खरे के पास ले गए थे। इस दौरान युवक दौड़ते हुए मंदिर पहुंचा और एक नारियल तथा चुनरी बगैर पैसे दिए लेकर मंदिर के अंदर दाखिल हो गया। मंदिर दाखिल होने के बाद युवक गर्भगृह के अंदर प्रवेश कर गया था।

चाकू दिखाकर दहशत फैलाते पकड़ा गया बदमाश

रायपुर। खमतराई पुलिस ने चाकू की नोक पर लोगों को डराने-धमकाने के आरोप में एक बदमाश को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चाकू जब्त किया है।

पुलिस ने चाकू की नोक पर लोगों को धमकाने के आरोप में सागर निषाद को पकड़ा है। सागर भनपुरी के पास चाकू लहराते हुए लोगों को धमका रहा था।

स्पॉ सेंटर की महिला संचालक गिरफ्तार

रायपुर। स्पॉ सेंटर की आड़ में देह व्यापार संचालित करने के आरोप में राजेंद्र नगर पुलिस ने लक्जरी वेलनेस सेलून एण्ड स्पॉ सेंटर की महिला संचालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पिछले दिनों शहर के अलग-अलग 80 से ज्यादा स्पॉ सेंटर की जांच की थी। जांच में लक्जरी वेलनेस सेलून एण्ड स्पॉ सेंटर में देह व्यापार होने की पुष्टि हुई थी। देह व्यापार होने की पुष्टि होने के बाद से स्पॉ सेंटर की महिला संचालक पुलिस को चकमा देकर फरार हो गई थी, जिसे पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार किया है।

फिर से होगी कोरोना की मॉनिटरिंग

रायपुर। राज्य में सर्दी, खांसी, जुकाम और बुखार जैसे लक्षणों वाले मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने इन्फ्लुएंजा लाइक इलनेस (इली) और सीवियर एक्यूट रेस्पिरेटरी इलनेस (सारी) के प्रभावी सर्वेक्षण और प्रबंधन के निर्देश जारी किए हैं। सभी शासकीय व निजी अस्पतालों को आईएचआईपी पोर्टल पर इन प्रकरणों की अनिवार्य प्रविष्टि करने को कहा गया है, वहीं मितानिनों के माध्यम से समुदाय स्तर पर ऐसे लक्षणों की रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है। स्वास्थ्य कर्मियों को इन्फ्लुएंजा लाइक इलनेस (इली) और सीवियर एक्यूट रेस्पिरेटरी इलनेस (सारी) के इलाज व प्रबंधन का प्रशिक्षण देने के साथ-साथ रेस्पिरेटरी एटीकेट्स के तहत मास्क के अनिवार्य उपयोग की भी हिदायत दी गई है साथ ही अस्पतालों में जरूरी दवाइयों और सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

दिसंबर से राजिम तक चलेगी ट्रेन, फिर रेलवे को होगा राजस्व लाभ

दो महीने बाद भी 'अभनपुर लोकल' की बोहनी अच्छी नहीं, यात्री इतने कम कि खर्च भी नहीं निकल रहा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रेलवे ने कम खर्च में यात्रियों को बेहतर सुविधा देने के उद्देश्य से रायपुर से अभनपुर के बीच ट्रेन सेवा शुरू कर दी है, लेकिन अभी भी अभनपुर जाने के लिए यात्रियों का प्राथमिक विकल्प बस ही है। 500 से अधिक सीटों वाली इस ट्रेन में प्रतिदिन लगभग 100 यात्री ही सफर कर रहे हैं, जिसमें एक राउंड में लगभग 30 से अधिक यात्री मिल रहे हैं। यात्रियों की संख्या कम होने के कारण ट्रेन संचालन का खर्च भी निकल नहीं पा रहा है। फिलहाल केवल रायपुर और अभनपुर स्टेशनों से ही टिकट खरीदे जा रहे हैं। सीबीडी और केंद्री स्टेशनों में टिकट बिक्री बेहद कम है। रेलवे को अब मुक्तांगन, उद्योग नगर, राजिम और धमतरी स्टेशनों के शुरू होने का इंतजार है, ताकि यात्री संख्या में इजाफा हो सके। इन स्टेशनों का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

मुक्तांगन स्टेशन का निर्माण एनआडीए द्वारा किया जा रहा है, जो इस वर्ष तक तैयार हो जाएगा। डीआरएम दयानंद ने हरिभूमि से बातचीत में बताया कि राजिम स्टेशन का निर्माण कार्य दिसंबर तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। रेलवे प्रशासन ⏭ शेष पेज 15 पर

ट्रेनों में यात्री बढ़ाने अब रेलवे को मुक्तांगन, उद्योग नगर राजिम और धमतरी स्टेशनों में ट्रेन शुरू होने का इंजतार

यह है ट्रेन का समय

- 68760 रायपुर से सुबह 9:00 बजे और अभनपुर से सुबह 10:20 बजे रायपुर के लिए।
- 68762 रायपुर 16:20 बजे और 68763 अभनपुर से 18:10 बजे रायपुर के लिए रवाना होगी।

रोज 80 प्रतिशत ट्रेन रहती है खाली

दो महीने के बाद भी रायपुर-अभनपुर लोकल ट्रेन में यात्रियों में विशेष इजाफा नहीं हुआ है। पहले दिन की बात करें, तो 500 से अधिक सीटों में से महज 128 यात्रियों ने 10 रुपए किराए पर मेमू ट्रेन में सफर किया था, जिससे रेलवे को केवल 1280 रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ। इसके ⏭ शेष पेज 15 पर

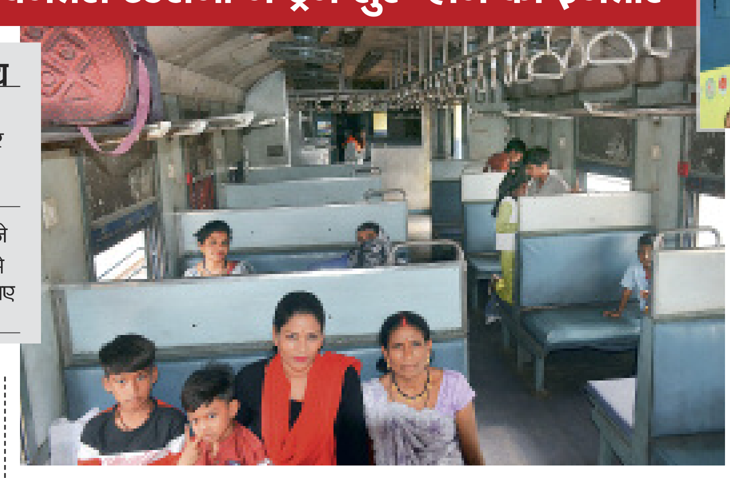

नया रायपुर में ऑटो नहीं मिलने से भी घट रही सवारी

रायपुर-अभनपुर लोकल ट्रेन में यात्रियों की संख्या कम होने का एक प्रमुख कारण यह भी है कि सीबीडी और केंद्री जैसे स्टेशनों पर ऑटो या अन्य लोकल परिवहन की सुविधा नहीं मिल रही है। घरों के करीब बस स्टॉप है। इन स्टेशनों से लोगों के घर काफी दूर हैं, जिससे उन्हें स्टेशन तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है। नया रायपुर घूमने आने वालों के लिए सीबीडी स्टेशन सबसे नजदीक है, लेकिन यहां से जंगल सफारी, मुक्तांगन जैसी जगहों तक पहुंचने के लिए तत्काल कोई ऑटो नहीं मिलता। इस वजह से लोग अब भी रायपुर शहर से सीधे ऑटो किराया कर नया रायपुर पहुंच रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार इन स्टेशनों पर सिटी बस का भी कोई ठहराव नहीं है, जिससे यात्रियों को और परेशानी हो रही है।

समय सारिणी नौकरीपेशा यात्रियों के लिए सही नहीं

रायपुर से अभनपुर के लिए अंतिम ट्रेन शाम 4.20 को है। हरिभूमि से बात करते हुए यात्रियों ने कहा कि रेलवे ने ट्रेन चलाने की सुविधा का विस्तार किया है, लेकिन समय सारणी उन यात्रियों के लिए सही नहीं बैठ रही है, जो रोजाना काम के सिलसिले में अभनपुर से नया रायपुर या रायपुर जाते हैं। अभनपुर से पहली ट्रेन 11.45 को रायपुर पहुंचती है, जो नौकरीपेशा यात्रियों के लिए सही नहीं है। अगर यह ट्रेन 10 बजे रायपुर पहुंच जाए, तो बस या निजी वाहन में सफर करने वाले यात्री ट्रेन में ही सफर करना शुरू करेंगे। इसके अलावा, रायपुर से अभनपुर की अंतिम ट्रेन शाम 4.20 को है। यदि इसे 6 बजे कर दिया जाए, तो रायपुर से अधिक संख्या में दैनिक यात्री अभनपुर के लिए इस ट्रेन का इस्तेमाल करेंगे।

हटाए गए रविवि के प्रभारी कुलसचिव शैलेंद्र पटेल

न्यायालय ने ठहराया था अयोग्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पं.रविशंकर शुक्ल विवि के प्रभारी कुलसचिव शैलेंद्र पटेल को अंततः उनके पद से हटा दिया गया है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा यह कदम न्यायालय के उस आदेश के बाद उठाया गया है, जिसमें शैलेंद्र पटेल को अयोग्य ठहराया गया था। उनके स्थान पर अब अंबर व्यास को कुलसचिव का प्रभार दिया गया है। वे फॉर्मेसी विभाग के प्राध्यापक हैं। दोनों ही आदेश उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी किए गए हैं। अपने पहले आदेश में न्यायालय द्वारा सुनाए गए फैसले का हवाला देते हुए उच्च शिक्षा विभाग ने शैलेंद्र पटेल को रविवि में कुलसचिव के प्रभार से हटा दिया है। शैलेंद्र पटेल को उच्च शिक्षा संचालनालय इंद्रावती भवन में अटैच किया गया है। वहीं अपने दूसरे आदेश में अंबर व्यास को आगामी आदेश तक कुलसचिव का प्रभार दिया गया है।

- फॉर्मेसी विभाग के प्राध्यापक अंबर व्यास को कुलसचिव का प्रभार

2022 से चल रहा है मामला

प्रदेश के सबसे पुराने रविशंकर विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलसचिव शैलेन्द्र पटेल की अयोग्यता पर पिछले गुरुवार को हाईकोर्ट ने मुहर लगाई थी। इसके सप्ताह के भीतर ही यह कार्रवाई कर दी गई है। यह मामला कोर्ट में तीन वर्ष पूर्व 2022 से चल रहा था। मामले पर अंतिम सुनवाई कोर्ट में 6 मार्च 2025 को हुई थी। इसका फैसला 22 मई 2025 को आया। कोर्ट ने 23 पेज के ऑर्डर में कहा है कि शैलेंद्र पटेल निर्धारित योग्यता को पूरा नहीं करते और आपको रजिस्ट्रार के पद पर नियुक्ति नहीं किया जा सकता है। गौरतलब है कि शैलेंद्र पटेल की योग्यता को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। छात्र संगठनों द्वारा भी उन्हें हटाने कई बार धरना-प्रदर्शन किया जा चुका है।

हत्या जैसे जघन्य अपराध के सजायाफ्ता जेल में ज्योतिष

आयुर्वेद के साथ कर्मकांडी पुरोहित की शिक्षा ले रहे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सेंट्रल जेल रायपुर में सामान्य से लेकर गंभीर धाराओं में सजा काट रहे बंदी जेल से छूटने के बाद लोगों के घरों में धार्मिक के साथ वैवाहिक अनुष्ठान कराते मिल जाएं तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। रायपुर सेंट्रल जेल में 44 बंदी जिनमें ज्यादातर हत्या के अपराध में सजा काट रहे हैं, वे सभी ज्योतिष, आयुर्वेद के साथ पुरोहित की शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। इसके लिए जेल प्रशासन बंदियों को संस्कृत विद्यामंडलम से ⏭ शेष पेज 15 पर

- प्रथमा भाग एक से उत्तर मध्यमा द्वितीय वर्ष 12वीं तक की परीक्षा में 44 बंदी पास

44 बंदी प्रारंभिक से लेकर उत्तर मध्यमा में सफल

ज्योतिष वेद के साथ कर्मकांड पुरोहित बनने 44 बंदी वेद पाठ के साथ ज्योतिषी पद्धति से आयुर्वेद उपचार की पढ़ाई में सफल हुए हैं। इनमें कक्षा छठवीं से लेकर 12वीं तक की पढ़ाई में 44 बंदी वेद पाठ के माध्यम से पुरोहित ज्ञान तथा ज्योतिष आयुर्वेद की परीक्षा पास करने में सफल रहे।

जेल में बनाया गया था सेंटर

जेल में अध्ययनरत कैदियों को परीक्षा देने बाहर न जाना पड़े, इसलिए चार शैक्षणिक संस्थानों ने सेंट्रल जेल को स्थायी परीक्षा सेंटर बनाकर परीक्षा आयोजित की। परीक्षा सेंटर को छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल, एनआईओएस, छत्तीसगढ़ संस्कृत विद्यामण्डलम तथा पंडित रविशंकर शुक्ल विश्व विद्यालय, इग्नू ने मान्यता दी।

जेल में पहली बार तीन सौ के करीब परीक्षार्थी पास हुए

बंदियों को मुख्यधारा में जोड़ने के लिए जेल प्रशासन उनके कौशल विकास के साथ उन्हें शिक्षा देने का प्रयास करता है। जेल में इस वर्ष ओपन स्कूल की पढ़ाई से लेकर स्नातक स्तर की परीक्षा में 291 बंदी शामिल हुए, जिनमें मिडिल से हाई स्कूल की परीक्षा में 128 बंदी पास हुए। इसके अलावा स्नातक तथा स्नाकोत्तर की परीक्षा में 31 बंदी पास हुए। कई परीक्षा के परिणाम अभी आना बाकी हैं।

ज्वेलरी शॉप में खरीदी करने के बहाने तीन सोने की चेन लेकर भागा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खम्हारडीह थाना क्षेत्र स्थित शक्तिनगर में संचालित एक ज्वेलरी शॉप में तीन बदमाश दुकानदार को चकमा देकर डेढ़ लाख रुपए कीमत की तीन सोने की चेन लेकर फरार हो गए। चोरी करने की नीयत से ज्वेलरी शॉप में पहुंचे बदमाशों में से दो बदमाश शॉप के बाहर अपनी दोपहिया स्टार्ट कर खड़े थे। सोने की चेन चोरी करने के बाद बदमाश अपने साथियों के साथ एक्टिवा में सवार होकर मौके से फरार हो गया। दुकान में लगा सीसीटीवी कैमरा खराब होने की वजह से पुलिस अगल बगल में लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से बदमाशों की पतासाजी करने में जुटी है।

- एक्टिवा सवार तीन बदमाशों ने शातिराना अंदाज में की चोरी
- दुकानदार जब तक कुछ समझ पाता बदमाश चेन लेकर हुए रफूचक्कर

विधानसभा सीएसपी वीरेंद्र चतुर्वेदी के अनुसार शक्ति नगर में रौनक ज्वेलर्स के संचालक शुभम गोलछा ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। दुकान संचालक ने पुलिस को बताया है कि गुरुवार ⏭ शेष पेज 15 पर

अब क्यूआर कोड से निगम करेगा वैध होर्डिंग्स की पहचान, कोड नहीं होने पर माना जाएगा अवैध

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

निगम का नगर निवेश विभाग शहरभर में लगाये गये होर्डिंग्स में क्यूआर कोड लगवा रहा है। इसमें स्कैन करने से मिनटों में यह पता लग जाएगा कि अमुक होर्डिंग्स लीगल है या अनलीगल। स्कैनर से स्पॉट पर ही फटाफट पता चल जाएगा कि संबंधित एजेंसी ने नगर निगम को शुल्क का भुगतान किया है या नहीं। यदि नहीं किया है, तो बकाया की राशि कितनी है। यानी मेनुवल की जगह अब यह काम डिजिटल तरीके से होगा। नगर निगम की नई होर्डिंग्स पालिसी में इस बात को शामिल किया गया है। सूत्रों के मुताबिक जून से शहर में नई होर्डिंग्स पालिसी लागू हो जाएगी। शहर में यूनीपोल या बड़े होर्डिंग्स लगाने एक क्लिक पर ऑनलाइन अनुमति का सिस्टम लाया जा रहा है।

नगर निगम द्वारा अनुमति प्राप्त होर्डिंग्स अब शहर में आसानी से पहचाने जाएंगे। इसके लिए अलग से पहचान करने ⏭ शेष पेज 15 पर

जून से लागू होगी नई होर्डिंग्स पालिसी मेनुअल की जगह पर अब ऑनलाइन सिस्टम

- स्पॉट पर कोड स्कैन करने से मिनटों में जान पाएंगे भुगतान की स्थिति

20 से 30 फीसदी राजस्व में बढ़ोतरी

होर्डिंग्स से इस बार निगम को 10 करोड़ का राजस्व मिला है, नई होर्डिंग्स पालिसी से इसमें 20 से 30 फीसदी के राजस्व की बढ़ोतरी अनुमानित है। क्यूआर कोड लगने से शहरभर के अवैध होर्डिंग की पहचान करना आसान होगा, साथ ही इसकी मानिटरिंग कर पाएंगे।

- डॉ. अंजलि शर्मा, उपायुक्त राजस्व नगर निगम रायपुर

एलईडी बोर्ड का शुल्क अब 1200 रुपये से 1600 रुपये तक

शहर में एलईडी बोर्ड पर विज्ञापन के लिए 828 रुपये प्रति वर्ग मीटर सालाना शुल्क देय था, इसे बढ़ाकर 1200 रुपये से लेकर 1600 रुपये प्रति वर्गमीटर सालाना किया गया है। एलईडी यूनीपोल की बढ़ी हुई दर बी 1 श्रेणी के के लिए 1500 रुपये प्रति वर्गमीटर, बी 2 श्रेणी में 1200 रुपये और बी 3 श्रेणी के लिए 1800 रुपये प्रति वर्गमीटर प्रति वर्ष देय होगी।

रिलायंस डिजिटल में मोबाइल चोरी, पांच गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शहर के व्यस्ततम मार्ग जीई रोड, अनुपम गार्डन स्थित रिलायंस डिजिटल स्टोर से 11 लाख रुपए से ज्यादा कीमत के आईफोन चोरी करने के आरोप में पुलिस तथा क्राइम ब्रांच की टीम ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने चोरी के सभी आईफोन बरमाद कर लिए हैं। पकड़े गए सभी आरोपी स्थानीय और नौसीखिए बताए जा रहे हैं। पुलिस इस पूरे मामले का शुक्रवार को खुलासा करेगी।

रिलायंस डिजिटल में चोरी करने के आरोप में पुलिस ने जिन लोगों को गिरफ्तार किया है, उनके खिलाफ किसी भी तरह का क्राइम रिकार्ड नहीं होने ⏭ शेष पेज 15 पर

आज करेंगे खुलासा

- एक अन्य मामले में पुलिस ने दुकान कर्मी को चोरी के आरोप में गिरफ्तार कर 27 लाख जब्त किया

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

खबर संक्षेप

ऑनलाइन रजिस्ट्री प्रणाली से पारदर्शिता और भ्रष्टाचार पर लगाम

आरंग। छत्तीसगढ़ सरकार ने 3 मई को संपत्ति रजिस्ट्री प्रक्रिया में 10 क्रांतिकारी सुधारों की शुरुआत की। जिन्हें मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुशासन तिहार के अवसर पर लागू किया। इन सुधारों का उद्देश्य रजिस्ट्री प्रक्रिया को पारदर्शी, डिजिटल और भ्रष्टाचार मुक्त बनाना है। आरंग जनपद सदस्य प्रीतम कुमार साहू ने इन सुधारों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह कदम आम जनता के लिए ऐतिहासिक हैं। उन्होंने बताया कि पहले रजिस्ट्री और नामांतरण के लिए महीनों का समय लगता था। लेकिन अब यह प्रक्रिया मिनटों में पूरी हो रही है। प्रीतम साहू ने आगे कहा कि छ.ग. सरकार द्वारा ऑफलाइन व्यवस्था को बंद कर ऑनलाइन प्रणाली शुरू की गई है, जिससे भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा और जमीन की फर्जी खरीदी-बिक्री पर रोक लगेगी। साहू ने मुख्यमंत्री की पहल पर खुशी व्यक्त करते हुए इसे आम जनता के लिए सहूलियत और राहत देने वाला बताया।

पंजवानी बने छग चेंबर ऑफ कॉमर्स के प्रदेश उपाध्यक्ष

तिल्दा नेवरा। नगर पालिका के पूर्व उपाध्यक्ष एवं भाजपा नेता पंजवानी को छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर नगर पालिका सभापति रानी सौरभ जैन ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी। नियुक्ति की जानकारी मिलने के समय पंजवानी, रानी सौरभ जैन के साथ एक औपचारिक चर्चा में उपस्थित थे। जैसे ही उन्हें इस नियुक्ति की सूचना मिली, सभापति जैन ने उन्हें पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की। तिल्दा नेवरा के भाजपा कार्यकर्ताओं, नगर के नागरिकों एवं व्यापारिक समुदाय द्वारा भी पंजवानी को इस सम्मान जनक पद पर नियुक्ति हेतु शुभकामनाएँ एवं बधाइयाँ दी गई हैं।

किसान ठगे गए, समर्थन मूल्य वृद्धि का लाभ न के बराबर मिला :पारसनाथ

आरंग। किसान नेता पारसनाथ साहू ने विज्ञप्ति जारी कर केंद्र सरकार द्वारा धान के समर्थन मूल्य में मात्र 69 रूपए प्रति क्विंटल वृद्धि किये जाने को खैरात बताते हुए कहा कि वर्तमान में प्रति क्विंटल लागत 3000 रु. आ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी स्वयं बोले थे कि लागत में पचास प्रतिशत जोड़कर समर्थन मूल्य घोषित किया जायेगा। इस हिसाब से धान का समर्थन मूल्य 4500 रु. घोषित किया जाना था, किन्तु पिछले वर्ष दिये गये समर्थन में मात्र 69 रूपए बढ़ोत्तरी कर बढ़ती मंहगाई में किसानो के साथ मजाक है। वैसे भी केन्द्र सरकार द्वारा 69 रु. बढाए या 690 रु. बढाये छत्तीसगढ़ के किसानों इसका लाभ नहीं मिल रहा है जो कि किसानों के साथ अन्याय है। चाहे सरकार किसी भी राजनीतिक दल का हो राज्य द्वारा देय राशि में केंद्र सरकार के एमएसपी वृद्धि का लाभ मिलना चाहिए।

पीपला ने समाधान शिविर में उठाई जनहित की मांगें

आरंग। गुरुवार को ग्राम भैंसा में सुशासन शिविर के तहत आयोजित समाधान शिविर में पीपला वेलफेयर फाउंडेशन ने जनसमस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री के नाम पत्र लिखकर अनेक मांग रखे। जिसमें प्रदेश में खराब सड़कों का शीघ्र मरम्मत कराने, कला संस्कृति से जुड़े महत्वपूर्ण विभागों में छत्तीसगढ़ के निवासी आईईएस अधिकारियों की नियुक्ति को प्राथमिकता देने, स्वच्छता, यातायात नियम, स्वास्थ्य जागरूकता, जल प्रबंधन व संरक्षण, प्रदूषण, पौधरोपण तथा संरक्षण जैसे जन समस्याओं पर आधारित विषयों को स्कूली पाठ्यक्रम में अनिवार्य रूप से शामिल करने की मांग की।

विरोध : कुरूद सिलयारी में अवैध शराब और गांजे की बिक्री खुलेआम हो रही

अवैध शराब व गांजा के खिलाफ फूटा जनाक्रोश ग्रामीणों ने निकाली रैली, पुलिस को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धरसींवा

धरसींवा विकासखंड के सात हजार की आबादी वाले कुरूद सिलयारी गांव में अवैध शराब, सट्टा और गांजे के बेखौफ कारोबार से अब ग्रामीण खुद ही जूझ रहे हैं। पुलिस के निष्क्रिय रवैये से आखिरकार गुरुवार को ग्रामीणों ने सरपंच रूखमणी वर्मा के नेतृत्व में एक विशाल आक्रोश रैली व जंगी प्रदर्शन किया और सिलयारी पुलिस चौकी प्रभारी को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में पुलिस चौकी होने के बावजूद पुलिस प्रशासन इन अवैध गतिविधियों पर लगाम लगाने में पूरी तरह विफल रहा है। कुरूद सिलयारी में अवैध शराब और गांजे की बिक्री खुलेआम हो रही है, जिससे गांव का सामाजिक ताना-बाना बिगड़ रहा है। युवा पीढ़ी नशे की गिरफ्त में फंस रही है, और सट्टे का धंधा भी बेखौफ चल रहा है, जिससे कई परिवार बर्बादी की कगार पर पहुँच गए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि इन अवैध गतिविधियों की जानकारी पुलिस को है, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। अपनी पीड़ा और गुस्से को व्यक्त करने के लिए, ग्रामीणों ने पहले गांव की दीवारों पर गांजा हमारे घर के पीछे है जैसे संदेश लिखकर प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश की थी।

■ शाम ढलते ही गांव की गलियों में नशेड़ियों और जुआरियों का लगा रहता है जमावड़ा

हरिभूमि ने उठाया था मुद्दा

कुछ दिनों पहले, हरिभूमि ने भी अवैध शराब और गांजा बिक्री की खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया था, जिसका बड़ा असर भी हुआ था। इसके बावजूद, जमीनी स्तर पर स्थिति जस की तस बनी रही।

पुलिस को सौपा ज्ञापन

ग्रामीणों ने आक्रोश रैली के साथ सिलयारी पुलिस चौकी पहुंचे जहां ग्रामीणों ने चौकी प्रभारी को अपनी मांगों से संबंधित एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने ज्ञापन में स्पष्ट किया है कि इन अवैध गतिविधियों के कारण गांव में सामाजिक अशांति अपने चरम पर है और अपराधों में भी लगातार वृद्धि हो रही है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से इन गतिविधियों पर तुरंत लगाम लगाने और इसमें संलिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र ध्यान नहीं दिया गया। तो वे इससे भी बड़े पैमाने पर आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

पुलिस की निष्क्रियता से भड़के ग्रामीण, खुद संभाला मोर्चा

जब प्रशासन की ओर से कोई पहल नहीं हुई और पुलिस का निष्क्रिय रवैया जारी रहा, तो ग्रामीणों का धैर्य जवाब दे लगा। गुरुवार को हजारों की संख्या में ग्रामीण एकत्रित हुए और गांव में एक विशाल जुलूस निकाला। जुलूस के दौरान ग्रामीण अवैध शराब, सट्टा और गांजे के खिलाफ जोरदार नारेबाजी कर रहे थे और पुलिस प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग कर रहे थे।

परेशान लोगों ने घरों की दीवार पर लिखे चौंकाने वाले संदे
'मेरे मकान के पीछे मिलता है गांज
घर के सामने वाहन न खड़ा करें'

ग्रामीण परेशान

गांव में खुलेआम अवैध शराब बिक्री सहित गांजा और सट्टे जैसे गैरकानूनी कार्य से ग्रामीणों को बेहद परेशानी हो रही है आज हजारों की संख्या में ग्रामीणों ने आक्रोश रैली निकाल कर पुलिस को अवैध कारोबार में अंकुश लगाने ज्ञापन सोंपा है।

रूखमणी साहू
सरपंच ग्राम पंचायत
कुरूद सिलयारी

कार्रवाई की जा रही

अवैध शराब बिक्री की शिकायत को लेकर ग्रामीणों ने ज्ञापन सौपा है, पुलिस ऐसे असमाजिक तत्वों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है और पुलिस की टीम ऐसे लोगो की खोजबीन कर रही है।

जितेंद्र डहरिया
पुलिस चौकी प्रभारी सिलयारी

जनहित में सुशासन की भूमिका अहम, पारदर्शिता से बढ़ेगा जनविश्वास: डॉ. वर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धरसींवा

इन दिनों छत्तीसगढ़ में सुशासन तिहार का पर्व पूरे उत्साह के साथ मनाया जा रहा है, जो जनता के साथ-साथ शासन पर विश्वास और जनहित में पारदर्शिता के संदेश को जन-जन तक पहुंचा रहा है। भाजपा नेता और धरसींवा पूर्व मंडल अध्यक्ष डॉ. के.के. वर्मा ने पत्रकारों से बातचीत में इस आयोजन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, जनता का साथ, शासन पर विश्वास, जनहित में पारदर्शिता यही है सुशासन तिहार का पर्व। धरसींवा के पूर्व मण्डल अध्यक्ष डॉ. वर्मा ने कहा कि यह आयोजन सिर्फ एक पर्व नहीं, बल्कि एक जन-अभियान है जिसका उद्देश्य शासन और जनता के बीच की खाई को पाटना और एक पारदर्शी व जवाबदेह शासन व्यवस्था स्थापित करना है। सुशासन तिहार के माध्यम से सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और नीतियों को जनता तक सीधे पहुंचाया जा रहा है, जिससे आम जनता अधिकतम लाभ उठा सकें। वर्मा ने कहा कि यह पर्व इस बात पर भी जोर देता है कि सरकार के हर फैसले और कार्य में पारदर्शिता अनिवार्य है। जब जनता को यह विश्वास होता है कि शासन उनके हित में कार्य कर रहा है और निर्णयों में किसी प्रकार का छिपाव नहीं है, तो उनका विश्वास और सुदृढ़ होता है। इससे न केवल योजनाओं का सफल क्रियान्वयन होता है, बल्कि नागरिकों में भी अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूकता बढ़ती है।

तिल्दा में पत्रकार सम्मान समारोह आज

तिल्दा नेवरा। तिल्दा नेवरा के पत्रकारों का सम्मान समारोह आज दोपहर 1 बजे मुस्कान मोहक होटल तिल्दा में आयोजित की गई है। पत्रकारिता दिवस के अवसर पर आयोजित उक्त पत्रकार सम्मान समारोह तिल्दा नेवरा नगर पालिका के स्वास्थ्य चिकित्सा एवं शिक्षा विभाग के सभापति रानी सौरभ जैन द्वारा आयोजित की गई है। जिसमें तिल्दा नेवरा शहर व क्षेत्र के पत्रकारों को आमंत्रित किया गया है।

कौशिल्याधाम में असामाजिक तत्व हावी जनप्रतिनिधियों ने एसपी को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

भगवान राम के ननिहाल कौशिल्याधाम नगर पंचायत चंदखुरी भी असामाजिक गतिविधियों से अछूता नहीं है। असामाजिक तत्व ग्रामीणों व नगर पंचायत प्रतिनिधियों को चुनौती देते हुये जहां अवैध शराब, गांजा व नशीली गोलियों की बिक्री कर रहे हैं। वहीं जुआ होने की भी शिकायत है। आबकारी व पुलिस प्रशासन के मैदानी अमला के कथित कार्रवाई का इन पर कोई असर नहीं हो। ग्रामीणों के आक्रोश व मांग को देखते हुये नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतीक बैस के अगुवाई में एक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधीश डॉ. गौरव कुमार सिंह व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह को ज्ञापन सौंपा।

असामाजिक गतिविधियों पर स्थायी रोक लगाने ठोस एवं प्रभावी कार्यवाही की मांग की है। ज्ञापन की प्रति पुलिस महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा को भी सौंपा गया है। प्रदत्त ज्ञापन में बतलाया गया है कि नगर पंचायत चंदखुरी के अंतर्गत ग्राम चंदखुरी, मुनगेसर व ग्राम मुनगी का कुछ हिस्सा आता है व जिसमें तीनों ग्राम के शामिलाती भूमि पर बसा पुलिस अकादमी धारी चंदखुरी फार्म भी शामिल है। चंदखुरी में माता कौशिल्या व भगवान राम का मंदिर होने व ग्राम का पुरातात्विक रिकॉर्ड होने की जानकारी देते हुये बतलाया गया है कि इसकी वजह से श्रद्धालुओ की भीड़ रोजाना उमड़ती है।

इसी तरह चंदखुरी फार्म, क्षेत्र का प्रमुख व्यवसायिक स्थल है। जहां से आसपास के 70-80 ग्रामों के ग्रामीणों का रोजाना जीवंत संपर्क बना रहता है। नगर पंचायत क्षेत्र में चल रहे इन असामाजिक गतिविधियों की वजह से जनजीवन अशांत होने व अप्रिय माहौल रहने की जानकारी देते हुये इन गतिविधियों पर रोक लगाने व बेलगाम असामाजिक तत्वों के खिलाफ ठोस कार्रवाई की मांग की गई है। ज्ञापन में हर पंद्रह दिन में सीएसपी स्तर की बैठक करा समीक्षा करवाने के आग्रह किया।

अभनपुर में दो महत्वपूर्ण सड़कों का भूमि पूजन, वर्षों पुरानी मांग हुई पूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अभनपुर

नेशनल हाईवे 30 अभनपुर से एसडीएम ऑफिस एवं पुराना धमतरी रोड मुख्य मार्ग से नहर पार होते हुये उप स्वास्थ्य केन्द्र छछानपैरी तक दोनो सड़क मार्गो का मुख्य अतिथि विधायक इन्द्रकुमार साहू,नपा अध्यक्ष उत्रसेन गहिरवारे, जनपद अध्यक्ष चंन्द्रिका बंजारे, विशिष्ट अतिथि भरत बैस आदि लोगो की उपस्थिती मे इन दोनो मार्गो का भूमि पूजन किया गया, हाईवे से एसडीएम कार्यालय अभनपुर निर्माणाधीन बायपास सडक़ की लागत 358.931 लाख एवं पुराना धमतरी रोड से उपस्वाथ्य केन्द्र छछानपैरी तक सड़क 322.96 लाख रूपये लागत से बनेगी। अभनपुर बायपास सड़क की मांग आमजनता द्वारा कई वर्षो से की जा रही थी।

इस मार्ग के बनने से नेशनल हाईवे से सभी शासकीय कार्यालयो की आवागमन की सुविधा के खासतौर पे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अभनपुर मे एबुंलेस जैसे जरूरी वाहनो के लिए आवागमन की सुविधा हो सकेगी। इस सड़क के निर्माण होने से नगर के लोगों को हाईवे से आना जाना सुगम होगा। इस सड़क निर्माण की स्वीकृति से लोगो मे खुशी है एवं विधायक के प्रति आभार व्यक्त किया गया है।

अभनपुर कोलर चौराहे पर सुरक्षा उपायों की मांग

अभनपुर। अभनपुर बस स्टैण्ड कोलर चौराहे में आये दिन हो रहे सड़क हादसो को लेकर स्थानीय व्यापारिक संघ ने एसडीएम राजस्व व थाना प्रभारी अभनपुर को गति अवरोधक एवं रात्रिकालिन सुविधा के लिए हाईमास्क लाईट पोल लगाने ज्ञापन दिया है। एसडीएम अभनपुर व थाना प्रभारी की अनुपस्थिती मे संबंधित अधिकारी, कर्मचारी को ज्ञापन दिया गया।

वही जनपद पंचायत उपाध्यक्ष खेलू राम साहू को भी ज्ञापन की प्रति देकर समस्या से अवगत कराया गया। व्यापारिक संघ ने ज्ञापन के माध्यम से बताया कि बस स्टैण्ड पर स्थित चौराहा जो रायपुर, धमतरी, अभनपुर को जोड़ती है जहां लोग बड़ी संख्या मे आवागमन करते है जिसमे रोजमर्रा काम करने वाले मजदूर, विद्यार्थी, कर्मचारी होते है। उक्त चौराहे मे दर्जनो हादसे हो चुकी है, लेकिन अभी तक प्रशासन द्वारा कोई पहल नही की गई है विगत दिन पूर्व ही कोलर बस स्टेण्ड चौराहे में अज्ञात वाहन की चपेट में आने से पलौद निवासी पालेन्द्र साहू एवं देवनारायण साहू को गंभीर चोट आई थी। जिसका ईलाज जारी है। स्थानीय दुकानदारो एवं ग्रामीणो से सड़क पर गतिअवरोधक बनाने एवं बार बार इस तरह दुर्घटनाओं से बचने आवश्यक उपाय करने की मांग की है। उपाध्यक्ष खेलू राम साहू द्वारा एसडीएम रवि सिंह को दूरभाष से उक्त विषय की जानकारी देने पर एसडीएम ने आश्वसन देते उक्त स्थान का निरीक्षण कर आवश्यक उचित कार्यवाही की बात कही है। इस दौरान व्यापारी संघ अध्यक्ष लीलाधर साहू, सचिव बाबू लाल साहू, भाजपा मंडल अध्यक्ष किशोर साहू, पलौद उपसरपंच बिहारी लाल साहू, टिकेश साहु, टिकम साहू, खेमराज साहू, मणिराम तारक, हरिश साहू, बबलू, राजेन्द्र सिन्हा, केदार साहू उपस्थित रहे।

तिल्दा नेवरा को मिलेगी ट्रैफिक से राहत, बायपास निर्माण का रास्ता साफ

तिल्दा नेवरा। मंत्री टंक राम वर्मा तिल्दा में एक कार्यक्रम में पहुंचे थे। जहां उनसे खास चर्चा हुआ जिसमें तिल्दा नेवरा में बाईपास सड़क निर्माण के लिए यह पूरा मामला था। बजट के बाद में मंत्री टंक राम वर्मा के अथक प्रयास से तिल्दा नेवरा में बाईपास सड़क निर्माण हेतु बजट में उसे जुड़वाया गया है। वर्तमान में तिल्दा नेवरा शहर व क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं बाईपास सड़क निर्माण के लिए होने लगी थी। जिस पर हमने मंत्री टंक राम वर्मा ने प्रतिक्रिया व्यक्त की कहा कि पर मंत्री टंक राम वर्मा ने स्पष्ट रूप से कहा कि तिल्दा में बाईपास सड़क बनेगा। बजट में इसे जुड़वाया गया है। प्रक्रिया के बाद ही निर्माण किया जाएगा। उन्होंने बाईपास सड़क निर्माण में तरह-तरह की चर्चाओं को विराम देते हुए कहा कि जो चर्चाएं हो रही है। उस पर मैं कुछ नहीं कह सकता बस इतना कह सकता हूं कि बाईपास सड़क निर्माण मेरी प्राथमिकता है। इस अवसर पर जनपद पंचायत तिल्दा के अध्यक्ष टिकेश्वर मनहरे एवं भाजपा नेता राम पंजवानी भी उपस्थित थे।

उपाध्यक्ष कक्ष उद्घाटन में भाजपा पार्षद नदारद

तिल्दा नेवरा। नगर पालिका में इन दिनों एक तरफकमरे को लेकर विवाद की स्थिति बनी हुई है तो वहीं पालिका के कर्मचारियों को बैठने के लिए जगह की व्यवस्था नहीं हो पा रही है। नगर पालिका में इसकी अव्यवस्था स्पष्ट देखी जा सकती है। वही उपाध्यक्ष व नेता प्रतिपक्ष के लिए अलग अलग कमरा बना दिया गया है। नगर पालिका में उपाध्यक्ष के कमरे का उदघाटन करने मंत्री टंक राम वर्मा को बुलवाया गया था। एक निजी कार्यक्रम में पहुंचे मंत्री हुए थे। मंत्री जब नगर पालिका पहुंचे तो नजारा देख हतप्रभ हो गए व काफी नाराजगी जाहिर की। नाराजगी की वजह यह थी कि कोई भी भाजपा के पार्षद उपस्थित नहीं थे। कुछ भाजपा नेता कार्यकर्ता जरूर उपस्थित थे। यह नजारा देख मंत्री टंक राम वर्मा ने नाराजगी जाहिर की और वे रायपुर के लिए निकल गए। जबकि नगर पालिका के कार्यक्रम के बाद उन्हें तिल्दा में ही एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में भी अतिथि बनाया गया था। एक भाजपा पार्षद ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि आने वाले दिनों में पालिका में यह रूम आबंटन विवाद और गहराएगा। उन्होंने भी बताया यहां पालिका के कर्मचारियों को बैठने की जगह नहीं मिल पा रहा है।

भैंसा में हाईस्कूल भवन के लिए 75.23 लाख रुपए स्वीकृत

सुशासन शिविर में विकास की झड़ी, ग्राम भैंसा व आसपास के क्षेत्रों को मिली करोड़ों की सौगात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

आरंग विधानसभा के ग्राम भैंसा में सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास, सबका विश्वास की मूल भावना को आत्मसात करते हुए सुशासन तिहार का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। इस आयोजन में विकसित कृषि संकल्प अभियान की भी शुरुआत की गई, जो 12 जून तक चलेगा। इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू, कैबिनेट मंत्री रामविचार नेताम, कैबिनेट मंत्री टंक राम वर्मा, धर्मगुरु गुरु बालदास साहेब एवं आरंग विधायक गुरु खुशवंत साहेब की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने संबोधन में कहा सुशासन तिहार अब केवल उत्सव नहीं, बल्कि पारदर्शी शासन, जवाबदेही और योजनाओं की जीवंत प्रतीक बन चुका है। यह सरकार और जनता के बीच सीधा संवाद और विकास की नई ऊर्जा का माध्यम है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने आरंग विधायक गुरु खुशवंत साहेब की मांगों पर सहमति देते हुए क्षेत्र के विकास हेतु कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं जिसमे ग्राम भैंसा में 55 लाख रु. की लागत से उच्च स्तरीय पानी टंकी व पाइपलाइन विस्तार, ग्राम अमोदी में 42 लाख रु. की लागत से पाइपलाइन विस्तार, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन निर्माण हेतु 75 लाख रु., भैंसा में हाईस्कूल भवन हेतु 75.23 लाख रु. की स्वीकृति, हाईस्कूल परिसर में आहता निर्माण हेतु 18 लाख रु., हाईस्कूल में शेड निर्माण हेतु 20 लाख रु., ग्राम भैंसा में पुलिस चौकी खोलने की घोषणा, हायर सेकेंडरी स्कूल, भंडारपुरी हेतु पूर्व स्वीकृत 75 लाख रु. को बढ़ाकर 1.25 करोड़ रु. की स्वीकृति, नवीन प्राथमिक शाला, भैंसा में अतिरिक्त कक्षा निर्माण हेतु 24 लाख रु. की घोषणा है। मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को उपकरण, किट व दस्तावेज प्रदान किए और विकसित कृषि संकल्प अभियान की पुस्तिका विमोचित कर जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

आरंग विधायक गुरु खुशवंत साहेब ने इस अवसर पर मुख्यमंत्री की प्रशंसा करते हुए कहा मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का नेतृत्व दूरदर्शी और संवेदनशील है। उनकी नीतियों से आज प्रदेश के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंच रहा है। आरंग क्षेत्र इसका साक्षी है, जहां अब विकास की गवाही जनता खुद दे रही है। इस गरिमामयी आयोजन में विधायक साथी पद्मश्री अनुज शर्मा, भाजपा ग्रामीण जिला अध्यक्ष श्याम नारंग, जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल सहित भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि, अधिकारी–कर्मचारीगण एवं भारी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

राशन वितरण में अनियमितता को लेकर ग्रामीणों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

तिल्दा नेवरा। तिल्दा ब्लॉक के समीपस्थ ग्राम पंचायत रजिया के आश्रित ग्राम खुडमुडी के ग्रामीण बड़ी संख्या में बुधवार सरपंच व सरपंच प्रतिनिधि साथ तहसील कार्यालय तिल्दा नेवरा पहुंचे और यहां पर एसडीएम को ज्ञापन दिया, ग्रामीणों ने बताया की खुडमुडी में विगत कई वर्षों से चावल सहित अन्य राशन सामग्री समय पर नहीं मिल पा रहा है जिससे ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बताया गया की कई सालों से यह समस्या गांव में निरंतर बनी हुई है। ग्रामीणों ने कहा कि रजिया और खुडमुडी दोनों में एक साथ राशन आना चाहिए और राशन सामग्री का वितरण दोनों स्थानों पर अलग-अलग किया जाना चाहिए। ग्रामीणों ने बताया कि हमें खुडमुडी से रजिया राशन सामग्री लेने जाना पड़ता है और वहां पर समय पर राशन सामग्री चावल शक्कर नमक आदि नहीं मिल पाता। यह सिलसिला लगातार जारी है। बुधवार एसडीएम को ज्ञापन सौपा। एसडीएम ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया है।

वैज्ञानिक सहयोग और अनुसंधान को कृषि क्षेत्रों तक ले जाने की दिशा में पहल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गुरुवार को रायपुर जिले के ग्राम भैंसा में आयोजित सुशासन शिविर में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने देशभर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 29 मई से 12 जून तक चलने वाले विकसित कृषि संकल्प अभियान के लिए जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्मित 110 पक्के मकानों की चाबियां हितग्राहियों को सौंपी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अभियान वैज्ञानिक सहयोग और अनुसंधान को खेतों तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस अभियान में केंद्र सरकार के वैज्ञानिक राज्य के वैज्ञानिकों के साथ दल बनाकर कार्य करेंगे तथा आने वाले दिनों में राज्य के 13 लाख से अधिक किसानों से संपर्क किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कृषि वैज्ञानिक और शोधकर्ता प्रयोगशाला से निकलकर खेतों तक जाकर किसानों को उन्नत और संतुलित कृषि की जानकारी देंगे और किसानों से सुझाव भी लेंगे।

मुख्यमंत्री ने सुशासन शिविर को संबोधित करते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है कि देश के हर गरीब के पास पक्का मकान होना चाहिए। इसी दिशा में राज्य सरकार ने अब तक 18 लाख से अधिक प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति प्रदान की है, जिनमें से अधिकतर का निर्माण पूरा हो चुका है और शेष निर्माणाधीन हैं। आवास प्लस प्लस योजना में भी पात्र लोगों को जोड़ा जाएगा।

- राज्य के 13 लाख से अधिक किसानों को उन्नत और टिकाऊ कृषि के बारे में देंगे जानकारी
- 12 जून तक चलेगा विकसित कृषि संकल्प अभियान

भैंसा में नवीन पुलिस चौकी खोलने की भी घोषणा

मुख्यमंत्री ने समाधान शिविर में क्षेत्र के विकास के लिए लगभग 3.5 करोड़ के विभिन्न कार्यों की घोषणा की। इनमें ग्राम भैंसा में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हेतु 75 लाख, हाईस्कूल भवन निर्माण के लिए 75.23 लाख, पानी टंकी एवं पाइपलाइन विस्तार के लिए 55 लाख, हायर सेकेंडरी स्कूल के लिए 50 लाख, अहाता एवं शेड निर्माण के लिए 20 लाख, ग्राम अमोड़ी में पाइपलाइन विस्तार के लिए 42 लाख और हायर सेकेंडरी स्कूल में तीन अतिरिक्त कक्ष निर्माण के लिए 24 लाख की स्वीकृति दी गई। उन्होंने भैंसा में नवीन पुलिस चौकी खोलने की भी घोषणा की।

गांव-गांव तक पहुंचे रिसर्च

केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू और कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने किसानों को कृषि संकल्प अभियान से जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा, रिसर्च सिर्फ प्रयोगशालाओं में न रहे, बल्कि गाँव-गाँव तक पहुँचे। केंद्र सरकार के 100 वैज्ञानिक इस अभियान में भाग लेंगे, जो स्थानीय वैज्ञानिकों और अधिकारियों के साथ मिलकर प्रतिदिन दो-दो कैंप लगाएंगे और किसानों को उन्नत खेती की जानकारी देंगे। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री का सपना है कि भारत के किसान जितने सशक्त होंगे, देश उतना ही मजबूत होगा।

खबर संक्षेप

शहादत दिवस पर शहीद राजीव पांडे को किया याद

रायपुर। विश्व की दुर्गम सैन्य चोटी सियाचिन ग्लेशियर पर राष्ट्रध्वज फहराकर मातृभूमि की सेवा में बलिदान देने वाले शहीद राजीव पाण्डेय को राजधानी वासियों ने याद किया। उनके 45वें शहादत दिवस पर महापौर मीनल चौबे,शहीद के बड़े भाई सुनील पाण्डेय, संस्कृति विभाग अध्यक्ष अमर गिदवानी, राजस्व विभाग अध्यक्ष अवतार बागल, जोन 6 अध्यक्ष बद्री प्रसाद गुप्ता सहित गणमान्य जनों ने आदरांजलि दी।

नगरी कार्यालय में तोड़फोड़, भाजपा ने सात को पार्टी से किया बाहर

रायपुर। भाजपा के नगरी स्थित कार्यालय में तोड़फोड़ करने वाले पार्टी के सात पदाधिकारियों को भाजपा ने बाहर का रास्ता दिखा दिया है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव के निर्देश पर प्रदेश महामंत्री जगदीश रामू रोहरा ने आदेश जारी कर युवा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य निखिल साहू, नगरी मंडल के पिछड़ा वर्ग मोर्चा के मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र धेनुसेवक, युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष सुनील निर्मलकर, भोला शर्मा, गज्जू शर्मा, संत कोठारी और रवेंद्र सिंह को पार्टी की सदस्यता से निष्कासित कर दिया है।

मंत्रियों एवं विधायकों के निज सचिवों का प्रशिक्षण कल

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मंत्रियों एवं सदस्यों के निज सचिव और निज सहायकों का छत्तीसगढ़ विधानसभा भवन स्थित समिति कक्ष में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, शुक्रवार को आयोजित किया गया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम सुबह 11.30 बजे से शाम 5.25 बजे तक होगा। कार्यक्रम का उद्घाटन विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह करेंगे। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, संसदीय कार्यमंत्री केदार कश्यप एवं विधानसभा सचिव दिनेश शर्मा भी उपस्थित रहेंगे।

निर्माण कार्य धीमा, सभापति राठौड़ ने जताई नाराजगी

रायपुर। सभापति सूर्यकान्त राठौड़ ने गुढ़ियारी स्थित शशिबाला कन्या शाला के निर्माण कार्यों की धीमी गति पर नाराजगी जताई। उन्होंने जोन 2 कमिश्नरी की उपस्थिति में स्थल निरीक्षण कर निर्माण कार्य को 15 जून तक हर हाल में पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया है। ताकि 16 जून से प्रारंभ हो रहे नए शिक्षा सत्र से नई बिल्डिंग में कक्षायें लगायी जा सकें। श्री राठौर ने निर्माण कार्य में गुणवत्ता का ध्यान रखते हुए इसकी सतत मानिटरिंग करने की हिदायत भी दी।

समाधान शिविर 30 को

रायपुर। नगर पालिक निगम द्वारा सुशासन तिहार अंतर्गत 5 मई से 31 मई आवेदकों को उनके आवेदन पर की गयी समाधान की कार्यवाही की जानकारी देने जोनवार समाधान शिविर लगाया जा रहा है। ताकि पात्र हितग्राही केन्द्र सरकार और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ सहजता से उठा सके। 30 मई को सामुदायिक भवन गुरूद्वारा देवपुरी में सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक समाधान शिविर लगाया जाएगा।

मप्र के मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल प्रमुख वक्ता के रूप में हुए शामिल

साय बोले- रानी अहिल्याबाई होल्कर का शासन प्रजा कल्याण, राष्ट्र निर्माण और न्याय का स्वर्ण युग था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पुण्यश्लोक रानी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जन्म जयंती पर आज राजधानी रायपुर में मुख्यमंत्री निवास पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने संगोष्ठी की अध्यक्षता की। मुख्यमंत्री ने कहा, रानी अहिल्याबाई होल्कर का शासन प्रजा कल्याण, राष्ट्र निर्माण और न्याय का स्वर्ण युग था। मप्र के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने प्रमुख वक्ता के रूप में संगोष्ठी को संबोधित किया। केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री तोखन साहू और कृषि मंत्री रामविचार नेताम भी संगोष्ठी में शामिल हुए। विभिन्न वर्गों के बुद्धिजीवी, समाज सेवी, डॉक्टर, इंजीनियर, आर्किटेक्ट, वकील और साहित्यकार भी बड़ी संख्या में संगोष्ठी में मौजूद थे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने संगोष्ठी में राजमाता रानी अहिल्याबाई होल्कर के योगदानों का स्मरण करते हुए उन्हें भारत की सांस्कृतिक एकता और सुशासन का प्रतीक बताया। उन्होंने रानी अहिल्याबाई होल्कर के करीब 30 वर्षों के शासन को प्रजा कल्याण, राष्ट्र निर्माण और न्याय का स्वर्ण युग कहा। उन्होंने कहा, इंदौर की महारानी होने के बावजूद राजमाता ने स्वयं को किसी एक भौगोलिक सीमा में नहीं बांधा। उन्होंने देशभर में मंदिरों और धर्मशालाओं का निर्माण कराया। उन्होंने रामराज्य की अवधारणा को साकार करते हुए तीन दशकों तक होल्कर राजवंश का नेतृत्व किया।

देवी बाई होल्कर की जयंती पर विविध आयोजन

देवी अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जयंती 31 मई को मनायी जाएगी। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के आदेश पर नगर निगम के सभी जोन में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। नगर निगम के संस्कृति विभाग की ओर से जोन 7 के कबीर चौक रामनगर में आम जनता को देवी अहिल्या बाई होल्कर की जीवनी से अवगत कराने कार्यक्रम आयोजित हुआ। कबीर चौक रामनगर में आयोजित कार्यक्रम में एमआईसी सदस्य भोलाराम साहू ने जोन स्वास्थ्य अधिकारी आत्मानंद साहू की उपस्थिति में लोगों को देवी अहिल्या बाई होल्कर की जीवनी से अवगत कराया। श्री साहू ने उनके जीवनी से प्रेरणा लेने की अपील लोगों से की।

पुरस्कार वितरण, संगोष्ठी 30 को : आयोजन की कड़ी में कुशल प्रशासिका देवी अहिल्या बाई होल्कर की जयंती अवसर पर नगर निगम रायपुर द्वारा चित्रकला और निबंध प्रतियोगिता का

आयोजन गत दिनों किया गया। इसका पुरस्कार वितरण और संगोष्ठी का कार्यक्रम 30 मई को दोपहर 12:30 बजे न्यू सर्किट हाउस के कनवेंशन हॉल आयोजित है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगरीय प्रशासन मंत्री अरूण साव होंगे। इस मौके पर छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व उपाध्यक्ष नारायण चंदेल, रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल, पश्चिम विधायक राजेश मूणत, दक्षिण विधायक सुनील सोनी, उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा, ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू, धरसींवा क्षेत्र विधायक अनुज शर्मा, महापौर मीनल चौबे सहित एमआईसी मेंबर और पार्षद उपस्थित रहेंगे।

धर्मसत्ता और न्यायसत्ता की आवाज बुलंद की : प्रहलाद पटेल

मध्यप्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा, रानी अहिल्याबाई होल्कर ने 1767 से 1795 तक अपने 28 वर्षों के शासन काल में धर्मसत्ता और न्यायसत्ता की आवाज बुलंद की। उन्होंने अपने जीवन में तमाम विपत्तियों के बीच अनेक अनुकरणीय कार्य किए। उन्होंने अपने शासन काल में सार्वजनिक धन और राजकोष के सदुपयोग की मिसालें कायम की। राजसत्ता की कोई राशि कभी अपने लिए खर्च नहीं की। श्री पटेल ने कहा, रानी अहिल्याबाई होल्कर अपने पति के निधन के बाद कभी राजमहल में नहीं रहीं। झोपड़ी में अपना जीवन बिताया। न्याय के लिए उन्होंने अपने पुत्र को मृत्युदंड की सजा सुनाई थी। विधायक किरण देव और छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व उपाध्यक्ष नारायण चंदेल ने भी संगोष्ठी में रानी अहिल्याबाई होल्कर के व्यक्तित्व, कार्यों और उनके शासन काल की विशेषताओं को रेखांकित किया।

ये रहे उपस्थित

संगोष्ठी में धनकर समाज के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को रानी अहिल्याबाई होल्कर का तैलचित्र भेंट किया। विधायक सुनील सोनी, मोतीलाल साहू और पुरंदर मिश्रा, राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर, रायपुर नगर निगम की महापौर मीनल चौबे, पूर्व मंत्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय, सीएसआईडीसी के पूर्व अध्यश्र छगन मूंदड़ा और गौराशंकर अग्रवाल सहित कई निगमों, मंडलों, आयोगों के पदाधिकारी और युवा बड़ी संख्या में संगोष्ठी में उपस्थित थे।

रामजीलाल अग्रवाल को श्रद्धांजलि देने बृजमोहन के घर पहुंचे मप्र के मंत्री विजयवर्गीय और पटेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मप्र के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय एवं प्रहलाद सिंह पटेल ने रायपुर पहुंचकर सांसद बृजमोहन अग्रवाल के आवास पर उनके पिता रामजीलाल अग्रवाल को श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके साथ छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडेय एवं नागरिक आपूर्ति निगम अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे।

इसके साथ ही केंद्रीय मंत्री तोखन साहू, पूर्व मंत्री भईयालाल राजवाड़े, छत्तीसगढ़ अल्पसंख्यक आयोग अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा, छत्तीसगढ़ स्टेट बेवरेज कॉरपोरेशन लिमिटेड अध्यक्ष श्रीनिवास राव मद्दी, छत्तीसगढ़ गौ सेवा आयोग अध्यक्ष विशेषर सिंह पटेल, पूर्व मंत्री रविंद्र चौबे सहित अनेक गणमान्यजनों ने भी श्रद्धा सुमन अर्पित किए। छत्तीसगढ़ क्रांति अग्रवाल संगठन, अग्रवाल समाज दुर्ग-भिलाई तथा अन्य सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बृजमोहन अग्रवाल ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, पूज्य पिताजी का जीवन मूल्य, सेवा, अनुशासन, आत्मीयता और अपनेपन से भरा रहा।

श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए केंद्रीय भंडारगृह-4 के प्रबंधक हुए सम्मानित

रायपुर। छत्तीसगढ़ के केंद्रीय भंडारगृह-4 को श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए केंद्रीय भंडार निगम के पांच चयनित डिपो में शामिल किया गया है। इसके लिए 20 मई को दिल्ली में भंडारगृह-4 के प्रबंधक एसके यादव को सम्मानित भी किया गया। यह सम्मान केंद्रीय खाद्य मंत्री प्रहलाद जोशी, राज्य मंत्री बीएल वर्मा, निमुबेन जयंतीभाई ने किया। एसके यादव को सम्मान प्राप्त होने पर भंण्डार गृह के जमाकर्ता भारतीय खाद्य निगम छत्तीसगढ़ स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन लिमिटेड, छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कार्पोरेशन व सेन्ट्रल मेडिकल सोसायटी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बधाई एवं शुभकमानाएं दी।

सुशासन तिहार में ढेरों शिकायतें, इसलिए कलेक्टोरेट जनदर्शन में पसरा सन्नाटा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर कलेक्टोरेट में लोगों की समस्या, शिकायत एवं मांग संबंधी आवेदनों का निराकरण करने के लिए जनदर्शन कक्ष बनाया गया है। इस कक्ष में लोगों के आवेदन लेकर उनकी समस्या, शिकायत एवं मांग सुनने के लिए हर दिन अधिकारियों की ड्यूटी भी लगाई गई है। इस जनदर्शन कक्ष में हर दिन औसतन 10 आवेदन भी आते थे, वहीं सोमवार और मंगलवार को आवेदन लेकर सबसे ज्यादा लोग पहुंचते थे, लेकिन जिले में जब से सुशासन तिहार शुरू हुआ, तब से जनदर्शन कक्ष में सन्नाटा सा पसरा रहता है, क्योंकि लोग पहले ही सुशासन तिहार शिविरों में आवेदन दे चुके हैं,

वहीं कई लोग अब समाधान शिविर में आवेदन देने पहुंच रहे हैं। इस कारण से कलेक्टोरेट जनदर्शन में अब गिने-चुने आवेदन लेकर लोग पहुंच रहे हैं।

हफ्तेभर में लगभग 10 आवेदन

जनदर्शन कार्यक्रम में पिछले सप्ताहभर में लगभग 10 आवेदन ही लोगों ने दिए हैं। इन आवेदनों को देखकर ही पता चलता है कि लोगों का सुशासन तिहार के समाधान शिविर कार्यक्रम में इन दिनों ज्यादा है। समाधान शिविर में लोगों के आवेदनों का जिस तेज गति से निराकरण किया जा रहा है, उसे देखते हुए लोग भी फिलहाल समाधान शिविर में ही आवेदन देने पहुंच रहे हैं।इधर कलेक्टोरेट जनदर्शन में बैठने वाले कुछ अधिकारियों का कहना है कि सुशासन तिहार के कारण फिलहाल जनदर्शन कक्ष में बहुत कम लोग आवेदन लेकर पहुंच रहे हैं। सुशासन तिहार खत्म होने के बाद ही जनदर्शन कक्ष में आवेदन देने वालों की संख्या बढ़ेगी। अधिकारियों ने यह भी कहा कि आवेदन कहीं भी दें, उनका निराकरण जल्द से जल्द हो यह प्राथमिकता रहती है।

- प्रचलित स्थानीय वाद्ययंत्रों के जरिए देशभर के प्रतिनिधियों का स्वागत

कुलपतियों की नियुक्ति में विलंब अनुचित, खत्म हो राजनैतिक हस्तक्षेप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद बैठक का शुभारंभ गुरुवार को इंदिरा गांधी कृषि विवि परिसर में हुआ। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद की बैठक में आज 4 प्रस्ताव उपस्थित प्रतिनिधियों के सामने चर्चा के लिए पढ़े गए, इन प्रस्तावों में देश में कोचिंग संस्थानों पर नियंत्रण व नियमन हो सुनिश्चित, कुलपतियों की नियुक्ति में विलंब, राजनैतिक हस्तक्षेप व कानूनी विवाद में विश्वविद्यालयों में बढ़ती अस्थिरता चिंतनीय, भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए सरकार एवं समाज का सजग होना आवश्यक, वैश्विक व्यवस्था में भारत की बहुआयामी पहल जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। इन प्रस्तावों पर आगामी 2 दिनों तक विस्तार से मंथन होगा तथा 31 मई को इन्हें पारित किया जाएगा। इसके पूर्व एबीवीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजशरण शाही, राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी और राष्ट्रीय संगठन मंत्री आशीष चौहान ने दीप प्रज्ज्वलन कर

शुभारंभ किया। आरंभ में छत्तीसगढ़ के लोकनृत्य तथा प्रचलित स्थानीय वाद्ययंत्रों के माध्यम से देशभर से आए प्रतिनिधियों का स्वागत किया गया।

हिंसा का प्रतिकार हमारी प्रतिबद्धता

एबीवीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजशरण शाही ने राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद बैठक के उद्घाटन अवसर पर कहा कि पहलगांव में जो आतंकी हमला हुआ वह मानवता के इतिहास को कलंकित करने वाला था। हम अहिंसा के पुजारी हैं, लेकिन हिंसा का प्रतिकार करना हमारी प्रतिबद्धता है। जिसका परिचय भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दिया। वर्तमान समय में कुलपतियों की नियुक्ति में विलंब होना भारत के भविष्य की उपेक्षा है। हमारे यहां शिक्षा का उद्देश्य अन्नमय कोश से आनंदमय कोश तक जाता है। हमें शिक्षालय को रचनात्मक और आकर्षक बनाना होगा, जिससे विद्यार्थी अपने सर्वांगीण विकास की दिशा में आगे बढ़ सके।

सकारात्मक परिवर्तन ही ध्येय

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा, विद्यार्थी परिषद की कार्यप्रणाली निरंतर नए सूत्रों को समाहित कर समाज-जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने की ध्येय यात्रा में आगे बढ़ रही है। देशभर के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में वामपंथी तथा नकारात्मक शक्तियों का छात्रों के साथ मिलकर एबीवीपी ने मुखरता से प्रतिकार किया है। शिक्षा क्षेत्र में छात्रों को एक महत्वपूर्ण हितधारक के रूप में उनके मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हुए तथा वर्तमान परिदृश्य में युवानुकूल बदलाव लाने के लिए एक साथ प्रयास करने चाहिए।

रायपुर, कोंडागांव और दिल्ली में बनेंगे एम्पोरियम

प्रदेश के लौह शिल्पकारों का पहली बार होगा पंजीयन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश के लौह शिल्पकारों का पहली बार पंजीयन कराने का फैसला किया गया है। इसी के साथ शिल्पकारों को आधुनिक तकनीक का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। शिल्पकारों की सबसे बड़ी समस्या बाजार की है। इस समस्या को दूर करने के लिए उनको बाजार भी उपलब्ध कराने की योजना है। देश की राजधानी दिल्ली के साथ प्रदेश की राजधानी रायपुर और कोंडागांव में एम्पोरियम बनाए जाएंगे। यहां पर लौह शिल्प की बिक्री होगी।

देशभर में बस्तर का लौह शिल्प बहुत प्रसिद्ध है। बस्तर में राज्य स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर के शिल्पकार हैं जिनको राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार मिल चुका है। प्रदेश सरकार ने छत्तीसगढ़ लौह शिल्पकार विकास बोर्ड में प्रफुल्ल विश्वकर्मा को अध्यक्ष बनाया है। अपना पदभार संभालने के बाद अध्यक्ष ने सबसे पहले बस्तर के कोंडागांव का दौरा किया। कोंडागांव को शिल्पग्राम माना जाता है। यहां पर राष्ट्रीय स्तर के कई शिल्पकार हैं। इनके साथ ही प्रदेश स्तर के शिल्पकारों से अध्यक्ष ने मुलाकात की और उनकी समस्याओं के संबंध में जाना। उनको सबसे अहम यह जानकारी मिली कि

बाजार उपलब्ध कराने की भी तैयारी

शिल्पकारों को उनकी कला का सही दाम नहीं मिल पाता है क्योंकि उनके पास बाजार नहीं है। कहीं जागार जैसा कोई आयोजन होता है तो उनको अपनी कलाकृति रखने का मौका मिलता है, पर अलग से कोई बाजार न होने के कारण परेशानी होती है। इसी के साथ इस बात की भी कोई जानकारी नहीं है कि प्रदेश में कुल मिलाकर कितने लौह शिल्पकार हैं, क्योंकि इनका पहले हस्तशिल्प के माध्यम से ही पंजीयन होता रहा है। इसमें सभी शिल्पकारों के शामिल होने के कारण अलग-अलग कला के शिल्पकारों को कोऊ डाटा नहीं है।

आधुनिक प्रशिक्षण की भी योजना

श्री विश्वकर्मा ने हरिभूमि से चर्चा करते हुए बताया प्रदेश भर के शिल्पकारों की पूरी जानकारी रखने के लिए सबसे पहले उनका पंजीयन कराने का फैसला किया गया है। इसी के साथ आज जिस तरह से आधुनिक तकनीक आ रही है, उससे अवगत कराने के लिए शिल्पकारों को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। इसके लिए शिल्पकारों को बाहर भेजने के साथ बाहर के विशेषज्ञों को यहां बुलाकर प्रशिक्षण दिया जाएगा। हमारे शिल्पकार आधुनिक कला का प्रशिक्षण लेकर आधुनिक कलाकृतियों का निर्माण करेंगे इससे प्रदेश का नाम देश और विदेश में होगा। ज्यादातर शिल्पकार कृषि के औजार बनाने का ही काम करते हैं, लेकिन यह काम अब बहुत कम हो गया है। ऐसे में इनको अब आधुनिक कलाकृतियां बनाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा तो इनको रोजगार मिलेगा।

सरकार से मांगा चार करोड़ का बजट

श्री विश्वकर्मा ने बताया, प्रदेश के शिल्पकारों को प्रशिक्षण देने सहित अन्य योजनाओं के लिए चार करोड़ का बजट मांगा गया है। कई शिल्पकार पलायन भी कर रहे हैं, इनका पलायन रोकना है। शिल्पकारों को आर्थिक मदद भी देने की योजना है। शिल्पकारों को जहां प्रशिक्षण दिया जाएगा, वहीं उनको अपने वर्कशॉप के लिए शेड बनाने के लिए अनुदान भी दिया जाएगा। संभाग स्तर पर कार्यालय भी बनाने की प्रदेश सरकार से मांग की गई है।

असम के मंत्री ने पहलगाम हमले में दिवंगत कारोबारी के परिजनों से की भेंट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ प्रवास पर आए असम सरकार के मंत्री रूपेश गोवाला एवं संयुक्त सचिव आयुषी जैन (आईएएस) ने पहलगाम आतंकी हमले में शहीद हुए रायपुर निवासी वरिष्ठ कारोबारी स्वर्गीय दिनेश मिरानिया के परिजनों से भेंट की और गहरी शोक संवेदना व्यक्त की। इस अवसर पर असम सरकार की ओर से दिवंगत श्री मिरानिया के परिवार को 5 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। मंत्री गोवाला ने शोक पत्र सौंपते हुए परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की और कहा कि दुख की इस घड़ी में असम सरकार उनके साथ खड़ी है।

इस दौरान राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

रविवि ने फिर बदली समय-सारिणी

रायपुर। पं.रविशंकर शुक्ल विवि द्वारा पुनः सेमेस्टर परीक्षाओं की समय-सारिणी में बदलाव किया गया है। इसके पूर्व बीकॉम और सीए परीक्षाओं की तिथि टकराने के चलते बदलाव किया गया था। इसके बाद रविवि ने परीक्षा के समय में बदलाव किया था। अब पुनः समय-सारिणी जारी कर कुछ विषयों की परीक्षा तिथि बदली गई है। परीक्षाओं में टकराव की स्थिति निर्मित होने के कारण यह बदलाव किया गया है। रविवि ने संशोधित समय-सारिणी महाविद्यालयों को प्रेषित कर दी है।

बीएससी नर्सिंग में 67% अभ्यर्थी उपस्थित

रायपुर। व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा गुरुवार को बीएससी नर्सिंग पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई। इस प्रवेश परीक्षा के लिए लगभग 46000 स्टूडेंट्स ने आवेदन किया था। इनमें से 67 प्रतिशत छात्र ही परीक्षा दिलाने पहुंचे। इसके लिए प्रवेशपत्र 22 मई को व्यापम की वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए थे। किसी भी केंद्र से नकल प्रकरण की शिकायत खबर लिखे जाने तक व्यापम को प्राप्त नहीं हुई थी।

आयुष विभाग की अनूठी पहल मिल रही निशुल्क औषधियां

रायपुर। आयुर्वेद अब पहाड़ों, जंगलों और दूर-दराज़ के गाँवों की दहलीज़ पर दस्तक दे रहा है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय की पहल पर छत्तीसगढ़ के दस जिलों में 'आयुष मोबाइल मेडिकल यूनिट' का सफल संचालन किया जा रहा है। राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत वर्ष 2024 में प्रारंभ हुए इस कार्यक्रम का उद्देश्य है-पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को देश के अंतिम छोर तक पहुँचाना। सरगुजा, रायगढ़, बस्तर, महासमुंद, बालोद, बलरामपुर, गरियाबंद, जशपुर, कोरिया और कबीरधाम ज़िलों में चल रही इस अभिनव योजना के तहत विशेष रूप से पीवीटीजी (विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह) क्षेत्रों में रहने वाली जनजातीय आबादी को प्राथमिकता दी जा रही है।

वन्यजीवों का शिकार तंत्र-मंत्र के लिए, कोर्ट में आरोपी की स्वीकारोक्ति के बाद हुई पुष्टि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी सहित प्रदेश में अंधविश्वास के चलते वन्यजीवों का बड़े पैमाने पर शिकार हो रहा है। विधानसभा इलाके में पिछले दिनों हिरण की खाल के साथ गिरफ्तार मास्टर माइंड ने इस बात की स्वीकारोक्ति कोर्ट में भी की है कि उसने तंत्र-मंत्र के उद्देश्य से हिरण का शिकार किया था।

अलग खबर

राजधानी में पिछले एक महीने में वन विभाग की उड़नदस्ता टीम ने दो अलग-अलग मामलों में आधा दर्जन के करीब लोगों को हिरण खाल तथा सींग के साथ गिरफ्तार किया है। दोनों मामलों के तार बार नवापारा से जुड़े होना पाया गया है। हिरण तथा चीतल का शिकार करने के बाद शिकारी, मांस बेचने के बाद खाल तथा सींग को अलग से बेचकर अतिरिक्त लाभ कमाते हैं। हिरण तथा चीतल के खाल को शिकारी तंत्र क्रिया करने वालों को बेचते हैं।

बार नवापारा में शिकार के रास्ते-बार नवापारा में शिकार के लिए शिकारी जिन रास्तों का प्रयोग करते हैं, उनमें बया से राजा देवरी गांव का रास्ता है। इसके अलावा लवन रेंज के आल्दा और सूर्याय गांव, बार नवापारा डब्ल्यूएलएस की सीमा पर स्थित फुरफुंदी और झालपानी, पकरीद के पास गिधपुरी और मेढ़कुल, छतल डबरा से रावन का इलाका है।

बार नवापारा से शिकार कर लाए गए हिरण खाल की जब्ती का मामला

कोर्ट में कहा- हां, खाल पर बैठकर पूजा करता हूं

मंगलवार को विधानसभा थाना क्षेत्र में वन विभाग की टीम ने दबिश देकर हिरण खाल के साथ जिन तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, उस खाल के छह माह पुराने होने की बात सामने आई है। वन विभाग की टीम ने जिन लोगों के कब्जे से खाल बरामद की है, उसके मास्टर माइंड आनंद श्रीवास्तव को वन विभाग की टीम ने कोर्ट में पेश किया तो उसने कोर्ट में स्वीकार करते हुए कहा कि हां, मैं हिरण की खाल पर बैठकर पूजा करता हूं, इससे लक्ष्मी प्रसन्न होती है। आरोपी की स्वीकारोक्ति पर कोर्ट ने तीनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेजने का आदेश दिया।

इनपुट के आधार पर कार्रवाई

विधानसभा इलाके में खाल के साथ गिरफ्तार आरोपियों के तार बार नवापारा से जुड़ रहे हैं। मामले की पड़ताल की जा रही है। पूछताछ में महत्वपूर्ण इनपुट मिले हैं, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

- दीपक तिवारी, प्रभारी रेंजर, रायपुर वन परिक्षेत्र

खपत के आधार पर जल शुल्क लेने का फार्मूला बस कागजों पर सिमटा

शोपीस बनकर रह गए 85 हजार घरों के मेनुअल और स्वचालित वाटर मीटर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी में उपभोक्ताओं से खपत के आधार पर जल शुल्क लेने का फार्मूला दो साल बाद भी परवान नहीं चढ़ सका। नगर निगम और रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा शहरभर में अमृत मिशन और 24 घंटे जल आपूर्ति योजना के तहत 2 अलग-अलग तरह के 85 हजार वाटर मीटर घर-घर लगाये गये, ताकि अंतिम छोर तक पर्याप्त प्रेशर के साथ नलों के माध्यम से पीने का साफ पानी पहुंचाया जा सके। इसमें अमृत मिशन के तहत 60 हजार घरों में निःशुल्क वाटर मीटर लगाने, पाइप लाइन बिछाने, इंटर कनेक्शन करने मुंबई की इंडियन ह्यूम पाइप कंपनी को ठेका दिया, पर ठेका एजेंसी के माध्यम से लगवाए गए सैकड़ों वाटर मीटर धड़ल्ले से चोरी हो गये। जोन 6 के टिकरापारा, संजय नगर, उमंग नगर सहित अन्य रहवासी इलाकों में यह वाकया देखने को मिला। लोग हैरान भी हुये कि घरों के सामने से वाटर मीटर कैसे चोरी हो गए?

दो साल बाद भी जल शुल्क तय नहीं

पहले के मीटर कबाड़, फ्लाप रहा प्रोजेक्ट

नगर निगम ने 6 साल पहले बाहर की कंपनी को ठेका देकर शहर के अलग-अलग वार्डों में 25 हजार घरों में पानी की खपत जांचने वाटर मीटर लगवाये। ठेका कंपनी ने 1500 रुपये से लेकर 2500 रुपये शुल्क वसूली की। न तो उस वाटर मीटर की कभी रीडिंग हुई, न पानी की खपत नापने नगर निगम के कर्मचारी पहुंचे। अलबत्ता घरों में लगाये गये वाटर मीटर जंग लगने से खराब हो गये, तो कहीं लोगों ने अनुपयोगी समझकर कबाड़ में बेच डाले। कुल मिलाकर वार्डों में खपाए मीटर का कोई हिसाब-किताब नहीं है, जबकि 44 करोड़ का ये प्रोजेक्ट 25 हजार घरों में वाटर मीटर लगाने के लिए लाया गया था। टेंडर कर ठेका एजेंसी चुनी गयी थी।

पहले व्यवस्था दुरुस्त करेंगे फिर लाएंगे प्रस्ताव

नए वाटर मीटर से पानी की खपत के आधार पर जल शुल्क वसूली संबंधी दर तय नहीं हुई है। पहले पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था दुरुस्त करेंगे। जब लोगों को सुविधाजनक तरीके से पानी मिलने लगेगा, तब एमआईसी में प्रस्ताव लाकर उसे पारित कर सामान्य सभा में भेजा जाएगा। इसके लिए राज्य शासन से मंजूरी लेनी होगी।

- संतोष साहू, अध्यक्ष, जल विभाग, नगर निगम रायपुर

मशीन पार, डिब्बा खाली छोड़ गए, शिकायत की थी

शहीद ब्रिगेडियर उस्मान वार्ड के टिकरापारा इलाके में लगाये गये ज्यादातर वाटर मीटर असमाजिक तत्वों ने पार कर दिये। पूर्व पार्षद सतनाम पनाग का कहना है, ठेका एजेंसी ने लोगों के घरों के बाहर वाटर मीटर खुले में लगाकर छोड़ दिये। इसका फायदा असामाजिक तत्वों ने उठाया। उनके घर में सीसीटीवी कैमरा लगा है, इसलिए वाटर मीटर सुरक्षित रह गया, पर आसपास के घरों के सामने लगाये गये वाटर मीटर मशीन चोरों ने पार कर दिए, डिब्बा खाली छोड़ गये। भुक्तभोगियों ने इसकी शिकायत डायल 112 में भी की। लोगों को यह आशंका रही कि नशेड़ी किस्म के लोग वाटर मीटर पार कर औने-पौने दाम पर इसे बेचकर नशे का इंतजाम करने ऐसा किये हैं।

मेन पाइप लाइन से कनेक्शन वाली जगह चूहों के बिल

कुछ जगहों पर नाली से लगी दीवार पर ठेकेदार द्वारा मेन लाइन से अमृत मिशन के तहत वाटर मीटर लगाने कनेक्शन जोड़े गए हैं। उसी गेप वाली जगह पर चूहों ने बिल बना दिये हैं। इससे आसपास की सड़क खोखली होने लगी है। वाटर मीटर चोरी होने के बाद काले रंग का खाली डिब्बा बाहर लटक रहा है।

रजिस्ट्री कराने के बाद भुगतान नहीं

महिला आयोग में सुनवाई के बाद अनावेदक ने दिए 15 लाख रुपए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग में अब धोखाधड़ी के मामले भी आने लगे हैं, जिनमें लोगों को जल्द ही न्याय भी मिल रहा है। एक ऐसा ही धोखाधड़ी का प्रकरण आयोग में आया था, जिसमें एक महिला ने शिकायत की थी कि उसने अपनी जमीन को एक व्यक्ति को बेचा है। अनावेदक ने उसकी रजिस्ट्री भी करा ली है, लेकिन रजिस्ट्री कराने के बाद वह 15 लाख रुपए का भुगतान नहीं कर रहा है। आयोग में मामला पहुंचने पर इसकी पहली सुनवाई में ही अनावेदक ने स्वीकार कर लिया कि उसने जमीन खरीदी है, जिसके सौदे की राशि 15 लाख रुपए वह एक माह के अंदर भुगतान कर देगा। आयोग में गुरुवार को हुई सुनवाई में महिला शिकायतकर्ता ने बताया कि अनावेदक से उसे जमीन सौदे की पूरी राशि मिल गई है।

सामाजिक बहिष्कार को गांव में जाकर खत्म कराया

महिला आयोग ने सामाजिक बहिष्कार की दो शिकायतों में न्याय दिलाकर प्रकरण को खात्मा किया। आयोग ने इन प्रकरण में समाज से बहिष्कृत किए गए परिवार को गांव और समाज के लोगों के समक्ष समाज में वापस शामिल कराया। इस मामले में आयोग के सदस्यों की टीम 24 मई को बेमेतरा जिले के चंदनु थाना अंतर्गत ग्राम नरी गई थी। इन सदस्यों की मौजूदगी में बहिष्कृत की गई दो महिला के परिवार को गांव व समाज में वापस शामिल कराया। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक, सदस्य लक्ष्मी वर्मा एवं सरला कोसरिया ने रायपुर स्थित आयोग कार्यालय में महिला उत्पीड़न से संबंधित प्रकरणों पर सुनवाई की। इस दौरान कई पुराने प्रकरणों पर सुनवाई कर उनका खात्मा किया।

न्यायालय नायाब तहसीलदार 02AA के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202505114500045
मामले की श्रेणी :- राजस्व
विषयः- ब-121 सनः- 2024-2025
सोनडोंगरी प.ह.न. 00036 [(हे.)]
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार श्रीमती प्रिती वैष्णव पति दानिश वैष्णव निवासी बड़ा अशोक नगर गुढ़ियारी तहसील व जिला रायपुर,
अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती प्रिती वैष्णव पति दानिश वैष्णव निवासी बड़ा अशोक नगर गुढ़ियारी तहसील व जिला रायपुर द्वारा इस न्यायालय में द्वितीय ऋण पुस्तिका प्रदाय किये जाने बाबत आवेदन पत्र पेश कर लेख किया है कि आवेदक के स्वामित्व एवं आधिपत्य में ग्राम सोनडोंगरी, प.ह.नं. 36, रा.नि.मं. रायपुर तहसील व जिला रायपुर में स्थित भूमि खसरा नंबर 273/29 रकबा 1000 वर्गफुट भूमि धारित किया जाता है। उक्त धारित भूमि का आवेदक को पूर्व में ऋण पुस्तिका प्रदाय किया गया था जो कि गुम हो गया है। अतः आवेदक द्वारा धारित उक्त वर्णित भूमि का द्वितीय ऋण पुस्तिका प्रदाय किये जाने हेतु आवेदिका द्वारा निवेदन किया गया है। उक्त प्रकरण की सुनवाई इस न्यायालय में दिनांक 10/06/2025 को होगी।

अतएव जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से अपनी लिखित आपत्ति दिनांक 10/06/2025 को इस न्यायालय में पेश करें। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 23/05/2025 को जारी किया जाता है।

(मुहर) **नायब तहसीलदार**
रायपुर (छ.ग.)

आम सूचना
खरीदी बिक्री में आपत्ति बाबत
ग्राम-धनेली, प.ह.नं.- 81 स्थित भूमि के संबंध मे

मैं अपने पक्षकार जगतुराम साहू पिता डेरहाराम साहू निवासी फाफाडीह रायपुर से अधिकृत एवं निर्देशित होकर ग्राम धनेली, प.ह.नं. 81 तहसील व जिला रायपुर छ.ग. स्थित भूमि खसरा नम्बर 20/3, 22/3, 236/5, 236/6, 236/7, 20/2, 22/1, 236/2, 236/3, 236/4, 30/3, 30/5, 151/3, 20/1 सभी खसरे का भाग रकबा क्रमशः 0.0070 हे., 0.0020 हे., 0.0670 हे., 0.1080 हे., 0.0610 हे., 0.0700 हे., 0.0020 हे., 0.0675 हे., 0.1078 हे., 0.0606 हे., 0.0570 हे., 0.0610 हे. 0.0810 हे., 0.0170 हे भूमि के संबंध में खरीदी बिक्री पर निम्नानुसार आपत्ति प्रकाशित करता हूं।

यह कि उपरोक्त भूमि न्यायालय श्रीमान कुमारी रंजू वैष्णव सप्तम व्यवहार न्यायाधीश वर्ग- दो रायपुर में लंबित निष्पादन वाद क्रमांक 20/2013 पक्षकार डेरहा साहू विरुद्ध विशाल वगैरा में मूल व्यवहार वाद क्रमांक 146 अ/91 में पारित निर्णय एवं डिक्री के अनुसार मेरे पक्षकार के पिता डेरहाराम साहू पिता बरातु साहू को प्राप्त हुआ है। डेरहाराम साहू कि मृत्यू हो गई है उसके द्वारा अपने जीवनकाल मे किये गये वसीयतनामा दिनांक 09/06/2012 के अनुसार उपरोक्त संपत्ति मेरे पक्षकार के स्वामित्व की संपत्ति है जिसके संबंध में यथा शिघ्र राजस्व न्यायालय में नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया जा रहा है।

उपरोक्त खसरा नंबर मे से 20/3, 22/3, 236/5, 236/6, 236/7 की भूमि वर्तमान राजस्व अभिलेख में परमानंद पिता बिशाल राम के नाम से खसरा नंबर 20/2, 22/1, 236/2, 236/3, 236/4 की भूमि वर्तमान राजस्व अभिलेख में चंद्र कुमार पिता बिशाल राम के नाम से खसरा नंबर 30/3, 30/5, अभिलेख में निर्मला पति शांति लाल, संजय पिता शांति लाल घाड़ीवाल के नाम से खसरा नंबर 151/3 की भूमि वर्तमान राजस्व अभिलेख में अनिता पति अजय कुमार सिंघवानी के नाम से एवं खसरा नंबर 20/1 की भूमि वर्तमान राजस्व अभिलेख में गोविंद, भागवती पिता रामनाथ पवन कुमार, घुरवा पिता कोंदा उर्फ पुनुराम निवासी ग्राम धनेली के नाम से दर्ज है, जिसका भाग रकबा जो व्यवहार न्यायालय के फैसले के अनुसार मेरे पक्षकार के पिता तथा उसके उपरांत मेरे पक्षकार के स्वामित्व का है।

यह कि मेरे पक्षकार को जानकारी प्राप्त हुई है कि उक्त व्यक्ति राजस्व अभिलेखो में अपना नाम दर्ज होने का नजायज लाभ उठाने के उद्देश्य से मेरे पक्षकार की उक्त खसरा, रकबा की भूमि को भी विक्रय किये जाने के लिये दलालों के माध्यम से बातचीत कर रहें हैं, जबकि उपर बताए अनुसार उक्त भूमि माननीय न्यायालय के निर्णय एवं डिक्री अनुसार मेरे पक्षकार के स्वामित्व की भूमि है जिसे उक्त खातेदारो को विक्रय आदि करने का कोई विधिक अधिकार नही है।

अतः इस आम सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता हैं कि कोई भी व्यक्ति पैरा एक में उल्लेखित खसरा, रकबा की भूमि के संबंध में पैरा दो में उल्लेखित व्यक्तियो से किसी भी तरह से संव्यवहार न करें, यदि उसके बाद भी कोई व्यक्ति उनसे कोई संव्यवहार करते है तो उन्हें भूमि पर कोई स्वत्व व आधिपत्य की प्राप्ति नहीं होगी, तथा वह सद्भावी क्रेता भी नही होगा। सो सूचना जाने।

स्थान- रायपुर छ.ग. दिनांक - 28/05/2025
भवदीय
डी.पी. वर्मा अधिवक्ता
राज टॉकिज के पास होटल लक्ष्य रायपुर छ.ग.
मो. नं. - 97707-88855

डॉ. रूपल आयुर्विज्ञान परिषद के रजिस्ट्रार

रायपुर। डॉ. रूपल पुरोहित को आयुर्विज्ञान परिषद का रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा इस संदर्भ में आदेश जारी किया गया था। इसके बाद डॉ. रूपल द्वारा ज्वॉइनिंग दे दी गई है।

-ः शपथ पत्र :-

मैं कविता साहू पति खिलावन साहू पिता मोहनलाल साहू जाति तेली निवासी सब स्टेशन के पास खोरपा रायपुर छ.ग. की जो कि निम्नलिखित शपथपूर्वक कथन करती हूँ।

1. यह कि मैं ऊपर लिखे उपरोक्त पते की निवासी हूँ।

2 यह कि मैने अर्थशास्त्र में डॉक्टर ऑफ फिलासफी (पी.एच.डी.) की उपाधी पूर्ण कर ली हूँ, जिस कारण मैं अपने नाम के आगे डॉ कविता साहू दर्ज करवाना चाहती हूँ।

3. यह कि शपथ पत्र उपरोक्त कथनों के समर्थन में प्रस्तुत है। **शपथकर्ता**

-ः सत्यापन :-

मैं कविता साहू पति खिलावन साहू पिता मोहनलाल साहू जाति तेली निवासी सब स्टेशन के पास खोरपा रायपुर छ.ग. की हूँ, जो कि उपर लिखे कंडिका 1 से 3 में दी गई समस्त जानकारी सहीं एवं सत्य है इसलिए आज दिनांक 02.01.2025 को हस्ताक्षर कर सत्यापित की। **कविता**
सत्यापनकर्ता

आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने विक्रेता- मंगल पिता-श्री निरंजन जाति - तेली, निवासी-ग्राम-फुंडहर रायपुर तहसील व जिला - रायपुर (छ.ग.) से उसके स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि को जो कि वाके मौजा ग्राम- नकटी, प.ह. नं. - 77, रा.नि.मं. -रायपुर-18 कांदुल तहसील व जिला - रायपुर छ.ग. में स्थित भूमि है, जिसका खसरा नं.- 179/38 रकबा 0.809 हेक्टे. भूमि है, को खरीदने का पक्का सौदा किया गया है, एवं मेरे पक्षकार द्वारा बैनामा पंजीयन की कार्यवाही शेष है।

अतः जिस किसी भी व्यक्ति, निगम, वित्तीय अर्धशासकीय, शासकीय संस्था को उपरोक्त भूमि / संपत्ति के स्वत्व एवं आधिपत्य के संबंध में कोई भी ऊजर, आपत्ति हो एवं किसी प्रकार का कोई इकरारनामा निष्पादित किया गया हो, तो मेरे कार्यालय में मय दस्तावेज आपत्ति 15 दिनों के भीतर प्रस्तुत करे। बाद म्याद की गई कोई भी आपत्ति मेरे पक्षकार के उपर बंधनकारी नही होगा व अवैध व शून्य माना जावेगा। म्याद अवधि के पश्चात मेरा पक्षकार उपरोक्त संपत्ति का पंजीयन कराने हेतु स्वतंत्र होगा।

सो ताकिद जाने।

रायपुर (छ.ग.)
दिनांक :- 29/05/2025
भवदीय
साहेब लाल वर्मा (अधिवक्ता)
निवास- मकान नं.- 10 व 11
ब्लॉक नं. - 47, द्वितीय तल हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी धरमपुरा रायपुर (छ.ग.)
मो. नं. - 99260-66979

पेज 13 के शेष

दो महीने बाद भी...

को उम्मीद है कि जैसे-जैसे स्टेशन शुरू होंगे और जागरूकता बढ़ेगी, वैसे-वैसे ट्रेन में यात्रियों की संख्या भी बढ़ेगी। इससे रायपुर-धमतरी के बीच सफर करने वाले यात्रियों को किफायती और सुविधाजनक परिवहन विकल्प उपलब्ध होगा।

रोज 80 प्रतिशत ट्रेन...

बाद से औसतन 100 से अधिक यात्री ट्रेन में सफर कर रहे हैं। सुबह अभनपुर से औसतन केवल 20 से 30 यात्री ही सफर कर रहे हैं। शाम के वक्त यह संख्या घटकर 15 से 20 तक पहुंच जाती है। वहीं, रायपुर से अभनपुर के लिए शाम के समय भी गिनती के ही यात्री मिल रहे हैं।

अब क्यूआर कोड से...

निगम से अनुमति प्राप्त होर्डिंग्स पर क्यूआर कोड लगाने का काम चल रहा है। जिन होर्डिंग्स पर क्यूआर कोड नहीं होंगे, उसे नगर निवेश विभाग चिन्हांकित कर अलग से डाटा रखेगा। यानी अवैध होर्डिंग्स की पहचान करना अब आसान रहेगा। होर्डिंग्स में लगाये गये क्यूआर कोड को स्कैन करने से संबंधित होर्डिंग्स के संबंध में भुगतान का अपडेट भी मिलेगा। अवैध होर्डिंग्स लगाने वालों से नगर निगम जुर्माना वसूलेगा। नई पालिसी में ऑनलाइन रेट रिवाइज किया गया है। यूनीपोल, विज्ञापन बोर्ड, एलईडी बोर्ड लगाने के लिए दर में बढ़ोतरी की गयी है। इसके मुताबिक निजी बोर्ड पर प्रति वर्गफीट 90 रुपये से 120 रुपये शुल्क देय होगा। इसी तरह तीन श्रेणी में प्रति वर्गमीटर अलग-अलग दर तय की गयी है। विज्ञापन का प्रचार करने निगम संबंधित एजेंसी से 90 रुपये से लेकर 180 रुपये प्रति वर्गफीट स्पेस के हिसाब से शुल्क लेगा। यूनीपोल के लिए पूर्व में बी1, बी2 और बी3 श्रेणी के लिए प्रति वर्ग मीटर की दर 380 रुपये से लेकर 500 रुपये तय थी, इसे बढ़ाकर 500 से 600 रुपये श्रेणी वाइज किया गया है।

ज्वेलरी शॉप में खरीदी...

शाम सवा चार बजे के करीब एक्टिवा में सवार होकर तीन लड़के उसकी दुकान में पहुंचे। दो लड़के एक्टिवा चालू कर दुकान के बाहर खड़े रहे। इस दौरान एक लड़का सोने की चेन खरीदने का झांसा देकर सोने की चेन देखने लगा। घटना के समय दुकान में दो तीन ग्राहक और मौजूद थे। अन्य ग्राहकों को ज्वेलरी दुकान का संचालक ज्वेलरी सामान दिखा रहा था। इसका फायदा उठाते हुए चेन देख रहा युवक तीन सोने की चेन लेकर तेजी से दौड़ते हुए अपने साथियों की एक्टिवा पर सवार होकर मौके से फरार हो गया।

पड़ोसी दुकानदारों तक को भनक नहीं -सोने की चेन चोरी करने वाले बदमाशों को पकड़ने ज्वेलरी शोरूम के संचालक ने पहले अपने स्तर पर प्रयास किया। असफल होने पर शॉप के संचालक ने शाम पांच बजे के करीब पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस के अनुसार ज्वेलरी शॉप से सटे आजू-बाजू के दुकान संचालकों को ज्वेलरी शॉप में चोरी होने की जानकारी पुलिस के आने पर मिली। बदमाश चोरी करने के बाद लोधीपारा के रास्ते भागे हैं।

आयुर्वेद के साथ ...

ज्योतिष, आयुर्वेद तथा पुरोहित का पाठ पढ़ाने मदद ले रहा है। जेल अधीक्षक योगेश सिंह क्षत्री के मुताबिक जेल में कैदियों को शिक्षित करने के लिए अनेक पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। वर्तमान में विभिन्न पाठ्यक्रमों में 291 बंदी अध्ययनरत हैं। संस्कृत विद्यामण्डलम रायपुर के अंतर्गत कक्षा प्रथमा भाग एक से कक्षा उत्तर मध्यमा द्वितीय वर्ष बारहवीं तक ज्योतिष आयुर्वेद, पुराणेतिहासम, पौरोहित्यम कर्मकाण्ड विषयों की पढ़ाई कराई जाती है।

रिलायंस डिजिटल में...

की बात सामने आई है। पुलिस के अनुसार नौसीखिए चोर डिजिटल मार्ट से आईफोन चोरी करने के बाद उसे खपाने की योजना बना रहे थे। पुलिस के अनुसार घटना स्थल के आसपास मिले सीसीटीवी फूटेज में कई संदिग्ध लोगों की आवाजाही दिखी। इसके बाद फूटेज के आधार पर संदिग्धों के बारे में जानकारी जुटाकर उनसे पूछताछ की गई, तो उन लोगों ने मोबाइल शॉप में चोरी करने का अपराध कबूल किया। पकड़े जाने से बचने बदमाश चोरी की दोपहिया लेकर रिलायंस डिजिटल में चोरी करने घुसे थे।

पुराने दुकान कर्मी ने दुकान से 27 लाख पार किया-माना थाना क्षेत्र के डुमरतराई स्थित षधि वाटिका में संजय एजेंसी से 27 लाख चोरी करने के आरोप में पुलिस ने सक्ती निवासी विजय कश्यप उर्फ गुड्डा को गिरफ्तार किया है। विजय संजय एजेंसी में ड्राइवर का काम करता था। पांच माह पूर्व उसने नौकरी छोड़ दी थी। विजय को दुकान में कहां पैसे रखे जाते हैं, इस बात की जानकारी थी। मंगलवार को विजय कारोबारी संजय आहूजा की कार तथा दुकान की चाबी चोरी कर दुकान में प्रवेश कर नकद चोरी कर वापस सक्ती चला गया। घटना स्थल पर लगे सीसीटीवी फूटेज के आधार पर पुलिस ने संजय को गिरफ्तार किया है।

न्यायालय नजूल अधिकारी रायपुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202505112800021/166
मामले की श्रेणी :- राजस्व
विषयः- अ-20 (3) सन :-2024-2025
रायपुर प.ह.न. 00062 [(हे.)]
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार - बलराम प्रेमचंदानी पिता श्री हेमनदास प्रेमचंदानी,
अनावेदक पक्षकार - नारायण दास पिता श्री बखतराम दास,

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं मौजा ग्राम तेलीबांधा रायपुर के आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक बलराम प्रेमचंदानी पिता श्री हेमनदास प्रेमचंदानी, निवासी- श्याम नगर, तेलीबांधा रायपुर छ.ग. द्वारा छ.ग. भू राजस्व संहिता अधिनियम 1959 की धारा 110 के तहत इस आशय का आवेदन पेश किया है कि मौजा ग्राम तेलीबांधा स्थित भूखण्ड क्रमांक-95, रकबा 2000 वर्गफुट भूमि को आवेदक एवं उनके भाई किशनचंद प्रेमचंदानी ने संयुक्त रूप से अनावेदक क्रमांक - 01 नारायण दास पिता बखतराम दास, निवासी- रविग्राम रायपुर तहसील व जिला रायपुर से पंजीकृत बैनामा दिनांक 24/07/1976 के माध्यम से क्रय किया है। किशनचंद प्रेमचंदानी ने हकत्याग विलेख दिनांक 20/02/2007 के माध्यम से आवेदक बलराम प्रेमचंदानी को उक्त भूमि को हकत्याग किया है। आवेदक के भाई किशनचंद प्रेमचंदानी की मृत्यु दिनांक 31/03/2017 को गया है। अतएव आवेदक द्वारा हकत्याग विलेख के आधार पर अपना नाम दर्ज कराने हेतु आवेदन पत्र के साथ बैनामा, हकत्याग विलेख की छायाप्रति संलग्न कर प्रस्तुत किया है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी को कोई आपत्ति दावा हो तो अपना आपत्ति दावा पेशी दिनांक 17/06/2025 तक न्यायालयीन अवधि में कार्यालय कलेक्टर नजूल अधिकारी रायपुर कक्ष क्रमांक-07 में स्वयं या वैध प्रतिनिधि के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत अवधि के पश्चात प्राप्त आपत्ति दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 27/05/2025 को जारी किया जाता है।

NAVIN KUMAR THAKUR
(मुहर) **नजूल अधिकारी**
रायपुर

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, DAULAT RAM KRISHNANI S/O LATE SHRI RIJHUMAL KRISHNANI resident of C-10, SEC-4, DEVENDRA NAGAR RAIPUR (C.G.) PIN CODE 492001 have changed my old name DAULAT RAM KRISHNANI S/O LATE SHRI RIJHUMAL KRISHNANI so in future I should be recognized by my new name that is DAULAT KRISHNANI S/O LATE SHRI RIJHUMAL KRISHNANI in all Government and other documents.

DAULAT KRISHNANI
C-10, SEC-4, DEVENDRA
NAGAR RAIPUR (C.G)
PIN CODE 492001

नाले की मेनुअल सफाई, कच्चा नाला में मशीन उतारने में दिक्कत

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

■ सभापति सूर्यकांत राठौर ने नाला सफाई का किया अवलोकन

नगर निगम सभापति सूर्यकांत राठौर ने गुरुवार को जोन 2 के वार्ड 13 स्थित काली नगर में बारिश पूर्व नाला सफाई कार्य का स्थल निरीक्षण किया। जोन 2 कमिश्नरी द्वारा रेलवे पटरी किनारे पर बसे कालीनगर नाले की मेनुअल सफाई करायी जा रही है। कच्चा नाला होने के कारण नाला सफाई के लिए यहां पोकलेन मशीन नहीं उतारी जा सकती, इसलिए जोन गैंग के माध्यम से नाला सफाई का कार्य कराया जा रहा है।

कालीनगर के नाले में फाफाडीह क्षेत्र से गंदा पानी आने के साथ ही नाला सफाई नहीं होने से जलभराव का खतरा बना हुआ है। सभापति सूर्यकांत राठौर ने बारिश पूर्व नाले की सफाई पूरा कराने जोन के अधिकारियों को निर्देशित किया। राजीव गांधी वार्ड की कालीनगर बस्ती में नाला सफाई का प्रत्यक्ष अवलोकन करने वार्ड पार्षद महेंद्र खोडियार, जोन कमिश्नर डॉ. आरके डोंगरे जोन स्वास्थ्य अधिकारी रवि लावनिया इस मौके पर उपस्थित रहे।

अपर आयुक्त ने नाला सफाई को लेकर ली बैठक, 31 तक का टारगेट

अपर आयुक्त राजेंद्र प्रसाद गुप्ता ने बारिश पूर्व नाला सफाई कार्य को लेकर बैठक बुलायी। इसमें नाला सफाई के दौरान आ रही समस्या और उसके समाधान को लेकर चर्चा की गयी। अपर आयुक्त ने 31 मई तक विभिन्न चरणों में नाला सफाई का कार्य पूरा करने समय सीमा तय की। विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी नाले-नालियों का बहाव प्रभावित न हो। नालों में गंदगी पाए जाने और डस्टबिन नहीं रखने पर जुर्माने की जानकारी ली। 1 मई से 28 मई तक की स्थिति में 64,100 रुपये का जुर्माना वसूला गया। बैठक में शामिल स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणिग्रही ने सभी प्रभारी जोन स्वास्थ्य अधिकारी और कर्मचारियों को हिदायत दी कि नालों की सफाई में किसी तरह की लापरवाही ना हो।

खबर संक्षेप

उपभोक्ता भंडार में चोरी नाबालिग समेत 4 गिरफ्तार

रायपुर। मौदहापारा थाना क्षेत्र के दुर्गा कॉलेज के पास सहकारी उपभोक्ता भंडार में चोरी करने के आरोप में पुलिस ने एक नाबालिग सहित चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। शादाब अली की शिकायत पर पुलिस ने शहबाज खान उर्फ सब्बू, हामिद अली, मुनीर अहमद उर्फ बब्बू तथा एक नाबालिग को चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया है। बदमाश सहकारी उपभोक्ता भंडार के शटर का ताला तोड़ गल्ले में रखे नकदी दो लाख रुपए पर हाथ साफ कर दिए थे। चोरी करते बदमाशों का पुलिस को सीसीटीवी फूटेज मिला था। पुलिस ने फूटेज के आधार पर बदमाशों की पहचान कर उन्हें धर-दबोचा।

जिला न्यायालय परिसर में हुई कई मनोरंजक स्पर्धा वकीलों ने खेला कैरम

रायपुर। ग्रीष्मक़ालीन अवकाश के दौरान जिला अधिवक्ता संघ द्वारा जिला न्यायालय परिसर में विभिन्न रोचक एवं मनोरंजक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इस श्रृंखला में मेहंदी, रंगोली और कैरम प्रतियोगिता के बाद अब गायन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा। इसी दौरान ज़िला अधिवक्ता संघ के सांस्कृतिक सचिव अधिवक्ता परसराम कश्यप ने कहा कि, अधिवक्ताओं ने कोर्ट की कार्यवाही पूरी करने के बाद इन प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे है। बुधवार को कैरम खेल में अधिवक्ताओं ने अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया, जिसमें अधिवक्ता भगवानू नायक, अधिवक्ता विवेक तनवानी, अधिवक्ता उर्वशी घोष, अधिवक्ता संदीप शुक्ला, प्रदीप साहू सहित कई वकीलों ने उत्साहपूर्वक कैरम खेला। इसी कड़ी में मेहंदी प्रतियोगिता का निर्णय प्रथम अधिवक्ता मुस्कान सिंह भदौरिया, द्वितीय स्थान अधिवक्ता आरती शर्मा, तृतीय स्थान अधिवक्ता नगमा खातून आई है। साथ ही रंगोली प्रतियोगिता का रिजल्ट प्रथम स्थान अधिवक्ता आरती कटकवार, द्वितीय स्थान अधिवक्ता ईंदरा बेन तृतीय स्थान अधिवक्ता पुजा बर्मन ने प्राप्त की हैं।

सोशल मीडिया पर पोर्न वीडियो अपलोड, एक गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी में साइबर अपराध से जुड़े एक गंभीर मामले में आजाद चौक थाना पुलिस ने महिलाओं और बच्चों से संबंधित आपत्तिजनक और अश्लील वीडियो व चित्रों को सोशल मीडिया पर वायरल करने के आरोप में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान संजय नाग निवासी डबरीपारा रामकुंड के रूप में की गई है। यह कार्रवाई साइबर सेल को नई दिल्ली से प्राप्त एक विशेष रिपोर्ट के आधार पर की गई। रिपोर्ट में बताया गया था कि एक मोबाइल नंबर से महिलाओं और नाबालिग बच्चों से जुड़े आपत्तिजनक एवं अश्लील वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर शेयर किए जा रहे हैं।

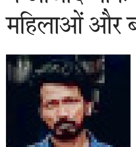

सर्वाधिक अतिशेष रायपुर में, कहीं 33 छात्राओं पर 7 शिक्षक तो कहीं 98 को पढ़ाने 10 का अमला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अलग खबर

राजधानी में बसने की चाहत ऐसी है कि थोक में शिक्षकों द्वारा साम-दंड-भेद की नीति अपनाकर यहां तबादला करवा लिया जाता है। हालात ये हैं कि प्रदेश में सर्वाधिक अतिशेष शिक्षक रायपुर में ही हो गए हैं। इसके अलावा बिलासपुर और दुर्ग जैसे जिलों में भी आवश्यकता से अधिक शिक्षक हैं। यहां के दर्जनभर से अधिक विद्यालयों में प्रति 8 से 10 छात्रों पर एक-एक शिक्षक तैनात हैं। जबकि रिपोर्ट के मुताबिक 211 स्कूलों में एक भी शिक्षक नहीं हैं। इनमें से अधिकतर आदिवासी क्षेत्रों और ग्रामीण अंचल में स्थित है। रायपुर जिले के विभिन्न विकासखंड की समीक्षा कई स्तरों पर की जा रही हैं। धरसीवां विकासखंड में की गई हालिया समीक्षा में कई ऐसे विद्यालयों की सूची सामने आई है, जहां शिक्षक आवश्यकता से कहीं अधिक संख्या में पदस्थ हैं।

शिक्षक संघ के प्रदर्शन और हड़ताल की घोषणा बाद जारी किए गए शासकीय आंकड़े

बाद में आए शिक्षक माने जाएंगे सरप्लस

स्कूल शिक्षा विभाग के अनुसार, विद्यालयों में छात्र-शिक्षक अनुपात का गहन अध्ययन कर यह निर्धारित किया जा रहा है कि कहां कितने शिक्षक की वास्तव में जरूरत है और कहां उनकी अधिकता है। अधिशेष शिक्षकों को आवश्यकता वाले विद्यालयों में पदस्थ किया जाएगा, ताकि सभी छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके। जिन शिक्षकों का तबादला बाद में हुआ है, नियमतः उन्हें सरप्लस माना जाएगा। अर्थात अतिरिक्त शिक्षकों वाले स्कूलों में से उन शिक्षकों को निकाला जाएगा जिनकी नियुक्ति उक्त संस्थान में बाद में हुई है। उन्हें कम शिक्षक वाले दूसरे स्कूल में भेजा जाएगा।

ये हैं सर्वाधिक शिक्षक वाले स्कूल

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला कन्या सरस्वती नयापारा में केवल 33 छात्राएं हैं, जबकि 7 शिक्षक तैनात हैं। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला कन्या रविग्राम में 82 विद्यार्थी पढ़ रहे हैं और 8 शिक्षक कार्यरत हैं। शासकीय प्राथमिक शाला मानाकैम्प में 104 विद्यार्थी हैं और वहां 11 शिक्षक पदस्थ हैं। शासकीय प्राथमिक शाला तेलीबांधा रायपुर में 109 विद्यार्थी हैं, जबकि 9 शिक्षक हैं। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला बैरनबाजार में 98 विद्यार्थी हैं और 10 शिक्षक कार्यरत हैं।

कब्जे से मध्यप्रदेश की महंगी शराब जब्त

डिलीवरी बॉय की तरह घूम-घूमकर शराब बेचने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी रायपुर में दूसरे राज्यों की लेबल लगी शराब की जमकर तस्करी और बिक्री हो रही है। आबकारी विभाग की कार्रवाई में ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें आरोपियों के कब्जों से दूसरे राज्यों के लेबल लगी शराब बरामद की गई है। विभाग ने इन मामलों में कार्रवाई कर आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भी भेजा है। इसके बाद भी जिले में दूसरे राज्य की शराब की बिक्री और परिवहन पर पूर्ण रूप से रोक नहीं लग पा रही है। विभाग ने गुरुवार को ऐसे ही अन्य दो प्रकरण में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उन दोनों के कब्जे से मध्यप्रदेश की लेबल लगी महंगी शराब की बोतलें बरामद की गई हैं। विभागीय अधिकारियों के अनुसार पकड़े गए दोनों व्यक्ति डिलीवरी बॉय की तरह दोपहिया वाहन में घूम-घूमकर शराब अवैध रूप से बेचा करते थे।

जॉनी वॉकर, ब्लैक लेबल- रेड लेबल सहित महंगी शराब जब्त

जिला आबकारी उपायुक्त रामकृष्ण मिश्रा ने बताया कि अवैध रूप से शराब की बिक्री और परिवहन पर रोक लगाने लगातार अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। कई कार्रवाई मुखबिर से मिली सूचनाओं पर की जा रही है। इसी कड़ी में विभाग को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो व्यक्ति अलग-अलग क्षेत्र में डिलीवरी बॉय की तरह दोपहिया वाहन में घूम-घूमकर शराब बेचा करते हैं। दोनों आरोपियों की निशानदेही पर टीम ने एक आरोपी उमाकांत सामंता निवासी खमतराई मूलतः ओड़िशा बॉर्डर बंगाल को आंबेडकर अस्पताल के सामने से गिरफ्तार किया। वह दोपहिया वाहन में सवार था तथा अपने वाहन में एक डिलीवरी बॉय का बैग सामने रखा हुआ था, वहीं पीठ में भी एक बैग टांगा हुआ था। इन दोनों बैग की तलाशी लेने पर उसमें से मध्यप्रदेश की लेबल लगी जॉनी वॉकर ब्लैक लेबल 10 बोतल के साथ छत्तीसगढ़ की बडवाइजर मैग्नम बीयर 7 बोतल एवं कैन बीयर 2 जब्त की गई है। इसी प्रकार दूसरा आरोपी कमलाकर मिश्रा निवासी राजीव नगर शंकर मूलतः मध्यप्रदेश को शंकर के पास गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से भी मध्यप्रदेश राज्य की जॉनी वॉकर रेड लेबल 4 बोतल सहित ब्लेंडर्स प्राइड व्हिस्की जब्त की है। दोनों के कब्जे से कुल 20 लीटर शराब जब्त की है, जिसकी कीमत 60 हजार 590 रुपए है। इन दोनों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2), 36, 59(क) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया है।

एक दिन पहले तीन लोगों के कब्जे से 40.68 लीटर शराब

विभाग ने एक दिन पहले बुधवार को भी अलग-अलग चार जगहों से अवैध रूप से शराब बेचते तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। उनमें ग्राम चिंगारियां खरोरा निवासी लीलाप्रसाद डहरिया, गुढ़ियारी रायपुर निवासी संदीप यादव एवं देवार मोहल्ला लालपुर निवासी विजेंद्र देवार को गिरफ्तार किया है। लालपुर से भी अज्ञात व्यक्ति द्वारा रखी शराब जब्त की है। इस तरह कुल 40.68 लीटर देशी मसाला एवं 9.0 लीटर गोवा स्पेशल व्हिस्की पौवा के साथ दो दोपहिया वाहन जब्त किया है। इन सभी के विरुद्ध भी आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

ढाई साल से किसानों को बांटी नहीं गई कृषि सामग्री, 25 लाख का मिला था लक्ष्य, 20 लाख ही खर्च कर पाया विभाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

जैविक खेती को बढ़ावा देने और मिट्टी की गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए परंपरागत कृषि विकास (पीकेवीवाई) योजना के तहत किसानों को जैविक खाद, जैविक बीज, बावेरिया फसल कीटनाशक सहित कृषि मशीनरी वितरण किया जाता है। इस योजना का लाभ उन्हीं गांव के किसानों को मिलता है, जिन ग्रामों का विभाग द्वारा चयन किया जाता है। इसके तहत रायपुर जिले में तीन साल पहले आरंग क्षेत्र के 5 ग्रामों का चयन किया गया था, जिसके 625 किसानों को इस योजना के तहत 25 लाख रुपए की सामग्री खरीदी कर वितरण किया जान था, लेकिन विभाग करीब 20 लाख रुपए की सामग्री खरीदी कर किसानों को उपलब्ध करा पाया, शेष राशि का उपयोग ही नहीं किया गया, जिसके कारण यह राशि विभाग के पोर्टल खाते में ढाई साल से डंप पड़ी हुई है।

- परंपरागत कृषि विकास योजना में आरंग क्षेत्र के पांच ग्रामों को 2003 में किया गया था शामिल

केंद्र 60 एवं राज्य 40 प्रतिशत राशि करता है आबंटित

पीकेवीवाई के तहत कृषि सामग्री खरीदी के लिए जारी की जानी वाली कुल राशि में केंद्र का 60 प्रतिशत तथा राज्य का राज्यांश 40 प्रतिशत होता है। विभागीय आंकड़ों के अनुसार चयनित ग्राम और किसानों के लिए 25 लाख रुपए की स्वीकृति दी गई थी, जिसमें से केंद्र से 12 लाख एवं राज्य से 8 लाख रुपए की राशि जारी हुई है। इस तरह 5 लाख रुपए एसएनए पोर्टल खाते में पेंडिंग है। बताया गया है कि यह राशि बढ़कर 6 लाख 766 रुपए हो गई है।

दिशा समिति की बैठक में रिपोर्ट पेश

पीकेवीवाई के तहत आरंग क्षेत्र के ग्रामों और किसानों को योजना के तहत स्वीकृति दी गई कृषि संबंधित सामग्री, राशि, वितरण सहित अन्य जानकारी की रिपोर्ट विभाग के अधिकारियों ने पिछले अप्रैल में कलेक्टोरेट स्थित रेडक्रास कक्ष में दिशा समिति की बैठक में पेश की थी।

इन पांच ग्रामों का किया गया था चयन

परंपरागत कृषि विकास योजना के तहत वर्ष 2023 में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए आरंग विकासखंड के ग्राम चिखली, कुटेला, मोहमेला, अमसेना एवं धौराभांठा का चयन किया गया था। इन ग्रामों के 625 किसानों को इस योजना में शामिल कर उन्हें 5 सौ हेक्टेयर जमीन पर जैविक खेती करने के लिए जैविक खाद, जैविक बीज, बावेरिया तथा कृषि मशीनरी उपलब्ध कराया जाना था। खाद और बीज प्रति हेक्टेयर एक किलोग्राम तथा बावेरिया 10 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर उपलब्ध कराया जाना था। कृषि मशीनरी भी प्रति हेक्टेयर एक लीटर उपलब्ध कराया जाना था, लेकिन विभाग ने कई किसानों को खाद, बीज तो कई किसानों को बावेरिया व कृषि मशीनरी उपलब्ध नहीं कराया।

चैंबर अध्यक्ष ने कार्यकारिणी का किया विस्तार, दूसरी सूची जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने गुरुवार को अपनी कार्यकारिणी का विस्तार किया। पदाधिकारियों की इस दूसरी सूची में प्रदेश के प्रमुख व्यापारियों व उद्योगपतियों का उपाध्यक्ष पद पर मनोनयन कर सूची जारी की है। इसमें पहली बार महिला उपाध्यक्ष सोनिया साहू को बनाया गया है। उपाध्यक्ष पद की सूची में वासुदेव जोतवानी, प्रकाश लालवानी, अमरदास खट्टर, राज किशोर नत्थानी, आशीष लुंकड़, राजकुमार राठी, अश्विनी विग, संतोष जैन, नरेंद्र हरचंदानी, विनय कुमार साहू, सुरेश भंसाली, नमित जैन, लखविंदर सिंह, राजेश पोपटानी, सोनिया साहू, संजय चौधरी, प्रमोद जैन ईश्वर अग्रवाल, प्रेमचंद अग्रवाल, मनीष प्रजापति, सुशील सराफ, प्रेम बिरनानी, गिरीश पटेल को उपाध्यक्ष मनोनित किया है। इसी तरह उपाध्यक्ष पद के मनोनयन की सूची में महेंद्र तलरेजा, सुरेश मंध्यान, जितेंद्र बडवानी, दीपक कृपलानी, सुनील कुकरेजा, राजेश गुरनानी, मनोज पंजवानी, हरिराम तलरेजा, तनेश आहूजा, अक्षय शर्मा, दीपचंद कोटड़िया, अशोक क्षेतिजा, नंदलाल बलवानी, महेंद्र आहूजा, अजय जैसिंघानी, अशोक निहलानी, विनोद धामेजा, राजेश गिदवानी, महेश पृथ्वानी, तेजकुमार बजाज, महेश मिरघानी, राजीव क्षत्री, सुनील मध्यानी, कमलकिशोर अग्रवाल, जवाहर थारानी, सुशील टेकवानी, वसीम खेमानी, श्यामकिशोर रूपरेला, विनय कृपलानी, बलराम मंदानी, अनिल केवलानी, सतीश जैन, कौशल कुमार तारवानी, दीपक कुकरेजा, योगेश होतवानी का नाम शामिल है।

माओवाद का खात्मा करे सरकार, बस्तर का विकास करने बुद्धिजीवियों का आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

बस्तर के लोगों की दशकों पुरानी पीड़ा, माओवादी हिंसा का वास्तविक स्वरूप भयावह है। बस्तर को भी विकास की मूल धारा से जोड़ने के बजाय कुछ 'बुद्धिजीवी' वर्ग द्वारा माओवाद का वैचारिक महिमा मंडन किया जा रहा, जो चिंताजनक है। बस्तर सांस्कृतिक सुरक्षा मंच सहित 15 मंचों से जुड़े प्रबुद्धजनों ने गुरुवार को मोतीबाग प्रेस क्लब में एक पत्रकार वार्ता में इस पर गहरी चिंता जताते हुए सरकार से माओवाद का खात्मा करने का आह्वान किया। बस्तर को लेकर प्रो. एसके पांडे ने बताया कि पिछले चार दशकों से माओवादी हिंसा की चपेट में बस्तर के लोग हैं। इसमें हजारों निर्दोष आदिवासी, सुरक्षाकर्मी, शिक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और ग्राम प्रतिनिधि मारे गए। उन्होंने आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि केवल छत्तीसगढ़ में माओवादी हिंसा से 1000 से अधिक आम लोगों की जान गई, इनमें बहुसंख्यक बस्तर के आदिवासी हैं। अनुराग पांडे ने बताया कि 'शांति वार्ता' की बात तभी स्वीकार्य हो सकती है, जब माओवादी हिंसा से तौबा करें। इसके साथ ही जो संगठन और व्यक्ति माओवादियों के फ्रंटल समूहों के रूप में काम करते हैं, उनकी पहचान करके उनके खिलाफ भी वैधानिक कार्रवाई होनी चाहिए।

प्रचार का हिस्सा बनकर रह जाएगा

सलवा जुडूम को बार-बार निशाने पर लेना माओवादी आतंक को नैतिक छूट देने का प्रयास है, जबकि बस्तर की जनता स्वयं इस हिंसा का शिकार है। बी. गोपा कुमार ने बताया कि जो लोग 'शांति' की बात कर रहे हैं, उन्हें पहले यह तय करना चाहिए कि माओवादी हिंसा पूरी तरह बंद हो। अन्यथा यह केवल रणनीतिक प्रचार का हिस्सा बनकर रह जाएगा। हमें 2010 में ताड़मेटला नरसंहार को भी नहीं भूलना चाहिए। शैलेन्द्र शुक्ला ने बताया कि शांति, विकास और न्याय– ये तीनों केवल तभी संभव हैं, जब माओवाद को निर्णायक रूप से समाप्त किया जाए। सरकार से यह अपेक्षा की गई है कि माओवादी आतंकवाद के विरुद्ध अपनी कार्रवाई को सशक्त बनाए रखे।

महिलाओं के अश्लील वीडियो आज आंबेडकर में प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

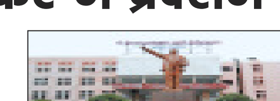

पत्रकारों से दुर्व्यवहार और मारपीट करने वाली संस्था की मनमानियों के खिलाफ अब अन्य स्वास्थ्य संगठन भी खुलकर सामने आने लगे हैं। कॉल मी सर्विस के कर्मचारियों द्वारा किए जा रहे दुर्व्यवहार के विरोध में छग प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ द्वारा आज आंबेडकर अस्पताल में प्रदर्शन किया जाएगा। यह प्रदर्शन सांकेतिक ही रहेगा, ताकि इलाज के लिए आने वाले मरीजों पर इसका प्रभाव ना पड़े। स्वास्थ्य संगठन द्वारा रायपुर पुलिस अधीक्षक को पत्र भी लिखा गया है। इसमें उन्होंने कहा है कि कॉल मी सर्विस के कर्मचारी स्वास्थ्य कर्मी महिलाओं से भी दुर्व्यवहार करते रहे हैं। इसके अलावा अस्पताल में कामकाजी महिलाओं का शोषण करने अश्लील वीडियो बनाने का भी आरोप लगाया गया है।

- कॉल मी सर्विस का ठेका निरस्त करने की मांग

एकतरफा दिया जा रहा ठेका

स्वास्थ्य संगठनों का कहना है कि इन कृत्यों के चलते कॉल मी सर्विस का सुपरवाइजर तीन बार जेल जा चुका है। कॉल मी सर्विस को पिछले 8-10 सालों से एकतरफा ठेका दिया जा रहा है। कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार की शिकायत पूर्व में भी अस्पताल अधीक्षक एवं अन्य स्थानों पर की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। गौरतलब है कि बीते दिनों आंबेडकर अस्पताल में एक पत्रकार के साथ इस संस्था के बाउंसर्स ने मारपीट की थी। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए उनका जुलूस निकाला था। उक्त घटना के बाद अन्य लोग भी खुलकर सामने आ रहे हैं और अपनी आपबीती बता रहे हैं।

लेन-देन के विवाद पर जबरिया एक किलो सोना ले जाने के मामले में लूट का अपराध दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

कोतवाली थाना क्षेत्र में एक वर्ष पूर्व लेन-देन के विवाद पर शिकायतकर्ता कारोबारी को झूठे आरोप में जेल भिजवाने वाले कारोबारियों के खिलाफ कोर्ट के आदेश पर लूट सहित अन्य गंभीर धाराओं में पुलिस ने अपराध दर्ज किया है। जिन लोगों के खिलाफ पुलिस ने अपराध दर्ज किया है, उन कारोबारियों पर आरोप है कि उन्होंने पीड़ित के भाई को डरा धमकाकर दुकान में रखा एक किलो के करीब सोना लूट कर ले गए थे। जेएमएफसी भूपेश कुमार बसंत की कोर्ट में दीपक सदाशिव ढोबले ने परिवाद दायर किया था। ढोबले के परिवाद पर सुनवाई करते हुए कोर्ट के आदेश पर सचिन दुग्गड़, एमआर रोहित जैन एवं एमआर बापी हलदार के खिलाफ पुलिस ने बीएनएस की धारा 3(5), 309(4), 329(3), 351(2), 351(3) तथा 61(2) के तहत अपराध दर्ज किया है। दीपक सदाशिव के खिलाफ आदित्य कुमार सोनी ने किसी अन्य मामले में वर्ष 2024 में शिकायत दर्ज कराई थी। आदित्य की शिकायत पर पुलिस ने दीपक सदाशिव को गबन करने के आरोप में गिरफ्तार कर कोर्ट में जेल भेज दिया था।

माल लेने के बहाने कारोबारी लूट कर ले गए सोना

दीपक सदाशिव 22 दिन बाद जेल से छूटकर वापस आया, तो उसे उसके भाई ने बताया कि कारोबारी सचिन दुग्गड़ तथा अन्य उसकी दुकान में पहुंचे और उसके भाई को डरा धमकाकर दुकान में रखे 977 ग्राम से ज्यादा सोना को अपना बताते हुए ले गए।

बिजनेस साइट

एसएमसी मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल का भव्य शुभारंभ, सीएम साय ने किया उद्घाटन

रायपुर। धरसींवा के तिवरिया क्षेत्र में एसएमसी मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल का शुभारंभ मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के हाथों संपन्न हुआ। यह अस्पताल धरसींवा स्थित सरकारी अस्पताल के पास स्थापित किया गया है, जो ग्रामीण क्षेत्र में अत्याधुनिक चिकित्सा सेवाएं प्रदान करेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इंडस्ट्रीयल क्षेत्र में यह मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल एक वरदान साबित होगा। यहां अक्सर दुर्घटनाओं के मामले सामने आते हैं। ऐसे में ट्रॉमा केयर जैसी सुविधाएं अत्यंत आवश्यक थीं। डॉ. सतीश सूर्यवंशी एवं उनकी टीम को मैं इस सेवा कार्य के लिए शुभकामनाएं देता हूं। 60 बिस्तरों वाले इस मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल में 24x7 ट्रॉमा केयर यूनिट और 14 बिस्तरीय आईसीयू की सुविधा उपलब्ध है। अस्पताल में कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजी, ऑर्थोपेडिक्स, जनरल मेडिसिन, जनरल सर्जरी, हाईरिस्क ऑब्स्टेट्रिक एवं गाइनेकोलॉजी, डायलिसिस, यूरोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, फिजियोथेरेपी एवं डाइटेटिक्स के इलाज के लिए सुविधाएं उपलब्ध हैं। आईवीएफ रिसर्च यूनिट और हाईरिस्क प्रेग्नेंसी की देखभाल के लिए विशेष यूनिट भी कार्यरत है।

पारस ग्रुप ऑफ फाउंडेशन में निशुल्क कंप्यूटर और सिलाई प्रशिक्षण 4 जून से

रायपुर। समाज में शिक्षा और कौशल विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पारस ग्रुप ऑफ फाउंडेशन और रोटरी क्लब ऑफ रायपुर वेस्ट ने एक सराहनीय संयुक्त प्रयास की शुरुआत की है। इस पहल के तहत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के युवाओं और महिलाओं को निशुल्क कंप्यूटर एवं सिलाई प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 4 जून से शुरू किया जाएगा। पारस ग्रुप ऑफ फाउंडेशन की निदेशक कविता कुंभज ने बताया, हमारा प्रयास है कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक शिक्षा और हुनर की पहुंच सुनिश्चित की जाए। रोटरी क्लब के साथ मिलकर यह सपना अब साकार होने जा रहा है। इच्छुक प्रतिभागी भाठागांव स्थित पारस ग्रुप ऑफ फाउंडेशन व रोटरी क्लब ऑफ रायपुर वेस्ट में संपर्क कर सकते हैं।

04

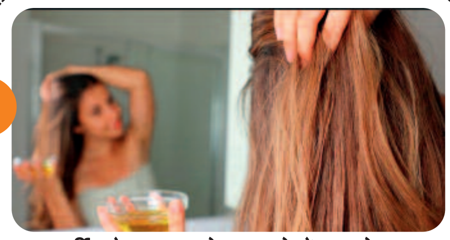

गर्मी और उमस से झड़ रहे हैं आपके ...

एजूकेशन अलर्ट

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू

रायपुर। जिले में संचालित समस्त शासकीय, अशासकीय, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय के संस्था प्रमुख छात्रवृत्ति प्रभारी एवं उनमें अध्ययनरत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थी, जो विभाग द्वारा संचालित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की पात्रता रखते हैं। उनके लिए शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए ऑनलाइन पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति, कक्षा 12वीं से उच्चतर के पंजीयन, स्वीकृति एवं वितरण की कार्यवाही वेबसाइट पोस्ट मैट्रिक-स्कॉलरशिप डॉट सीजी डॉट एनआईसी डॉट इन पर ऑनलाइन प्रक्रिया जारी है। विद्यार्थियों के छात्रवृत्ति के लिए नवीन एवं नवीनीकरण ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। नवीनीकरण एवं नवीन आवेदनों के लिए स्वीकृति एवं डिसबर्स की विभिन्न तिथि शासकीय एवं अशासकीय संस्थानों के लिए निर्धारित की गई है। साथ ही संभावित भुगतान तिथि निर्धारित की गई है। विद्यार्थी पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप के वेबसाइट पर जाकर विभिन्न तिथियों के अनुसार आवेदन सबमिट कर सकते हैं।

वन टाइम रजिस्ट्रेशन प्राप्त करना आवश्यक

सभी विद्यार्थियों को ऑनलाइन आवेदन करने समय ध्यान रखना होगा कि उनका बचत खाता एक्टिव हो एवं आधार सीडेड बैंक खाता नम्बर प्रविष्टि सुनिश्चित की जाए। सभी संस्थाओं को विद्यार्थियों के छात्रवृत्ति पंजीयन स्वीकृति एवं वितरण की आवश्यक कार्यवाही के लिए निर्देशित किए गए हैं। पीएफएमएस के माध्यम से आधार सीडेड बैंक खाते में पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति का भुगतान किया जा रहा है। वर्ष 2025-26 में अनुसूचित जाति, जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को एनएसपी पोर्टल से वन टाइम रजिस्ट्रेशन प्राप्त करना आवश्यक है। इस संबंध में छात्रवृत्ति पोर्टल पर दिए गए निर्देशों का अवलोकन किया जा सकता है। वर्ष 2025-26 में नवीन संस्था प्रमुख एवं संस्था के छात्रवृत्ति प्रभारी का बायोमेट्रिक अथेंटिकेशन किया जाना अनिवार्य है।

जय हिंद.... भारतीय सेना ने हमेशा अपने पराक्रम-शौर्य से देश की आन-बान और शान कायम रखी

ऑपरेशन सिंदूर से दुनिया ने देखा हमारा पराक्रम, माना भारत के सामने पाक और उनका समर्थन करने वाले कुछ भी नहीं

जय हिंद....1971 हो, कारगिल युद्ध हो, भारतीय सेना ने हमेशा अपने पराक्रम-शौर्य से देश की आन-बान और शान कायम रखी है। युद्ध के घड़ी में देश के प्रधानमंत्री चाहे वे पं. लालबहादुर शास्त्री हों, पं. जवाहर लाल नेहरू हों या इंदिरा गांधी, सभी का साहसपूर्ण निर्णय महत्वपूर्ण रहा। जम्मू-कश्मीर की समस्या हमेशा से रही है, पर हाल ही में जो पहलगाम आतंकवादी हमला हुआ और उसके बाद हुई ऑपरेशन सिंदूर सैन्य कार्रवाई से दुनिया ने हमारा सैन्य पराक्रम देखा, माना कि भारत के सामने पाकिस्तान और उनका समर्थन करने वाले कुछ भी नहीं हैं।

मुख्य वक्ता के तौर पर अनुभव किए साझा

मेजर जनरल बसवराज गिलगंची, एवीएसएम सेवानिवृत्त ने सूचना युद्ध, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर और साइबर संचालन को लेकर अपने 37 वर्षों से अधिक का सैन्य अनुभव साझा किया। वहीं एयर कमोडोर राजीव मित्तल, वीएसएम सेवानिवृत्त ने वायु एवं अंतरिक्ष सुरक्षा और त्रि-सेवा संचालन को लेकर जानकारी दी।

इन प्रमुख विषयों पर चर्चा

भारत की समकालीन एवं भविष्य की युद्ध रणनीतियां, नेटवर्क-सेंट्रिक एवं एआई-सक्षम युद्ध की दिशा में सैन्य परिवर्तन, साइबर, सूचना और डिजिटल सीमाओं की रक्षा के लिए राष्ट्रीय तैयारी को लेकर पूर्व सैन्य अधिकारियों व रणनीतिकार विषय विशेषज्ञों ने अपनी-अपनी बात रखी। यंग इंडियंस, रायपुर चैप्टर की लीडरशिप टीम की ओर से गौरव अग्रवाल चेयर, पंकज सोमानी को-चेयर के भूमिका में रहे।

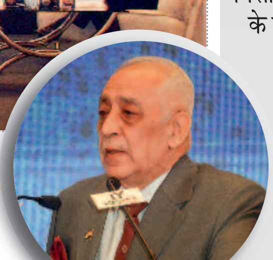

डिफेंस टेक्नोलॉजी का बेहतरीन इस्तेमाल

सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारियों और रणनीतिक विशेषज्ञों में महेश मुलरी ने ऑपरेशन सिंदूर में डिफेंस टेक्नोलॉजी के बेहतरीन इस्तेमाल इसमें ड्रोन, फाइटर एयरक्रॉप्ट, मिसाइल, टेक्नोलॉजी कम्युनिकेशन के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि डिफेंस टेक्नोलॉजी आने वाले समय में और अधिक महत्वपूर्ण रोल अदा करने वाली है। देश की सेना द्वारा आतंकवाद के समर्थक देश पाकिस्तान के खिलाफ किए गए ऑपरेशन सिंदूर को गर्व का विषय बताया। यह आयोजन भारत की उभरती सैन्य आवश्यकताओं, सूचना युद्ध की चुनौतियों, और साइबर-सुरक्षा की रणनीतियों पर केंद्रित रहा।

रायपुर। उक्त बातें लेफ्टिनेंट जनरल अनिल मलिक, एवीएसएम सेवानिवृत्त ने यंग इंडियंस रायपुर चैप्टर के गर्वपूर्वक एक सामयिक और रणनीतिक महत्व के कार्यक्रम डिकोडिंग मिशन सिंदूर के मंच से कहीं। उन्होंने इस मौके पर अपने सैन्य जीवन व उस समय के युद्धकाल के घटनाक्रम को साझा करते हुए वहां उपस्थित नागरिकों में देशभक्ति व भारतीय सेना के प्रति गर्व का भाव संचारित किया। वीआईपी रोड स्थित एक होटल में यह देशभक्ति कार्यक्रम शाम 6 बजे आयोजित हुआ। इसमें भारत के उच्च पदस्थ सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारियों और रणनीतिक विशेषज्ञों की उपस्थिति रही।

विशेष अतिथि वक्ता रहे कर्नल सौरभ

कर्नल सौरभ अग्रवाल, सेना मेडल, सेवानिवृत्त ऑपरेशन स्नो लेपर्ड गलवान के कमांडर, आईटी और साइबर सुरक्षा सलाहकार तथा डिजिटल परिवर्तन के सेना में अग्रणी उपयोग के बारे में जानकारी दी।

सिटी लाइव

ट्राइबल म्यूजियम लोगों का हुजुम, टिकट 20 रुपए तय

रायपुर। नवा रायपुर अटल नगर स्थित जनजातीय संग्रहालय का प्रवेश शुल्क तय कर दिया गया है। अब संग्रहालय में प्रदर्शित आदिवासी जीवन, कला-संस्कृति को देखने के लिए 20 रुपए प्रति व्यक्ति शुल्क चुकाना होगा। गौरतलब है कि 9 करोड़ की लागत से निर्मित भव्य जनजातीय संग्रहालय को करीब 9 करोड़ रुपए की लागत से बनाया गया है। संग्रहालय को हाल ही में 14 मई को लोकार्पित किया गया, उद्घाटन के करीब 13 दिनों तक निशुल्क आमजन व संग्रहालय प्रेमियों को प्रवेश दिया जा रहा था। दो दिन पहले 28 मई से राज्य आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान ने संग्रहालय में प्रवेश शुल्क निर्धारित कर दिया है। जहां अब संग्रहालय में आदिवासी जीवन व उससे जुड़ी प्रदर्शित कलाकृतियों को देखने के लिए निर्धारित प्रवेश शुल्क देकर टिकट खरीदना पड़ेगा। जनजातीय संग्रहालय की प्रभारी डायरेक्टर गायत्री नेताम ने बताया कि जनजातीय संग्रहालय की देखरेख व रखरखाव के मद्देनर न्यूनतम 20 रुपए संग्रहालय प्रवेश शुल्क आमजनों के लिए तय किया गया है। चूंकि जनजातीय संग्रहालय के उद्घाटन के दिन से ही बड़ी संख्या में संग्रहालय प्रेमी व आमजन आदिवासी जीवनशैली व कलाकृतियों को देखने पहुंच रहे हैं।

सुविधा के लिए चार डिजिटल टिकट काउंटर

म्यूजियम के मुख्य प्रवेश द्वारा पर म्यूजियम प्रेमियों को टिकट लेने में किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए 4 डिजिटल टिकट काउंटर खोले गए हैं। टिकट काउंटर से कंप्यूटरीकृत टिकट दिया जा रहा है। जहां लाइन में लगकर आराम से लोग टिकट प्राप्त कर रहे हैं। टिकट लेने वाले व्यक्ति का मोबाइल नंबर, समय, टिकट आईडी क्रमांक, लोगों की संख्या व शुल्क राशि प्रिंट रहती है।

विद्यार्थियों के लिए शुल्क आधा

जनजातीय संग्रहालय प्रभारी ने बताया कि म्यूजियम में स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों व छात्र-छात्राओं के लिए परिचय पत्र दिखाने पर प्रवेश शुल्क आधा यानी 10 रुपए लिया जा रहा है। वहीं संस्था की ओर से संग्रहालय में समूह विजिट करने पर उनके द्वारा लिखित पत्र दिए जाने पर प्रवेश शुल्क मात्र 5 रुपए ही लिया जाएगा, जबकि 12 वर्ष तक के बच्चों के लिए कोई भी प्रवेश शुल्क नहीं होगा।

पार्किंग-फूड कोर्ट कर रहे विकसित

बहुत जल्द संग्रहालय परिसर में लोगों के लिए व्यवस्थित वाहन पार्किंग व पारंपरिक व्यंजनों का फूड कोर्ट भी विकसित किया जाएगा। इसके लिए काम चल रहा है। आने वाले कुछ महीनों में ये सुविधाएं यहां पहुंचने वाले लोगों को मिलने लगेंगी।

रोजाना सैकड़ों की संख्या में पहुंच रहे लोग

संग्रहालय के प्रभारी डायरेक्टर ने बताया कि रोजाना करीब 15 सौ से 2 हजार तक की संख्या में लोग संग्रहालय देखने पहुंच रहे हैं। शुल्क निर्धारित होने के पिछले दो दिनों में लगभग 3 हजार से अधिक संख्या में संग्रहालय प्रेमियों ने टिकट काउंटर से टिकट खरीदे हैं। छुट्टियों के दिन प्रवेश संख्या में और बढ़ोतरी होने की उम्मीद है।

सीसीपीएल में रोज 500 दर्शकों को मिलेगा वीआईपी टिकट, सामान्य एंट्री रहेगी फ्री

रायपुर। छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग का दूसरा सीजन 6 जून से शहीद वीरनारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम नवा रायपुर में शुरू होने जा रहा है। इस बार का आयोजन क्रिकेट प्रेमियों के लिए और भी खास होने वाला है। दर्शकों के लिए सामान्य स्टैंड में प्रवेश पूरी तरह निशुल्क रहेगा। साथ ही क्रिकेट संघ ने एक नई पहल करते हुए हर मैच के लिए प्रतिदिन 500 वीआईपी टिकट भी निशुल्क देने का फैसला किया है। वीआईपी टिकट धारकों को बेहतर सीटिंग, भोजन और विशेष सुविधाओं के साथ मैच देखने का मौका मिलेगा। वहीं मैच में कैच पकड़ने वाले दर्शकों को पिछले साल की तरह आकर्षक इनाम भी दिए जाएंगे।

इन्हें मिलेगा वीआईपी टिकट

छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य दर्शकों को बेहतर अनुभव देना और उनके खेल प्रेम को सम्मानित करना है। वीआईपी टिकट पाने के लिए दर्शकों को 'ccplchhattisgarh' मोबाइल एप पर जाकर अपने मोबाइल नंबर से लॉगिन करना होगा। वहां से वे इच्छित तिथि का टिकट बुक कर सकते हैं। प्रतिदिन पहले 500 दर्शकों को यह टिकट निशुल्क मिलेगा। एक व्यक्ति अधिकतम दो टिकट ही प्राप्त कर सकेगा। टिकट बुकिंग के बाद प्राप्त क्यूआर कोड के माध्यम से दर्शकों को स्टेडियम में प्रवेश मिलेगा।

पर्यावरण दिवस, प्लास्टिक प्रदूषण पर पोस्टर प्रतियोगिता

रायपुर। विश्व पर्यावरण दिवस पर छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल द्वारा 5 जून को नवीन विश्राम गृह के न्यू कन्वेंशन हॉल में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष प्रतियोगिता का विषय "प्लास्टिक प्रदूषण-दुष्प्रभाव एवं समाधान" निर्धारित किया गया है। यह प्रतियोगिता न केवल युवाओं में रचनात्मकता को प्रोत्साहित करेगी, बल्कि प्लास्टिक प्रदूषण जैसे गंभीर पर्यावरणीय मुद्दे पर जागरूकता फैलाने में भी अहम भूमिका निभाएगी। प्रतियोगिता सुबह 10 बजे प्रारंभ होगी तथा इसकी समयसीमा 1 घंटे 30 मिनट निर्धारित की गई है। पोस्टर प्रतियोगिता को चार आयुवर्ग में विभाजित किया गया है, जिसमें प्रथम वर्ग 12 वर्ष तक, द्वितीय वर्ग 13 से 17 वर्ष, तृतीय वर्ग 18 से 21 वर्ष और चतुर्थ वर्ग दिव्यांगजनों का है। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को आकर्षक नकद पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। प्रत्येक वर्ग में प्रथम पुरस्कार 5000 रुपए, द्वितीय 3000 रुपए, तृतीय 2000 रुपए तथा दो सांत्वना पुरस्कार 500-500 रुपए रखे गए हैं। प्रतिभागियों को रजिस्ट्रेशन के लिए सुबह 9.30 बजे स्थल पर उपस्थित होना होगा। रजिस्ट्रेशन स्थल न्यू कन्वेंशन हॉल, नवीन विश्राम गृह सिविल लाइंस में होगा। प्रतिभागियों को आधारकार्ड की छायाप्रति साथ लानी होगी। मंडल द्वारा ड्राइंग शीट उपलब्ध कराई जाएगी, जबकि अन्य सामग्री जैसे कार्ड बोर्ड, रंग आदि प्रतिभागियों को स्वयं लाने होंगे। प्रतियोगिता के विजेताओं को उसी दिन आयोजित मुख्य कार्यक्रम एवं संगोष्ठी में पुरस्कार वितरित किए जाएंगे।

मेडिकल, ट्रिपलआईटी और आईआईटी की सीटें बढ़ने के बाद स्टूडेंट्स की पहली पसंद बन रहा छत्तीसगढ़

कॉलेज की पढ़ाई के लिए दूसरे राज्यों पर निर्भरता हुई कम अब 70 फीसदी स्टूडेंट्स रायपुर में करना चाहते हैं अध्ययन

कार्नर न्यूज

रायपुर। बीते कुछ वर्षों में दूसरे राज्यों में कॉलेज की पढ़ाई करने वाले स्टूडेंट्स का रुझान कम हुआ है। मेडिकल से लेकर ट्रिपलआईटी और आईआईटी की सीटें बढ़ने के बाद स्टूडेंट्स की पहली पसंद छत्तीसगढ़ में रहकर पढ़ाई करना है। हरिभूमि ने कॅरियर काउंसलर्स और कोचिंग संस्थाओं के सर्वे का अध्ययन किया, जिसमें 65 से 70 फीसदी से अधिक स्टूडेंट्स ने रायपुर को फ्रेंडली शहर बताया, वहीं 30 प्रतिशत की पसंद बिलासपुर है। 15 से 20 फीसदी स्टूडेंट्स भिलाई में रहकर पढ़ाई करना चाहते हैं। प्रदेश में रायपुर, बिलासपुर और भिलाई बीते पांच सालों में तेजी से एजूकेशन हब के रूप में विकसित हुआ है। कॅरियर काउंसलर डॉ. एसके शुक्ला ने बताया कि बीते दो साल में 21 से अधिक कार्यशाला में लगभग 50 हजार से अधिक स्टूडेंट्स को पढ़ाई को लेकर गाइडेंस दिया है। इनमें 41 हजार से अधिक छात्रों ने छत्तीसगढ़ में रहकर पढ़ाई करने की बात कही है। कॅरियर गाइडेंस में शिक्षा के विभिन्न कोर्स और प्रदेश में इसकी सुविधा के बारे में बताने पर स्टूडेंट्स ने सीए, मेडिकल, कृषि में इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए रायपुर और बिलासपुर को ही अपनी पसंद बताया है।

प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने दिल्ली जा रहे

30 प्रतिशत स्टूडेंट्स ही कॉलेज की पढ़ाई करने दिल्ली और कोटा व मुंबई जैसे राज्यों में जाना चाहते हैं। 2018 में शीर्ष अंक हासिल करने वाले अधिकतर स्टूडेंट्स अच्छी शिक्षा के लिए दूसरी राज्यों की ओर रूख करते थे, लेकिन प्रदेश में नए शैक्षणिक संस्था व कोर्स आने के बाद से लोगों की पसंद बदली है। स्टूडेंट्स केवल प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने दिल्ली जाना चाहते हैं। जेईई और नीट को लेकर अब रायपुर में ही पढ़ाई करना चाहते हैं।

बिलासपुर की तुलना में रायपुर में कम खर्च

दूसरे राज्यों में कॉलेज पढ़ाई के साथ रहने का खर्च अधिक है। इस वजह से भी अब स्टूडेंट्स रायपुर में रहकर अपनी पढ़ाई करना चाहते हैं। जेईई और नीट की तैयारी के लिए बिलासपुर की तुलना में रायपुर सस्ता है। रायपुर में कोटा, आमानाका, डगनिया, डीडीनगर, टिकरापारा, पुरानी बस्ती समेत शंकर नगर में सर्वाधिक कोचिंग संस्थान हैं। इसके बाद भी इन क्षेत्रों में एक स्टूडेंट्स का रहने खर्च 5 से 10 हजार है, वहीं बिलासपुर में 8 से 12 हजार तक है। गेट कोचिंग संस्थानों के सर्वे मुताबिक 60 फीसदी स्टूडेंट्स निवास के लिए 5 से 10 हजार रुपए प्रति महीने खर्च करते हैं। 77.7 प्रतिशत स्टूडेंट्स रूम लेकर और 9.9 प्रतिशत कॉलेज हॉस्टल में रहना पसंद करते हैं। पीजी में 8.8 प्रतिशत ही रहना पसंद करते हैं। बाकी 3.6 रिश्तेदारों संग रहते हैं।

सिटी लाइव

मां परमेश्वरी पूजा के साथ 1 जून को देवांगन महाकुंभ का शुभारंभ

रायपुर। शहर के पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आगामी 1 जून को देवांगन महाकुंभ का आयोजन किया जा रहा है। इसके लिए प्रदेश देवांगन कल्याण समाज 2338 छत्तीसगढ़ के तहत सभी जिला और प्रकोष्ठ द्वारा पूर्व की भांति 8 वर्षों के उपरांत प्रादेशिक सामाजिक सम्मेलन रविवार को किया जाएगा। देवांगन महाकुंभ में समाज को संगठित करने के लिए किस तरह से प्रयास किया जा सकता है। इसके लिए किस तरह काम करना चाहिए। इन मुद्दों को लेकर मंथन किया जाएगा। समाज के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप देवांगन, महासचिव मुकेश देवांगन और प्रदेश युवा अध्यक्ष मनोहर देवांगन ने यह जानकारी गुरुवार को पत्रकारवार्ता में दी। बताया कि इस दिन देवांगनजन एक साथ कुलदेवी मां परमेश्वरी की पूजा-अर्चना करते हुए समाज की परंपरा के अनुरूप सामाजिक नियमावली के तहत समाज का परिसंचालन करेंगे। समाज को असामाजिक तत्वों से बचाने के लिए जागरूक करने के उद्देश्य से महाकुंभ आयोजित किया जा रहा है।

समाज ने किया दायित्वों का विभाजन

इसमें प्रदेश महिला अध्यक्ष किरण देवांगन ने बताया कि इस महाकुंभ में हर क्षेत्र से आने वाले समाज के 10 हजार से ज्यादा लोग शामिल होंगे। धर्म प्रचार के प्रदेश अध्यक्ष भीखम देवांगन ने बताया कि महाकुंभ को सफल बनाने के लिए दायित्वों का विभाजन किया गया है। इसमें समाज के पंच, सरपंच, पार्षद, जनपद, जिला पंचायत सदस्य, नगर पंचायत अध्यक्ष, पालिका अध्यक्ष, महापौर, निगम मंडल के अध्यक्षों को सम्मानित किया जाएगा। 75 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठजनों का सम्मान किया जाएगा। 10वीं, 12वीं मेरिट लिस्ट में 90% या अधिक अंक प्राप्त करते हुए माता-पिता व समाज का नाम रोशन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा।

सिटी इवेंट

अग्रवाल युवक-युवती परिचय सम्मेलन विदेशों से आए युवा भी हुए शामिल

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन द्वारा प्रदेश स्तरीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विदेशों से भी युवा परिचय देने के लिए पहुंचे। संगठन के निवृत्त मान अध्यक्ष नेतराम अग्रवाल एवं उपाध्यक्ष मनोज अग्रवाल ने बताया कि छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन का दो दिवसीय ऑनलाइन युवक युवती परिचय सम्मेलन रायपुर के एंट्री प्वाइंट होटल में संपन्न हुआ। कार्यकारी अध्यक्ष सियाराम अग्रवाल, धर्म जागरण प्रमुख राजेंद्र कुमार, प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अशोक अग्रवाल ने महाराज अग्रसेन की प्रतिमा की समक्ष दीप प्रज्वलन एवं आरती कर कार्यक्रम की शुरुआत की।

2000 युवक- युवतियों ने कराया रजिस्ट्रेशन

कार्यक्रम संयोजिका शोभा केडिया, संजय गर्ग एवं पंकज कृतिका ने बताया कि लगभग 2000 युवक एवं युवतियों ने रजिस्ट्रेशन कराया, जिसमें छत्तीसगढ़ सहित देश के अलग-अलग हिस्सों और विदेशों से युवक एवं युवती शामिल हुए। संरक्षक महेंद्र सक्सेरिया एवं जयदेव सिंघल ने बताया कि इस तरह के आयोजन से युवक एवं युवतियों को अपना मनपसंद जीवनसाथी चुनने का सुनहरा अवसर मिलता है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अशोक मोदी, सुनील रामदास अग्रवाल, सुरेश मंगल, जगदीश अग्रवाल, गंगा अग्रवाल, हेमलता मित्तल, आशा पिलानिया, गोपाल सुल्तानिया, अजय खेतान सहित अन्य मौजूद थे।

● देश के कई राज्यों में नाचा-गम्मत से छत्तीसगढ़ी संस्कृति को आगे बढ़ा रहे गांव के कलाकार

विधा ने स्वरूप बदला, पर ग्रामीण परिवेश में अब भी युवाओं के जेहन में रचा-बसा है नाचा-गम्मत

“ तीज-त्योहार, मेला और उत्सव की श्रृंखला सजाने में अब भी ग्रामीण परिवेश में नाचा-गम्मत एक सशक्त साधन बना हुआ है। इस विधा ने अदायगी का स्वरूप जरूर बदला है, मगर इसका चलन अब परंपरा का हिस्सा बनाने में युवा कलाकार अहम भूमिका निभा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं में यह विधा अब भी रची-बसी हुई है। एक दौर था, जब इस विधा के संरक्षण और संवर्धन का दायित्व गांव के दाऊ और मालगुजार निभाते थे, अब आयोजकों से काम मिलता है। ग्रामीण क्षेत्र में इस विधा का अब भी क्रेज है।

रायपुर। शहर और ग्रामीण क्षेत्र में अब भी किसी अवसर को खास बनाने का दायित्व नाचा-गम्मत के कलाकार ही निभाते हैं। इस विधा से जुड़े प्रदेश में एक से बढ़कर एक कलाकार निकले और देशभर में छा गए।

नाचा-गम्मत से जुड़े वरिष्ठ कलाकार निसार अली और परमा साहू ने बताया कि इसके संवर्धन का दायित्व पहले गांव के दाऊ और मालगुजार निभाया करते थे। इसमें एक बड़ा नाम है दाऊ मंदराजी का, जिन्होंने अपनी जमीन भी इस विधा को आगे बढ़ाने में लगा दी। उन्होंने नाचा में खड़े साज की विधा को बैठने की विधा से जोड़ा। दशकों पहले नाचा-गम्मत के दौरान जो वाद्ययंत्र इस्तेमाल होते थे, उसे खड़े होकर बजाते थे। अब इसमें बैठकर साज दिया जाता है। इसे भी ग्रामीण अंचल में काफी पसंद किया जाता है।

सुविधाओं की कमी के बीच भी गम्मत

कलाकार देवनारायण साहू ने बताया कि नाचा-गम्मत से जुड़े कलाकारों के पास कोई खास सुविधा नहीं होती है। अभाव, संसाधानों की कमी और अनेक चुनौतियों के बीच राजधानी में प्रतिवर्ष मुक्तिबोध स्मृति, शंकर शेष स्मृति, हबीब की यादें नाम से नाट्य समारोह का सिलसिला जारी है। प्रदेश में अब भी हबीब तनवीर, मिर्जा मसूद जैसे बड़े कलाकारों द्वारा तैयार की गई पांच हजार से अधिक कलाकारों की पौध परंपराओं को आगे बढ़ाने का दायित्व निभा रही है। इससे दूसरे राज्यों में रहने वाले लोग भी छत्तीसगढ़ की इस विधा से जुड़ रहे हैं। हर साल इसके लिए विशेष आयोजन और प्रतियोगिताएं भी होती हैं।

संसाधन का अभाव नहीं, आयोजन हुए कम

कलाकारों ने बताया कि मुक्ताकाशी मंच, पं. दीनदयाल ऑडिटोरियम, रंग मंदिर, महाराष्ट्र मंडल, शहीद स्मारक भवन जैसे कई मंच हैं, जहां बड़े से बड़ा मंचन किया जा सकता है। अब समय के साथ शहरी परिवेश में इनकी प्रस्तुति का सिलसिला कम होने लगा है। जबकि दूसरे राज्यों में यहां के कलाकारों की पूछपरख अभी भी कायम है। कलाकार देवेंद्र पांडेय व पीसी रथ बताते हैं कि युवा पीढ़ी इन विधाओं में रुचि ले रही है, लेकिन इसे कॅरियर के रूप में लेने का साहस नहीं दिखा रही। क्योंकि इससे शौक पूरा होता है, लेकिन घर चलाना संभव नहीं है। इसलिए कलाकार नौकरी करने के साथ-साथ इस विधा को आगे बढ़ा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में नाचा की विधा भी खास

नाचा-गम्मत को गुजरात, पंजाब, मध्यप्रदेश, झारखंड, बिहार, उत्तरप्रदेश, दिल्ली और मुंबई तक ले जाने वाले निसार अली और शेखर नाग बताया कि छत्तीसगढ़ में नाचा-गम्मत शैली की परंपरा बेहद प्राचीन है। गांवों में अब भी नाचा-गम्मत की परंपरा कायम है। यहां की खास शैली की वजह से नाचा-गम्मत रंगकर्म का रूप ले चुके हैं। दशकों पहले जब गांवों में बिजली नहीं होती थी, तब इसे मशाल की रोशनी में पेश किया जाता था। दाऊ मंदराजी ने पहली बार गैस, माइक और हारमोनियम का इस्तेमाल नाचा-गम्मत में किया। अभी भी कलाकारों को न मंच की जरूरत होती, न विशेष साज-सज्जा, न वेशभूषा, न प्रकाश, न पर्दे की जरूरत होती है। कलाकार अपने खास तरह के पहनावे से ही विशिष्ट लगते हैं।

शास्त्रीय-फोक डांस से प्रतिभागियों ने बांधा समां, फ्यूजन ने सॉलिटेयर में बढ़ाई रौनक

मैक ऑडिटोरियम में रहा उत्साह का माहौल, प्रतिभाओं ने हर विधा में दिखाया हुनर का दम

रायपुर। समता कॉलोनी स्थित महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल कॉलेज में 'मैक सॉलिटेयर'की श्रृंखला में रंगारंग डांस, कुकिंग, फ्लायर मेकिंग, क्ले आर्ट, मेकअप जैसी कई विधाओं में प्रतियोगिताओं का दौर चला। कॉलेज परिसर से ऑडिटोरियम तक उत्साह, उमंग और रचनात्मकता की छटा भी देखने को मिली। इसके लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम कॉलेज के चेयरमैन रमेश अग्रवाल, पूर्व चेयरमैन राजेश अग्रवाल एवं प्राचार्य डॉ. एमएस मिश्रा के मार्गदर्शन में किया गया, जो गुरुवार को आकर्षण का केंद्र रहा। इस डांस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने उत्साह से भाग लिया। इसके तहत समूह एवं एकल विधा में भव्य आयोजन किया गया। शास्त्रीय, फोक, बॉलीवुड, हिपहॉप, फ्यूजन प्रस्तुत किया।

महिला प्रतिभागियों को प्रबंधन ने दिया मंच

इसके साथ ही फ्लॉयर प्रतियोगिता के तहत फ्लॉयर को बहुत खूबसूरत कंटेंट और डिजाइन में पेश किया गया। मेकअप प्रतियोगिता में वाटरप्रूफ मेकअप, पार्टी, सिंपल मेकअप किया गया। क्ले आर्ट में पारंपरिक और आधुनिक शिल्प के अद्भुत नमूने पेश किए गए। कॉलेज प्रबंधन ने महिलाओं में छिपी प्रतिभा को मंच प्रदान किया। प्रतियोगिताओं में महिलाओं की भारी भागीदारी ने यह साबित किया कि मैक कॉलेज न केवल अकादमिक क्षेत्र में, बल्कि सांस्कृतिक और रचनात्मक गतिविधियों में भी अग्रणी है। इसे प्रतिभाओं ने प्रस्तुति व सहभागिता से सफल बनाया।

युवाओं ने पाक कला का किया प्रदर्शन

प्रतिभागियों के नृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। ताल और लय के साथ मंच पर छात्रों का आत्मविश्वास भी देखते बनता था। निर्णायकों ने भाव-भंगिमा, प्रस्तुति, तालमेल और रचनात्मकता के आधार पर उनका मूल्यांकन किया। वहीं कुकिंग प्रतियोगिता में छात्रों ने पारंपरिक व्यंजन, नई रेसिपी व आधुनिक डिशेज से अपनी पाक कला का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में स्वाद, प्रस्तुति, पौष्टिकता व समय प्रबंधन जैसे मानकों पर जजों ने प्रतिभागियों को परखा। कई व्यंजनों की खुशबू और सजावट ने न केवल जजों, बल्कि दर्शकों को भी आकर्षित किया।

छात्रों ने सीखा लेमन राइस और पानकम बनाने की विधि

रायपुर। ग्रीष्मकालीन भारतीय भाषा प्रशिक्षण शिविर के चौथे दिन केंद्रीय विद्यालय के बच्चों को तेलुगू भाषा का प्रशिक्षण दिया गया। जिसके अंतर्गत गुरुवार को तेलुगु में सब्जियों, फल, मसाले और गिनती सिखाया गया। इस दौरान बच्चों को दक्षिण भारतीय मंदिरों में प्रसादम के रूप में वितरित की जाने वाली लेमन राइस बनाने की विधि भी सीखाई गई। जिसमें बच्चों ने उत्साह दिखाई दिया। कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए प्राचार्य उमाशंकर मिश्रा ने कहा कि यह द्रविड़ भाषा परिवार का हिस्सा है और भारत के आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्यों की आधिकारिक भाषा है। तेलुगु भारतीय भाषाओं में से तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। भाषा के साथ भाषाई क्षेत्र की संस्कृति और परंपरा की जानकारी भी इस शिविर में दी जा रही है।

दक्षिण भारतीय मंदिरों के प्रसाद का चखा स्वाद : शिविर के चौथे दिन तेलुगु भाषा के अंतर्गत सब्जियों, फलों एवं खड़े मसाले के नाम की जानकारी प्राथमिक शिक्षिका एस वी एस गायत्री द्वारा दी गई। उन्होंने बच्चों को एक पारंपरिक दक्षिण भारतीय पेय 'पानकम' बनाने की विधि सिखाई जो विशेष रूप से दक्षिण के धार्मिक स्थलों एवं धार्मिक उत्सवों के दौरान तैयार किया जाता है। पानकम एक सुगंधित आयुर्वेदिक पेय है जिसमें गुड, इलायची,लौंग और तुलसी के पत्तों को पानी में मिलाया जाता है।

संस्कृत प्रशिक्षण शिविर का आज होगा समापन

रायपुर। सरोना स्थित कृष्णा पब्लिक स्कूल में आयोजित 10 दिवसीय संस्कृत प्रशिक्षण शिविर का समापन 30 मई को किया जाएगा। समापन कार्यक्रम शाम 4 बजे प्रारंभ होगा। साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर एक शिविर बेंगलुरु मे भी चल रहा है, जिसका समापन भी आज है, जहां शामिल होने छत्तीसगढ़ से संस्कृत भारती के प्रांत मंत्री डॉ. दादूभाई त्रिपाठी गए हैं, जो 1 जून को वापस रायपुर आएंगे। संस्कृत भारती छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष डॉ. सतेन्द्र सिंह सेंगर, वरिष्ठ कार्यकर्ता हेमंत साहू तथा पं. चंद्रभूषण शुक्ला ने बताया कि इस शिविर के समापन कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महापौर मीनल चौबे होंगी। विशिष्ट अतिथि केपीएस स्कूल सरोना के संचालक राकेश मिश्रा होंगे, कार्यक्रम अध्यक्ष मध्य क्षेत्र के संचालक डॉ. पूर्णेंदू सक्सेना तथा मुख्य वक्ता मध्यक्षेत्र के संयोजक भरत बैरागी होंगे। संस्कृत शिविर के आयोजन में मध्यप्रदेश से आए भरत बैरागी, प्रशिक्षण प्रमुख पारस साहू, बौद्धिक प्रमुख देवास से आए कृष्णकांत शर्मा तथा केपीएस सरोना स्कूल के संचालक राकेश मिश्रा सहित संस्कृत भारती के सभी कार्यकर्ताओं एवं समाज के सहयोगियों का विशेष योगदान रहा है।

राष्ट्रीय आम महोत्सव : 200 से अधिक किस्मों और 56 व्यंजनों का होगा प्रदर्शन

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, संचालनालय उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी, छत्तीसगढ़ शासन तथा प्रकृति की ओर सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में 6, 7 एवं 8 जून को कृषि महाविद्यालय परिसर रायपुर में 'फलों के राजा' आम के राष्ट्रीय महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

राष्ट्रीय आम महोत्सव में आम की 200 से अधिक किस्मों एवं आम से बने 56 व्यंजनों का प्रदर्शन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में आम की विभिन्न किस्मों की प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है, जिसमें छत्तीसगढ़ एवं देश के विभिन्न राज्यों के आम उत्पादक शामिल होंगे। महोत्सव के दौरान आम से बने विभिन्न व्यंजनों की प्रतियोगिताएं भी आयोजित हैं। आम की सजावट प्रतियोगिता भी होगी, जिसमें

विद्यालयीन एवं महाविद्यालयीन विद्यार्थी, महिलाएं तथा अन्य सामान्यजन भी पंजीयन कर भाग ले सकते हैं। इस महोत्सव में पंजीयन एवं प्रवेश पूर्णतः निशुल्क है। राष्ट्रीय आम महोत्सव में संस्थागत एवं व्यक्तिगत प्रतियोगी भी सहभागी हो सकते हैं।

सुनाई जाएगी उद्यामियों के सफलता की कहानी

आयोजन के प्रथम दिवस 6 जून को प्रातः 9 बजे से 12 बजे तक प्रविष्टियों का पंजीयन किया जाएगा। इसके पश्चात सामान्यजनों के लिए प्रदर्शनी अवलोकनार्थ तीनों दिन सायः 9 बजे तक खुली रहेगी। प्रदर्शनी में आम की विभिन्न किस्में, विभिन्न उत्पाद एवं आम के पौधे भी विक्रय के लिए उपलब्ध रहेंगे। द्वितीय दिवस 7 जून को आम उगाने वाले कृषकों एवं जिज्ञासुओं के लिए 12 बजे से 4 बजे तक तकनीकी मार्गदर्शन एवं परिचर्चा का आयोजन किया गया है, जिसमें छत्तीसगढ़ में उच्च गुणवत्ता के आम की विभिन्न किस्मों का उत्पादन, आम के विभिन्न उत्पाद एवं उनके विपणन के साथ ही आम उत्पादन के लिए छत्तीसगढ़ शासन की योजनाओं की भी जानकारी प्रदान की जाएगी, जिससे नई पीढ़ी के लोग आम उत्पादन की ओर आकृष्ट हो सकें। आम उत्पादन को पर्यावरण के संरक्षण के साथ एक स्वास्थ्यवर्धक व्यवसाय के रूप में अपनाने की जानकारी आम लोगों को प्रदान की जा जाएगी। तृतीय दिवस 8 जून को आम उत्पादक कृषकों एवं उद्यामियों की सफलता की कहानी उन्हीं की जुबानी 12 से 4 बजे तक आयोजित होगी।

सिटी स्पोर्ट्स

रेलवे की खिलाड़ी पूनम ने एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जीता रजत पदक

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की होनहार एथलीट और बिलासपुर रेल मंडल में टिकट कलेक्टर सह वाणिज्य लिपिक (कमर्शियल क्लर्क) के पद पर कार्यरत पूनम ने 26 वीं एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की 1500 मीटर दौड़ में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। यह प्रतियोगिता गुमी, दक्षिण कोरिया में आयोजित की गई थी। पूनम ने 28 मई को हुए फाइनल मुकाबले में 4:10.83 मिनट का समय लेकर रजत पदक जीता और देश के साथ-साथ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का नाम भी रोशन किया। इस उपलब्धि पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने पूनम को हार्दिक बधाई दी तथा आगे भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रेलवे और देश का गौरव बढ़ाने के लिए शुभकामनाएँ दीं। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में खेल और खिलाड़ियों को विशेष महत्व दिया जाता है तथा उनकी सुविधाओं का पूर्ण ध्यान रखा जाता है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के खेल विभाग में कार्यरत एथलेटिक्स कोच श्रीकांत पाढ़ी ने भी पूनम के प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त की और इसे उनके परिश्रम और समर्पण का फल बताया।यहां यह उल्लेखनीय है कि इस स्पर्धा में चीन की ली चुनहुई ने 4:10.58 के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि जापान की टोमोका किमुरा ने कांस्य पदक प्राप्त किया।

सीनियर स्टेट किकबॉक्सिंग में राजधानी के 9 खिलाड़ियों ने हासिल किए पदक

रायपुर। 12वीं सीनियर स्टेट किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप एवं नेशनल सेलेक्शन ट्रायल कोरबा में 26 एवं 27 मई को आयोजित हुआ। जिसमें 9 खिलाड़ियों ने भाग लिया और सभी ने पदक जीते। स्वर्ण पदक विजेता– सत्यम साहू (के1 -71 किग्रा)– मदन सिंह नेताम (एलके +91 किग्रा)– रचित शर्मा (एलके -71 किग्रा)– गुलशन सोनी (केएल -81 किग्रा)– हरिओम (केएल -74 किग्रा),रजत पदक विजेता– राजकुमार (के1 -51 किग्रा)– सुमन देवांगन (केएल -55 किग्रा)– प्रथमेश (के1 -57 किग्रा)– धैर्य पटेल (के1 -67 किग्रा) शामिल हैं। सभी खिलाड़ियों ने कोच सत्यम साहू के मार्गदर्शन में यह उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

राष्ट्रीय सॉफ्टबॉल प्रतियोगिता के लिए खिलाडियों का चयन

रायपुर। सॉफ्टबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वाधान में जूनियर राष्ट्रीय सॉफ्टबॉल बालक/बालिका वर्ग की प्रतियोगिता का आयोजन चंडीगढ़ में 29 मई से 02 जून तक आयोजित किया जा रहा है। जिसमे छत्तीसगढ़ के दोनों वर्गों की टीम भी सम्मिलित हो रही है।

इस प्रतियोगिता हेतु कवर्धा की प्रयास स्पोर्ट्स अकेडमी से बालक वर्ग में कृष सिन्हा, पंकज मेरावी एवं बालिका वर्ग में चांदनी साहू सहित कुल तीन खिलाडियों का चयन हुआ है। जो 27 मई को रवाना हुए। छत्तीसगढ़ सॉफ्टबॉल संघ के महासचिव ओपी शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश से 40 खिलाड़ियों का चयन किया गया था। जिसमें से अंतिम 36 बालक/बालिका राष्ट्रीय प्रतियोगिता हेतु चयनित किये गए है। जो अब चंडीगढ़ में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। प्रयास स्पोर्ट्स अकेडमी के तीन खिलाड़ियों के चयन होने पर नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, कबीरधाम कलेक्टर गोपाल वर्मा, जिला पंचायत मुख्यकार्यपालन अधिकारी अजय त्रिपाठी, जिला वनमण्डल अधिकारी निखिल अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक धमेंद्र सिंह, अकेडमी के संस्थापक राजा पीयूष टाटीया, अशोका पब्लिक स्कूल कवर्धा के चेयरमैन पवन देवांगन जिला खेल अधिकारी दिनेश साहू अतुल देशलहरा और श्याम चकोर आदि ने बधाई दी है।

अंडर-16 टीम में चयनित हुए भव्य

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ द्वारा जारी अंडर 16 प्लेट कंबाइंड टीम में कवर्धा के भव्य जैन चयनित हुए है। भव्य दाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज़ एवं माध्यम तेज़ गति के गेंदबाज है। गौरतलब है कि पूर्व में प्लेट टीम के मुकाबलों में उनका प्रदर्शन काफी उम्दा रहा था । इससे पहले उनका चयन अंडर 14 प्लेट कंबाइंड में छत्तीसगढ़ की टीम में हो चुका है। भव्य अपने चयन का श्रेय अपने माता पिता को देते है।

हृदयरोगों को लेकर सावधानी बरतना बेहतर उपाय

परखते रहिए अपने दिल की सेहत, हार्ट अटैक से बचे रहने जरूरत पड़ने पर टेस्ट भी कराएं

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, चूंकि हृदय रोगों का खतरा किसी को भी हो सकता है, इसलिए पहले से ही सावधानी बरतना जरूरी है। आप एहतियातन कुछ टेस्ट करा सकते हैं जो ये जानने में मदद करते हैं कि कहीं आपके हार्ट में कोई समस्या तो नहीं है। दुनियाभर में जिस तरह से हृदय रोगों के मामले बढ़ते हुए देखे जा रहे हैं ये निश्चित ही चिंता बढ़ाने वाली स्थिति है। कुछ दशकों पहले तक हृदय रोगों को उम्र बढ़ने के साथ होने वाली समस्या के रूप में जाना जाता था हालांकि अब 20 से कम आयु वाले भी इसका शिकार हो रहे हैं। विशेषतौर पर कोरोना महामारी के बाद से हृदय रोग-हार्ट अटैक के मामलों में और भी बढ़ोतरी देखी जा रही है। जिम करते हुए, खेलते-खेलते या पार्टी में डांस करते हुए लोगों की हार्ट अटैक से मौत की खबरें हाल के दिनों में काफी सामने आई हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, हार्ट अटैक एक जानलेवा स्थिति है। लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के शिकार लोगों में इसके मामले सबसे ज्यादा देखे जाते रहे हैं। कई अध्ययन इस बात को लेकर भी अलर्ट करते रहे हैं कि जिन लोगों को कोरोना का संक्रमण हो चुका है उनमें हृदय रोगों का जोखिम अधिक रहता है। ऐसे लोगों को विशेष सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता होती है। कहीं आपको भी तो इसका खतरा नहीं है, इसका कैसे पता लगाया जा सकता है?

हृदय संबंधी बीमारियां और हार्ट अटैक

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, हृदय संबंधी बीमारियां आज वैश्विक स्तर पर मृत्यु का प्रमुख कारण हैं। पिछले कुछ वर्षों में हार्ट अटैक (हृदयाघात) के मामलों में तेजी से वृद्धि देखी गई है, खासकर युवाओं में। गड़बड़ जीवनशैली, तनाव, अनियमित खानपान और व्यायाम की कमी ने इसे आम बना दिया है। हार्ट अटैक तब होता है जब हृदय को रक्त और ऑक्सीजन पहुंचाने वाली धमनियां (कोरोनरी आर्टरीज) अवरुद्ध हो जाती हैं। इससे हृदय की मांसपेशियों को ऑक्सीजन नहीं मिल पाता और हृदय काम करना बंद कर देता है।

हृदय रोगों का खतरा

एक अध्ययन में पाया गया कि भारत में 25 से 45 वर्ष के बीच के पुरुषों और महिलाओं में हृदयाघात के मामले पिछले दशक में दोगुने हो गए हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, चूंकि हृदय रोगों का खतरा किसी को भी हो सकता है, इसलिए पहले से ही सावधानी बरतना जरूरी है। आप एहतियातन कुछ टेस्ट करा सकते हैं जो ये जानने में मदद करते हैं कि कहीं आपके हार्ट में कोई समस्या तो नहीं है।

हृदय के लिए कौन-कौन से टेस्ट कराएं?

अमर उजाला से बातचीत में दिल्ली स्थित एक निजी अस्पताल में वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ रवि प्रकाश बताते हैं, ब्लड प्रेशर सबसे आसान और जरूरी टेस्ट है जिसकी मदद से रक्त संचार की गति जानी जा सकती है। इसके अलावा आप कुछ और टेस्ट करा सकते हैं जिससे हृदय की सेहत का अंदाजा लगाया जा सकता है।

30 की उम्र के बाद से सभी लोगों को नियमित जांच कराते रहना चाहिए। 25 की उम्र में आमतौर पर ब्लड टेस्ट और कोलेस्ट्रॉल की जांच कराई जाती है। 35

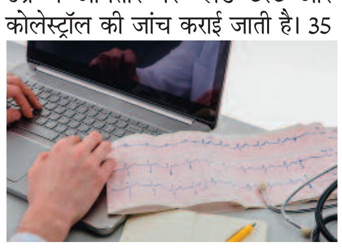

की उम्र में इन टेस्ट के साथ टीएमटी टेस्ट कराना चाहिए।मेडिकल हिस्ट्री, शारीरिक स्थिति के आधार पर लोगों को अलग-अलग टेस्ट की जरूरत हो सकती है, इसके बारे में अपने डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

ईसीजी (इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम): हृदय की विद्युत गतिविधि जांचता है। इको (इकोकार्डियोग्राफी): हृदय की संरचना और कार्य की जानकारी देता है टीएमटी (ट्रेडमिल टेस्ट): शारीरिक परिश्रम के दौरान हृदय की क्षमता जांचता है लिपिड प्रोफाइल: कोलेस्ट्रॉल का स्तर बताता है एचएस-सीआरपी टेस्ट: हृदय में सूजन के संकेत देता है।

ऑफिस डेस्क पर लक्ष्मी चरण रखने के नियम जरूर जानें

वास्तु शास्त्र के अनुसार, ऑफिस डेस्क पर कुछ खास चीजें रखने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और आपके काम में सफलता मिलती है। इन चीजों को सही दिशा में रखना भी जरूरी है। यहां कुछ चीजें बताई गई हैं जिन्हें आप अपनी ऑफिस डेस्क पर रख सकते हैं। वहीं ऑफिस डेस्क पर कुछ ऐसी चीजें जिन्हें रखने की मनाही होती है। इससे नकारात्मक ऊर्जा का संचार हो सकता है। साथ ही व्यक्ति के कार्यक्षेत्र में भी बाधाएं आने लग जाती है। अब ऐसे में क्या ऑफिस डेस्क पर क्या लक्ष्मी जी के चरण रख सकते हैं। आइए इस लेख में ज्योतिषाचार्य पंडित अरविंद त्रिपाठी से विस्तार से जानते हैं।

लक्ष्मी चरण, जिन्हें लक्ष्मी पादुका भी कहा जाता है, देवी लक्ष्मी के पैरों के निशान हैं। इन्हें धन, समृद्धि और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। लक्ष्मी चरण सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक हैं। इन्हें डेस्क पर रखने से ऑफिस में सकारात्मक माहौल बनता है और नकारात्मकता दूर होती है। लक्ष्मी चरण को धन और समृद्धि की देवी लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। इन्हें डेस्क पर रखने से व्यापार और काम में वृद्धि होती है और सफलता मिलती है। लक्ष्मी चरण को शांति और स्थिरता का प्रतीक भी माना जाता है। इन्हें डेस्क पर रखने से मन शांत रहता है और काम में एकाग्रता बढ़ती है। आपको बता दें, ऑफिस डेस्क पर लक्ष्मी जी के चरण हमेशा उत्तर-पूर्व दिशा में होने चाहिए। यह दिशा धन और समृद्धि के लिए शुभ मानी जाती है। इसलिए आप अपने ऑफिस डेस्क पर लक्ष्मी चरण रख सकते हैं।

ऑफिस डेस्क पर लक्ष्मी चरण किस तरह रखना चाहिए?

वास्तु शास्त्र के अनुसार, लक्ष्मी चरण को सही दिशा में और सही तरीके से रखने से घर और ऑफिस में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है। लक्ष्मी चरण को हमेशा अपने बैठने की दिशा में रखें। इसका मतलब है कि जब आप कुर्सी पर बैठे हों तो आपके सामने की ओर लक्ष्मी चरण होने चाहिए। लक्ष्मी चरण को डेस्क के ऊपरी बाएं कोने में रखें। यह स्थान धन और समृद्धि का प्रतीक है। इससे व्यक्ति के जीवन में आने वाली सभी बाधाएं दूर हो सकती है।

वास्तु के अनुसार पूजा का सामान किस दिशा में नहीं रखना चाहिए

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में सभी चीजों को सही दिशा में नियमित रूप से रखने का विधान है। अब ऐसे में घर में पूजा का सामान किस दिशा में रखने से लाभ हो सकता है। वास्तु में दक्षिण दिशा को यमराज की दिशा माना जाता है। इस दिशा में पूजा का सामान रखने से नकारात्मक ऊर्जा बढ़ सकती है और घर में अशुभ प्रभाव आ सकते हैं। इसके अलावा अगर आप पूजा-पाठ का सामान दक्षिण-पश्चिम दिशा में रख रहे हैं तो यह दिशा भी शुभ नहीं माना जाता है। इस कोण को स्थिरता और पितरों से संबंधित माना जाता है। यहां पूजा का सामान रखने से घर के सदस्यों के स्वास्थ्य और समृद्धि पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। पूजा का सामान आप भूलकर भी घर की आग्नेय कोण यानी कि दक्षिण-पूर्व दिशा में भूलकर भी न रखें। इन दिशाओं को अशुभ माना जाता है। बाथरूम के पास वाले जगह में भी पूजा का सामान नहीं रखना चाहिए। इससे नकारात्मक ऊर्जा का संचार हो सकता है। सीढ़ियों के नीचे की जगह को भी वास्तु में अच्छा नहीं माना जाता है। यहां पूजा का सामान रखने से घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ सकता है और काम में कभी भी सफलता नहीं मिलती है।

पूजा का सामान का महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, पूजा का सामान पवित्रता, शुभता और सकारात्मकता का कारक माना जाता है। इसलिए पूजा के सामान को कभी भी अपवित्र स्थान पर नहीं रखना चाहिए। इससे पूजा की पवित्रता और शुद्धि खत्म हो जाती है और व्यक्ति को पूजा का शुभ परिणाम नहीं मिलता है। पूजा का सामान हमेशा सही दिशा में रखें।

प्री-मानसून में पूरा एहतियात बरतें खानपान में, रहेंगे सेहतमंद

मानसून अभी आया नहीं है लेकिन प्री-मानसून का मौसम तो आ चुका है। इस मौसम में इम्यूनिटी बूस्ट करना जरूरी होता है। अन्यथा, आप बीमार भी पड़ सकते हैं। इम्यूनिटी बूस्ट करने के लिए खानपान का खास ध्यान रखें। केवल हेल्दी चीजों का ही सेवन करें।

प्री-मानसून का मौसम सुहावना होता है, लेकिन इस मौसम में बारिश के कारण कई तरह की बीमारियां होने लगती हैं। मौसम में नमी की वजह से आसानी से बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। इसलिए इस मौसम में घर की सफाई अच्छे से करनी चाहिए। साथ ही, आपको अपनी डाइट का भी खास ध्यान रखना चाहिए। खानपान में लापरवाही, यानी शरीर बीमारियों का घर। अक्सर लोगों को यह पता नहीं होता है कि किस मौसम में कौन-सी चीजें खानी चाहिए और किनसे परहेज करना चाहिए।

क्यों नहीं खाना चाहिए स्प्राउट्स?

स्प्राउट्स खाने में स्वादिष्ट के साथ-साथ हेल्दी भी होते हैं। इसलिए कहा जाता है कि स्प्राउट्स को अपनी डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। इन्हें खाने से शरीर को एनर्जी मिलती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इनका सेवन हर मौसम में नहीं किया जा सकता है? खासतौर पर बरसात के मौसम में। ऐसा इसलिए क्योंकि स्प्राउट्स को ग्रो करने के

लिए नमी चाहिए होती है, ऐसे में वह बैक्टीरिया के लिए भी जगह बनाते हैं। नमी के कारण बैक्टीरिया आसानी से पनपते हैं। इसलिए इस मौसम में स्प्राउट्स से परहेज करें। कच्चे स्प्राउट्स खाने से फूड प्वाइजनिंग हो सकती है। अगर आपको स्प्राउट्स खाने हैं, तो इन्हें पका कर खाएं।

डेयरी प्रोडक्ट्स का सेवन क्यों नहीं करना चाहिए?

डेयरी प्रोडक्ट्स सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं,लेकिन कई स्थितियों में यह शरीर को नुकसान भी पहुंचाते हैं। इसलिए आपको पता होना चाहिए कि कब और कितनी मात्रा में इनका सेवन करना चाहिए। प्री-मानसून के मौसम में दूध से बनी चीजों जैसे चीज़, पनीर आदि को अपनी डाइट में शामिल न करें। इन्हें खाने से आप बीमार पड़ सकते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि ये कंटामिनेट फूड्स हैं, जिन्हें कई दिनों तक बेचा जाता है। इसलिए जब भी खरीदें, ताजा ही लें।

प्री-मानसून में नॉन-वेज से क्यों परहेज करना चाहिए?

प्री-मानसून के मौसम में नॉन वेज खाने से पहले अच्छे से जांच कर लें कि क्या यह फ्रेश है। साथ ही, अगर आप इसे सही तापमान पर नहीं पकाएंगे तो इसमें बैक्टीरिया हो सकते हैं। नॉन वेज के साथ सी-फूड्स के सेवन से भी बचें। ऐसा इसलिए क्योंकि सी-फूड्स में भी बैक्टीरिया होते हैं, जिससे आप बीमार पड़ सकते हैं। खासतौर पर मछली, केकड़ा और प्रॉन्स न खाएं। ये चीजें इन्फेक्शन कर सकती हैं।

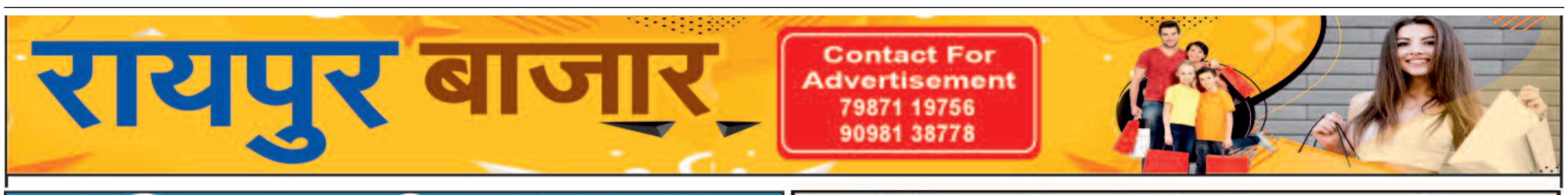

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

'हैरी पॉटर' टीवी सीरीज के लिए फाइनल हुई कास्ट

हैरी पॉटर के जादुई संसार में एक बार फिर नई जान फूंकी जा रही है, लेकिन इस बार कहानी बड़े पर्दे नहीं, बल्कि छोटे पर्दे पर अपने जादू का असर दि खा ए गी । एचबीओ की अपकमिंग 'हैरी पॉटर' टीवी सीरीज के लिए आखिरकार नए हैरी, हर्माइनी और रॉन का चयन हो चुका है और इन चेहरों ने फैंस में एक्साइटमेंट अब और बढ़ा दी है।

डोमिनिक मैक्लॉघलिन अब हैरी पॉटर की भूमिका निभाते नजर आएंगे, जबकि हरमाइनी ग्रेंजर बनेगी एराबेला स्टैंटन और एलेस्टियर स्टॉउट निभाएंगे रॉन वीसली का किरदार। ये तीनों युवा कलाकार अब वही जादू बिखेरने के लिए एकदम तैयार हैं। इन तीनों ही किरदारों में अब तक फैंस को डैनियल रैडक्लिफ, एमा वॉटसन और रुपर्ट ग्रिंट को ही देखने की आदत बनी हुई है।

एचबीओ ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए इन नए कलाकारों का स्वागत करते हुए लिखा, 'प्रिय मिस्टर पॉटर, मिस ग्रेंजर और मिस्टर वीसली, आपको हॉगवर्ट्स स्कूल में दाखिला मिल गया है।' इस ऐलान के साथ ही यह तय हो गया है कि ये सीरीज जे के रोलिंग की किताबों पर आधारित एक नई और कहानी होगी, जो हर पीढ़ी के दर्शकों के लिए रोमांचक होगी।

बताया जा रहा है कि इन प्रमुख भूमिकाओं के लिए 30,000 से ज्यादा ऑडिशन हुए थे, जिनमें से इन तीन प्रतिभाओं को चुना गया है। इस कास्टिंग प्रोसेस की अगुवाई लुसी बेवन और एमिली ब्रॉकमैन ने की और शो की कमान शोरनर फ्रांसेस्का गार्डिनर और निर्देशक मार्क मायलॉड के हाथों में है।

टॉलीवुड

बड़े पर्दे पर धाकड़ कमाई के बाद सूर्या की 'रेट्रो' अब ओटीटी पर दस्तक देने की तैयारी

तमिल रोमांटिक-एक्शन फिल्म 'रेट्रो' अब बड़े पर्दे के बाद ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। सूर्या और पूजा हेगड़े अभिनीत इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शा न दा र प्रदर्शन किया। यह फिल्म सिनेमाघरों में 01 मई को रिलीज हुई और इसे समीक्षकों द्वारा खूब सराहना मिली। आइए जानते हैं ओटीटी पर कब रिलीज हो रही यह फिल्म। ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने 'रेट्रो' फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए बताया है कि इसे 30 मई को ओटीटी पर रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म को नेटफ्लिक्स पर पांच भाषाओं हिंदी, तमिल, कन्नड़, तेलुगु और मलयालम में रिलीज किया जाएगा। फिल्म के पोस्टर में पूजा हेगड़े और सूर्या रोमांटिक अंदाज में सीढ़ियों पर बैठे हुए दिख रहे हैं।

'रेट्रो' 1990 के दशक की पृष्ठभूमि पर आधारित कहानी है। इसमें गैंगस्टर द्वारा पाले गए व्यक्ति पारीवेल कन्नन की कहानी बताई गई है। फिल्म में असली मोड़ तब आता है, जब वह डॉ. रुक्मिणी से प्यार करने लगता है तो उसकी जिंदगी बदल जाती है। फिल्म में जब पारीवेल अपने हिंसक अतीत को छोड़ने का फैसला करता है, तो उसकी शांति की इच्छा, उसके गैंगस्टर पिता की मांग और अपने प्यार रुक्मिणी की रक्षा करने की जरूरत से टकराती है। फिर इसके बाद कहानी में जोरदार रोमांच देखने को मिलता है। कार्तिक सुब्बाराज के निर्देशन में बनी यह तमिल फिल्म 01 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह फिल्म तमिल में 2025 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। इस फिल्म में सूर्या और पूजा हेगड़े के अलावा जोजू जॉर्ज, जयराम, नासर, प्रकाश राज और करुणाकरण भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। वहीं श्रिया सरन भी एक विशेष कैमियो भूमिका में नजर आईं हैं।

छॉलीवुड

'मासूम हाउसवाइफ' में भूतनी बनकर अत्याचारी सास और ननद को सिखाया सबक

भोजपुरी फिल्मों की टॉप स्टार्स में शुमार अंजना सिंह की फिल्म 'मासूम हाउसवाइफ' का ट्रेलर रिलीज होने के बाद से ही चर्चा में है। फैंस तारीफ करते नहीं थक रहे और उन्हें फिल्म की रिलीज का इंतजार है। उनका कहना है कि ये फिल्म सुपरहिट होगी। आम्रपाली दुबे, रानी चटर्जी और काजल राघवानी की तरह अंजना सिंह की भी भोजपुरी सिनेमा में काफी पॉपुलैरिटी है। वह भी भोजपुरी की टॉप एक्ट्रेसेस में गिनी जाती हैं। भोजपुरी के फैंस उनकी फिल्मों और गानों का बेसब्री से इंतजार करते हैं। हाल ही अंजना सिंह की नई भोजपुरी फिल्म 'मासूम हाउसवाइफ' का ट्रेलर रिलीज किया गया। यह रिलीज होते ही छा गया और फैंस का दिल जीत ले गया।

मेकर्स ने पहले 'मासूम हाउसवाइफ' के पोस्टर्स रिलीज किए थे, और अब ट्रेलर रिलीज किया है। इसमें अंजना सिंह का एक अलग ही अवतार देखने को मिला है, जो फैंस तक को हैरान कर रहा है। भोजपुरी फिल्म 'मासूम हाउसवाइफ' के ट्रेलर में दिखाया गया है कि अंजना की शादी होती है तो वह बहू बनकर एक परिवार में जाती हैं। लेकिन ससुराल में अंजना को बहुत टॉर्चर किया जाता है। सास और ननद मिलकर अंजना पर खूब अत्याचार करती हैं। वो कभी खाने को लेकर टोकती हैं तो कभी कपड़े पहनने को लेकर। हद तो तब हो जाती है, जब सास और ननद मिलकर अंजना को खूब मारती हैं।

लाइफ स्टाइल

2025 के रुझान

साल 2025 के फैशन में बोल्ड और व्यक्तिगत एक्सप्रेशन पर जोर दिया जा रहा है। चमकदार एक्सेसरीज, पावर ड्रेसिंग और स्टेटमेंट काफ्तान जैसे रुझान देखने में आ रहे हैं। इसके अलावा, 90 के दशक और नई सदी के शुरुआत का भी कमबैक हो रहा है, जिसके कारण अति-पुरानी यादों का मिश्रण देखने को मिल रहा है।

कोहनी का कालापन हफ्तेभर में दूर करेंगे ये नुस्खे

यदि आप भी कोहनी के कालेपन को घर पर ही दूर करना चाहते हैं, तो एक बार हमारे बताए नुस्खे ट्राई करें। हम अपने चेहरे का ध्यान तो खूब अच्छे से रख लेते हैं, लेकिन जल्दबाजी के चक्कर में अक्सर शरीर के कुछ ऐसे भागों पर ध्यान नहीं दे पाते, जो काफी अहम हैं। हम बात कर रहे हैं कोहनी की, जिसकी वजह से ज्यादातर लोग हाफ स्लीव के कपड़े पहनने से शर्माते हैं। दरअसल, हम में से हर दूसरा व्यक्ति कोहनी के कालेपन से परेशान है। इसके लिए बाजार में कई क्रीम भी आती हैं, जो ज्यादा कुछ खास असर नहीं दिखा पातीं। इसीलिए हम आपको कुछ आसान नुस्खे बताने जा रहे हैं, जिसको आजमाकर आप कोहनी के कालेपन को दूर कर सकते हैं।

नींबू और शहद

घुटने और कोहनी के कालेपन को दूर करने में नींबू आपकी मदद कर सकता है, ऐसा इसलिए क्योंकि नींबू में ब्लीचिंग तत्व पाए जाते हैं। तो वहीं शहद स्किन को नमी प्रदान करेगा। इसके इस्तेमाल के लिए सबसे पहले तो एक नींबू को काटकर आधा कर लें और इसे कोहनी पर हल्के हाथ से रगड़ें। नींबू से रगड़ने के बाद थोड़ा सा शहद लेकर इसे अपनी कोहनी पर लगाएं। कम से कम 15 मिनट इसे ऐसे ही लगा रहने दें और फिर सादा पानी से धो लें।

बेसन और दही

इन दोनों चीजों का पेस्ट डेड स्किन के साथ-साथ त्वचा के कालेपन को दूर करने में आपकी मदद करेगा। इसका इस्तेमाल भी काफी आसान होता है। इसके इस्तेमाल के लिए सबसे पहले तो एक कटोरी में थोड़ा सा बेसन निकाल लें। इसके बाद इसमें दही डालकर मिक्स करें। ध्यान रखें कि इसके पेस्ट को गाढ़ा ही रहने दें। अब इस पेस्ट को कोहनी पर लगाएं और कुछ देर के लिए ऐसे ही छोड़ दें।

नारियल तेल और चीनी

ये कालापन डेड स्किन के जमने से होता है, ऐसे में स्क्रब का इस्तेमाल करके आप डेड स्किन को गायब कर सकते हैं। चीनी कालेपन को दूर करेगी, वहीं नारियल का तेल स्किन को मुलायम बनाए रखेगा। इसके लिए एक कटोरी में नारियल का तेल लेकर उसमें पिसी हुई चीनी डालें। अब इस पेस्ट को कोहनी के कालेपन पर लगाएं। 10 से 15 मिनट मसाज करने के बाद कोहनी को सादे पानी से धो लें और हफ्ते भर में इसका असर देखें।

कुर्ता स्कर्ट सेट डिजाइन आपकी खूबसूरती में लगा देंगे चार चांद

बदलते फैशन के चलते हर महिला चाहती है कि वह भीड़ भाड़ से हटकर अपने लुक को खूबसूरत बनाएं। ऐसे में अगर आप भी स्टाइलिश लुक पाने के लिए नई-नई डिजाइन के लेटेस्ट आउटफिट ट्राई करना चाहती है, तो अब आप अपनी खूबसूरती में चार चांद लगाने के लिए इन स्टाइलिश कुर्ता स्कर्ट सेट को ट्राई कर सकती हैं। इन्हें पहनकर आप किसी हसीना से कम नहीं लगेगी।

कुर्ता स्कर्ट सेट

अगर आप अपने घर पर होने वाले किसी भी फंक्शन में सभी मेहमानों के सामने अपनी खूबसूरती का जलवा बिखेरना चाहती है, तो अब आप इस ब्राउन कुर्ता स्कर्ट सेट को ट्राई कर सकती हैं। इसमें आप बहुत खूबसूरत लगेगी। इस तरह के कुर्ता स्कर्ट सेट आपको ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह आसानी से मिल सकते हैं।

ग्रीन लॉन्ग कुर्ता स्कर्ट सेट

यही नहीं अगर आप अपने दोस्त के घर जाने वाली है और वहां अपनी खूबसूरती से सभी को खुश करना चाहती है, तो आप इस खूबसूरत ग्रीन लॉन्ग कुर्ता स्कर्ट सेट को भी ट्राई कर सकती हैं। आप इस तरह के कुर्ता स्कर्ट को बाजार से कपड़ा लाकर टेलर की मदद से बनवा सकती है या रेडीमेड भी खरीद सकती है। यह आउटफिट आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा देगा।

कलाकृति कॉटनकुर्ता स्कर्ट सेट

अगर आप यूनिक लुक क्रिएट करना चाहती हैं और भीड़ से हटकर दिखना चाहती है, तो आपके लिए यह स्टाइलिशकलाकृति कॉटनकुर्ता स्कर्ट सेट बेस्ट ऑप्शन हो सकते हैं। इसे पहनकर आप बला की खूबसूरत लगेगी। इसके साथ आप एक्सेसरीज और मेकअप कर अपने लुक को कंप्लीट कर सकती हैं। इस तरह के आउटफिट को भी आप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह से खरीद सकती हैं।

गर्मी और उमस से झड़ रहे हैं आपके बाल तो ये नुस्खे आजमाकर देख लें

गर्मी के मौसम में पसीना इतना ज्यादा आता है, कि उसकी वजह से लोगों के चेहरे पर तमाम तरह की परेशानियां पैदा होने लगती हैं। चेहरे के साथ-साथ बालों में नयी-नयी दिक्कतें आने लगती हैं। खासतौर पर बाल झड़ने की समस्या से तो हर दूसरा व्यक्ति परेशान रहता है।

यदि आप भी उन्हीं लोगों में से हैं, जिनके बाल उमस और गर्मी की वजह से झड़ रहे हैं तो ये लेख आपके लिए है। यहां हम आपको कुछ ऐसे नुस्खे बताने जा रहे हैं, जिनके इस्तेमाल से आपके बालों का झड़ना थम सकता है।

प्याज का रस

इस मौसम में प्याज का रस बालों को काफी फायदा पहुंचाता हैं। ऐसे में इसके इस्तेमाल के लिए सबसे पहले तो प्याज को कद्दूकस कर लें और फिर उससे रस निकाल लें।

अब रुई की मदद से इस रस को स्कैल्प पर लगाएं। आधे घंटे के बाद बालों को अच्छी तरह से धो लें। इसका इस्तेमाल आप हफ्ते में तीन बार कर सकते हैं।

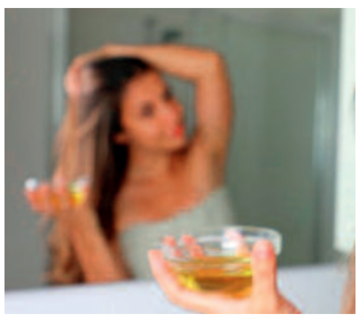

आंवले का रस

यदि आपको कहीं से आंवले मिल गए हैं तो आप इसके इस्तेमाल से भी बालों को गर्मी के मौसम मेंमजबूत बना सकते हैं। इसके लिए आंवले को पीस कर पहले तो उसका रस निकाल लें।

अब रूई की मदद से इसे अपने बालों और स्कैल्प पर अप्लाई करें। इसे आप आराम से एक घंटे के लिए स्कैल्प पर लगा रहने दे सकते हैं। एक घंटे के बाद बालों को धो लें। इससे न सिर्फ आपके बाल मजबूत होंगे, बल्कि बालों में प्राकृतिक शाइन भी आएगी।

इस मौसम में रखना है पैरों का ध्यान तो रट लें इन बातों को

बारिश का मौसम शुरू होने वाला है। प्री-मानसून ने दस्तक दे दी है। ये मौसम भले ही काफी रोमांटिक होता हो, लेकि अपने साथ कई तरह की मुश्किलें लेकर आता है। इस मौसम में सबसे ज्यादा त्वचा संबंधी परेशानियां पैदा होने लगती हैं। खासतौर पर इसका सबसे ज्यादा असर पैरों में देखा जाता है।

दरअसल, जमीन पर रहने की वजह से पैरों में फंगल इंफेक्शन जैसी दिक्कतें होना काफी आम बात हो जाती है। कई बार तो पानी में रहने की वजह से पैर काफी अजीब से दिखने लगते हैं। इसी वजह से आज हम आपको कुछ ऐसी टिप्स देने जा रहे हैं, जिनको फॉलो करके आप अपने पैरों की खूबसूरती को बरकरार रख सकते हैं। इसके लिए आपको सिर्फ कुछ ही बातों का ध्यान रखना है।

पैरों को रखें साफ

यदि आप चाहते हैं कि आपके पैर एकदम साफ-सुथरे रहें तो अपने पैरों का खास ध्यान रखें। जब भी कहीं बाहर से आएं तो पैरों को धो लें। खासतौर पर

यदि आपके पैर गंदे पानी में भीग गए हैं, तब तो उन्हें अच्छे से साफ करना बेहद जरूरी हो जाता है, वरना पैरों में बैक्टेरिया जमने लगते हैं। गंदे पानी में पैर भीग गए हैं तो उन्हें हल्के गुनगुने पानी से दोबारा साफ करें।

फंगल इंफेक्शन से कैसे बचें ?

बारिश के मौसम में पैरों में फंगल इंफेक्शन हो जाता है, जिससे पैर काफी अजीब दिखने लगते हैं। इस इंफेक्शन से बचना काफी जरूरी होता है।

कार्नर न्यूज

हैंड वर्क को पसंद करने से पहले उसके बारे में अच्छी तरह जान लें

लहंगा-साड़ी में असली हैंड वर्क की पहचान करना मुश्किल नहीं, जागरुकता से आप बचा लेंगी पैसे

लहंगा और साड़ी में महिलाएं हमेशा हैंड वर्क को ज्यादा पसंद करती है। पर यदि आपको असली हैंड वर्क की पहचान करना नहीं आता होगा, उनके पैसे बर्बाद हो जाएंगे। इसलिए इस लेख को अंत तक पढ़ें।

शादी में पहनने वाला लहंगा और साड़ियां काफी महंगी आती हैं। खासतौर पर अगर जरी वाले लहंगे-साड़ी की तरफ नजरें उठा ली जाएं तो उनके दाम तो आसमान छूते हैं। जरी वाले लहंगे-साड़ी देखने में न सिर्फ खूबसूरत लगते हैं, बल्कि इन्हें पहनने से अंदाज एकदम शाही लगता है, लेकिन आजकल बाजार में जरी के हैंडवर्क के नाम भी मशीन के काम वाले आउटफिट, असली वर्क के नाम पर बेचे जा रहे हैं, जो बजट में भी आ जाते हैं।

ज्यादातर लोगों तो असली और नकली जरी के वर्क में फर्क पता नहीं लग पाता। इसी के चलते हम आपको कुछ ऐसे टिप्स देने जा रहे हैं, जिनको फॉलो करके आप आसानी से असली और नकली जरी वर्क की पहचान कर सकते हैं। इसके लिए आपको बस कुछ बातों पर ध्यान देने की जरूरत है।

देखें धागे की अनियमितता

यदि आप हैंड वर्क का आउटफिट खरीदने जा रहे हैं, तो उसके धागे की अनियमितता देखें। ध्यान रखें कि मशीन से जो काम किया जाता है इसका पैटर्न एकदम एक जैसा होता है।

यानी कि उसमें धागों की दूरी में एक समान होगी, जबकि यदि आउटफिट पर हाथ से काम किया गया है, तो धागे में अनियमितता ही इस बात का सबूत होती है कि आउटफिट पर हैंड वर्क है।

काम को उलट कर देखें

आउटफिट खरीदने से पहले एक बार उलटकर चेक अवश्य करें। ध्यान रखें कि यदि किसी आउटफिट पर मशीन से काम किया गया है, तो उसमें बहुत सफाई होगी। धागे एक-दूसरे में बिल्कुल उलझे नहीं होंगे। जबकि हाथ से किए गए काम में धागे भी उलझे होंगे, और उसमें ज्यादा

सफाई नहीं होती। हाथ के काम वाले आउटफिट के उलटी तरफ धागों में गांठें भी बंधी दिखाई देती हैं।

समय चेक करें

यदि कोई दुकानदार आपसे ये दावा करता है कि वो एक हफ्ते में हैंड वर्क का आउटफिट तैयार करवा देगा, तो ये साफ है कि वो झूठ बोल रहा है। क्योंकि हैंड वर्क में बहुत समय और मेहनत लगती है, जिस कारण हैंडवर्क का आउटफिट तैयार होने में महीनों का समय लगता है।

रेट परखें

आउटफिट खरीदते समय ध्यान रखें कि यदि कोई दुकानदार हैंड वर्क का आउटफिट आपको काफी सस्ते में दे रहा है, तो वो भी नकली हो सकता है। हैंड वर्क वाले आउटफिट का दाम काफी ज्यादा होता है, क्योंकि इसमें लेबर कॉस्ट काफी ज्यादा होती है।